ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के लिए गद्दारों की रक्षा करना गलत: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 15 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-285

तेलंगाना से लेकर असम, बहराइच से लेकर बंगाल तक बवाल

देशभर में दुर्गा पूजा पर इस्लामी कट्टरपंथियों का हमला

बहराइच में दंगाइयों ने हिंदू युवक को घसीट कर गोली मारी

हैदराबाद के देवी मंदिर में की तोड़फोड़, देवी की प्रतिमा तोड़ी

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवरात्र की शुरुआत और दुर्गा पूजा के दरम्यान पूरे देश में अराजक इस्लामिक तत्वों ने हिंदू आस्था पर जगह जगह हमला किया, हिंसा की और हत्याएं कीं। लेकिन संबंधित प्रदेशों की सरकारें मुंह ताकती रह गईं। जिन प्रदेशों में कांग्रेस या अन्य दल की सरकारें हैं, वहां दंगाइयों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया, लेकिन जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं वहां भी पुलिस ने कट्टरपंथी उपद्रवियों पर कोई त्वरित कार्रवाई नहीं की, जिस वजह से कई लोगों को जान गंवानी पड़ी।

इस्लामी कट्टरपंथियों ने देश के अलग-अलग हिस्सों में दुर्गा पूजा और हिंदुओं को निशाना बनाया। मुस्लिम कट्टरपंथियों ने कहीं पंडाल पर पथराव किया गया तो कहीं मूर्ति विसर्जन के जुलूस पर हमला किया। कहीं जुलूस के रास्तों को लेकर विवाद किया तो कहीं विसर्जन यात्रा में भजन बजाए जाने पर बवाल किया गया। उत्तर प्रदेश के बहराइच में दुर्गा प्रतिमा पर पथराव कर मूर्ति क्षतिग्रत की गई। उपद्रवी एक युवक को घसीट कर गलियों में ले गए और उसे बुरी तरह पीटा और काटा और आखिर में गोली मारकर हत्या कर दी। हिंसा में करीब दर्जनभर लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल, तेलंगाना से लेकर झारखंड और असम तक पथराव और हिंसा की घटनाएं हुई है। यह हिंसा हिंदुओं के त्यौहार नवरात्र के साथ ही प्रारंभ हो गई थी।

बहराइच में हिंसा, हिंदू युवक की हत्या

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के दौरान रविवार 13 अक्टूबर को मुस्लिम उपद्रवियों ने भीषण हिंसा की। विसर्जन जुलूस में शामिल हिंदू श्रद्धालुओं पर पत्थर और गोलियां बरसाई गईं। जिस मकान से गोलियां चलाई गईं, वह सलमान का घर है। रामगोपाल मिश्रा नाम के 22 साल के युवक को घसीट कर गोली मारी गई। रामगोपाल मिश्रा हत्याकांड में मुस्लिम समुदाय के 6 लोग नामजद किए गए हैं। हिंदू युवक की हत्या के बाद जिले के कई हिस्सों में तोड़फोड़ और आगजनी हुई है। थोड़े समय के लिए प्रतिमाओं का विसर्जन भी रुका रहा। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले में कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

कौशाम्बी में विसर्जन यात्रा पर हमला

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले में मां दुर्गा के विसर्जन जुलूस पर हमला हुआ। इस हमले में जुलूस में शामिल महिला श्रद्धालुओं को भी निशाना बनाया गया। हमले के दौरान तलवारें लहराई गईं और पत्थरबाजी हुई। घटना में कई श्रद्धालुओं को चोटें आने की खबर है। शनिवार को हुए इस हमले में मुस्लिम समुदाय के लगभग एक दर्जन लोग शामिल थे, जिनमें महिलाएं भी शामिल हैं। मां दुर्गा की प्रतिमा को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया और एक महिला से दुष्कर्म की भी कोशिश हुई। पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

बलरामपुर में दुर्गा पूजा पंडाल पर हमला

उत्तर प्रदेश के ही बलरामपुर में दुर्गा पूजा के दौरान इस्लामिक कट्टरपंथियों ने पंडाल में घुसकर महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया। आरोपियों में कलीम, अरबाज़, इमरान और मुख़्तार शामिल हैं, जिन्होंने महिला श्रद्धालुओं से अभद्रता की और पंडाल में लगे भगवा ध्वज को नोचकर नाली में फेंक दिया। महिलाओं ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। यह घटना दुर्गा पूजा के शांतिपूर्ण उत्सव में बाधा डालने का एक स्पष्ट उदाहरण है। हिंदू संगठनों ने इस घटना की कड़ी निंदा की और आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग की। ▶10 पर

जम्मू कश्मीर में नई सरकार के शपथ ग्रहण का रास्ता साफ

जम्मू कश्मीर से हटा राष्ट्रपति शासन

छह साल बाद वापस हुआ राष्ट्रपति शासन, अधिसूचना जारी

पर उमर के गले की फांस बनेगा पांच सदस्यों का मनोनयन

श्रीनगर, 14 अक्टूबर (ब्यूरो)। जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन हटा लिया गया है। इसकी अधिसूचना देर रात जारी की गई। इसके साथ ही मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण का रास्ता साफ हो गया। ज्ञात हो कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र को राष्ट्रपति शासन हटाने की सिफारिश भेजी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 19 अक्टूबर तक तीन देशों की यात्रा पर रवाना होने से पहले अधिसूचना को मंजूरी दी। अब उपराज्यपाल नई सरकार के गठन के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला को जल्द न्यौता दे सकते हैं। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के गठन का रास्ता तो साफ हो गया है, पर जम्मू कश्मीर विधानसभा में पांच सदस्यों को मनोनीत करने वाला मामला उमर सरकार के गले की फांस भी बनने वाला है। पांच सदस्यों को मनोनयन के मसले पर कांग्रेस पार्टी ने आज सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में फिलहाल कोई दखल देने से इन्कार कर दिया।

राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 (2019 का 34) की धारा 73 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के संविधान के अनुच्छेद 239 और 239ए के साथ, जम्मू कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के संबंध में 31 अक्टूबर, 2019 का आदेश जम्मू कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 की धारा 54 के तहत मुख्यमंत्री की नियुक्ति से ठीक पहले निरस्त माना जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हस्ताक्षरित अधिसूचना में यह कहा गया है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में नेशनल कांफ्रेंस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। नेकां-कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें हासिल की हैं।

पर सबसे बड़ी चिंता सरकार की उप राज्यपाल के उस अधिकार की है जिसके तहत वे पांच सदस्यों को मनोनीत करेंगें और इन सभी सदस्यों को चुने गए विधायकों की ही तरह पूर्ण अधिकार होंगे। इस मामले पर आज कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में पहुंची। इस याचिका पर सुनवाई करने से सुप्रीम कोर्ट ने साफ इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि पहले हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएं। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की बेंच ने कहा कि वह इस मामले पर विचार करने के इच्छुक नहीं है और याचिकाकर्ता को पहले जम्मू-कश्मीर ▶10 पर

भारत ने कनाडा से उच्चायुक्त और राजनयिकों को वापस बुलाया

- छह कनाडाई राजनयिक किए निष्कासित
- सभी को 19 अक्टूबर तक छोड़ना होगा देश
- निज्जर मामले में कनाडा के बयान पर सरकार सख्त

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने कनाडा में घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए भारतीय उच्चायुक्त और राजनयिकों को किसी आपराधिक मामले में जांच के सिलसिले में तलब किए जाने के मुद्दे पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय उच्चायुक्त एवं राजनयिकों को वापस बुलाने तथा भारत से कनाडा के छह राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने कनाडा उच्चायोग के प्रभारी को आज शाम तलब कर उन्हें दो टूक शब्दों में कहा कि उनके देश की एजेंसियों द्वारा अपने घरेलू राजनीतिक लाभ के लिए भारतीय राजनयिकों को निशाना बनाने से उनकी सुरक्षा को खतरा बढ़ गया है लिहाजा भारत सरकार ने उन्हें वापस बुलाने का फैसला किया है। इसके कुछ घंटे बाद आज रात नई दिल्ली स्थित कनाडा के उच्चायोग के तैनात छह वरिष्ठ राजनयिकों को निष्कासित करने का फरमान जारी किया। जिन 6 कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित करने का निर्णय लिया है, उनमें कार्यवाहक उच्चायुक्त स्टीवर्ट रॉस व्हीलर, उप उच्चायुक्त पैट्रिक हेबर्ट, फर्स्ट सेकेट्री मैरी कैथरीन जोली, फर्स्ट सेकेट्री लैन रॉस डेविड ट्राइट्स, फर्स्ट सेकेट्री एडम जेम्स चुइप्का, फर्स्ट सेकेट्री पाउला ओरजुएला शामिल हैं। उन्हें शनिवार, 19 अक्टूबर को मध्य रात्रि के पहले भारत छोड़ने के लिए कहा गया है।

विदेश मंत्रालय ने इससे पहले जारी एक बयान में कहा कि कनाडाई उच्चायोग के प्रभारी को आज शाम सचिव (पूर्व) द्वारा तलब किया गया था। उन्हें बताया गया कि कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों और अधिकारियों को आधारहीन निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। कनाडा उच्चायोग के प्रभारी को यह रेखांकित किया गया कि उग्रवाद और हिंसा के माहौल में, जस्टिन ट्रूडो सरकार के कार्यों ने ▶10 पर

आर्थिक संकट दूर करने के लिए आंध्र सरकार की 'शराब-पहल'

दारू से नायडू कमाएंगे 20 हजार करोड़

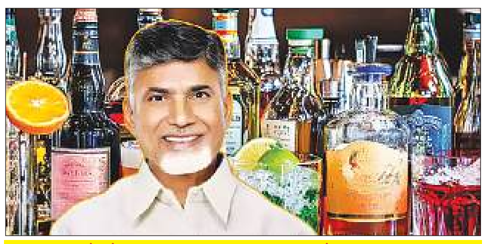

खुलेंगे नए लिकर स्टोर, खूब सस्ती दारू भी मिलेगी

अमरावती, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। आर्थिक संकट से उबरने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार शराब के धंधे से पैसा कमाने का जुगाड़ निकाल रही है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी शराब के धंधे से पैसा कमाने की कोशिश की थी, लेकिन शराब नीति घोटाला ही केजरीवाल को ले डूबा। लेकिन आंध्र प्रदेश की राजनीतिक नब्ज समझने वाले जानकारों का कहना है कि केजरीवाल ने शराब नीति घोटाले के जरिए धन हड़पने की साजिश की थी, लेकिन चंद्रबाबू नायडू की सरकार शराब से सरकारी राजस्व कमाने का रास्ता अख्तियार कर रही है। शराब से कमाया हुआ धन सीधे राजकोष में जाएगा, जिससे राज्य की आर्थिक किल्लत दूर होगी। आंध्र प्रदेश सरकार नए लिकर स्टोर खोल कर राजस्व कमाने का फार्मूला अख्तियार कर रही है। नकदी की कमी से जूझ रहे आंध्र प्रदेश को शराब की बिक्री से लगभग 20,000 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। राजस्व महकमे से जुड़े एक आला अधिकारी ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार को शेष वित्तीय वर्ष के दौरान लाइसेंस शुल्क और शराब की बिक्री से लगभग 20,000 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने 3,396 दुकानों के लिए गैर-वापसीयोग्य आवेदन शुल्क के रूप में 1,800 करोड़ रुपए कमाए हैं। एक बार लॉटरी के आधार पर आउटलेट आवंटित होने के बाद, विजेता को छह किस्तों में 50 लाख रुपए से 85 लाख रुपए तक की लाइसेंस फीस का भुगतान करना होगा। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट से आजम खान को मिला करारा झटका

पद के दुरुपयोग का स्पष्ट मामला है: चंद्रचूड़

जौहर विवि की जमीन लीज रद्द करने का आदेश सही

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को समाजवादी पार्टी के बड़े मुस्लिम नेता आजम खान को करारा झटका दिया। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को यूपी के रामपुर में स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की जमीन संबंधित लीज रद्द करने को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने यूपी सरकार द्वारा भूमि लीज रद्द किए जाने के खिलाफ मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की कार्यकारी समिति की याचिका खारिज कर दी थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने लीज शर्तों के उल्लंघन का हवाला देते हुए ट्रस्ट को आवंटित 3.24 एकड़ भूखंड का पट्टा रद्द कर दिया था। सरकार का कहना है कि यह भूमि मूल रूप से एक शोध संस्थान के लिए आवंटित की गई थी, लेकिन वहां एक स्कूल चलाया जा रहा था। ▶10 पर

चिराग पासवान और थावरचंद गहलोत को जेड श्रेणी सुरक्षा

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को गृह मंत्रालय ने जेड स्तर की सुरक्षा देने का फैसला किया है।

इससे पहले चिराग पासवान को एसएसबी के कमांडो की सुरक्षा मिली हुई थी। जेड श्रेणी की सुरक्षा मिलने के साथ ही अब उन्हें सीआरपीएफ के जवान सुरक्षा देंगे। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को भी केंद्र सरकार की तरफ से जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने का फैसला किया गया है। वह भी चिराग पासवान की तरह ही सीआरपीएफ जवानों के सुरक्षा घेरे में रहेंगे। जेड श्रेणी की सुरक्षा में चिराग पासवान और थावरचंद गहलोत के आसपास 22 सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,250/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 92,570/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 20^0

हरियाणा के नूंह में बसा दिए गए रोहिंग्या मुस्लिम

रोहिंग्या घुसपैठिए पूरी ठसक से चला रहे मदरसे

स्थानीय संरक्षण में मौज कर रहे 500 घुसपैठिए

नूंह, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुस्लिम बहुल मेवात क्षेत्र के नूंह में रोहिंग्या घुसपैठियों की बड़ी आबादी को संरक्षण देकर अवैध रूप से बसा दिया गया है। ये सभी म्यांमार से अवैध रूप से भारत में आए और यहां से नूंह में स्थापित कर दिए गए। इन अवैध घुसपैठियों के रहने वाले अस्थायी आवास बनाया गया है। ये सभी साल 2016 में ही भारत आ गए थे और तभी से यहां रह रहे हैं। रहने के साथ-साथ रोहिंग्या घुसपैठिए मदरसा भी संचालित कर रहे हैं।

मदरसे में पढ़ाने वाले मौलाना यूनुस ने कहा कि यहां 400 से 500 रोहिंग्या रहते हैं। हालांकि, उनकी जुबानी ये संख्या है, लेकिन वास्तविक संख्या कितनी है, ये किसी को नहीं पता। ये वही क्षेत्र है, जहां से हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता मामन खान से रिकॉर्ड जीत हासिल की है। मुस्लिम बहुल इस क्षेत्र में उन्हें एकतरफा मत मिले। चुनाव प्रचार के दौरान मामन यहां के हिंदुओं को धमकाते हुए कहा था कि जिन लोगों ने मुस्लिमों के खिलाफ अन्याय किया है, उन्हें कांग्रेस की सरकार बनते ही मेवात छोड़ना पड़ेगा। मामन का नाम 2023 के मेवात दंगों में आया था। नूंह के नांगली गांव में बांस आदि से छप्पर के रूप में एक अस्थायी ढांचा बनाया गया है, जिस पर लिखा है मदरसा इस्लामिया दारूल उलूम इल्यासिया। यह ढांचा एक बड़े भूभाग पर बनाया गया है। इसमें नमाजी टोपी पहने हुए बहुत सारे बच्चे और किशोर दिखाई देते हैं। इसमें जियाउर रहमान नामका एक व्यक्ति है, जो खुद को मौलवी बताता है। रहमान कहता है कि वह नूंह में रहता है कि मदरसे में बच्चों को पढ़ाने के लिए वह गांव में आता है। रहमान खुद भी म्यामांर (बर्मा) का रहने वाला है। रहमान ने बताया कि साल 2016 से यह मदरसा चल रहा है। यहां पढ़ने वाले सारे बच्चे म्यामांर के ही है। मदरसे में ही बच्चों को खाना भी मिलता है। रात में रहते भी हैं। उसने बताया कि यहां कभी रेड नहीं पड़ी और न ही किसी ने पूछा कि वे कहां के रहने वाले हैं।

रहमान ने बताया कि उसे भारत में किसी तरह का खतरा नहीं है, क्योंकि वह यहां मेहमान के हिसाब से रह रहा है। बर्मा से आया और व्यक्ति मोहम्मद यूनुस नाम का मिला। उसने बताया कि वह बच्चों को अरबी और अंग्रेजी पढ़ाता है। यूनुस ने बताया कि यहां रहने वाले रोहिंग्या मुस्लिमों की आबादी लगभग 400 है। यूनुस ने बताया कि भारत में आने के लिए उन सबों के पास कुछ भी नहीं है। यूनुस ने कहा, न हमारे पास पासपोर्ट है, न वीजा है। हम कैसे-कैसे करके यहां आ गए, यह बहुत मुश्किल काम है। हम ब्लैक में आ गए। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

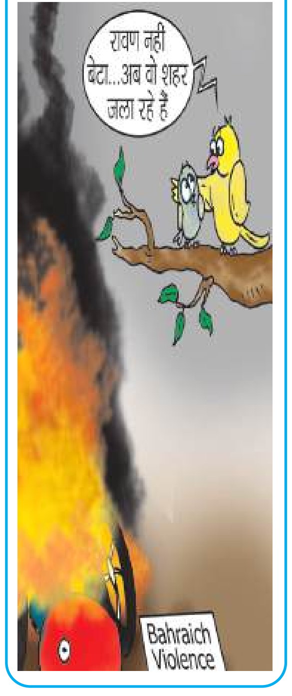

जीतो बेंगलूरु साऊथ चैप्टर का दो दिवसीय विचार मंथन सत्र सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आगामी कार्यकाल में बेहतरीन कार्यक्रमों की रूप रेखा तय करने और नई प्रबंधन समिति के सदस्यों में उत्साह वर्धन के मकसद से जीतो बेंगलूरु साऊथ चैप्टर ने ब्रेन स्टोर्मिंग सेशन यानी विचार मंथन सत्र का आयोजन किया। शहर के तुमकुरु रोड पर गोल्डन पाल्मस रिसॉर्ट में इस दो दिवसीय कार्यक्रम में नव गठित समिति के सदस्यों ने सक्रियतापूर्वक भाग लिया। इसमें संगठन के मूल सिद्धांतों को केंद्रित आगामी सत्र के लिए कार्य योजनाओं की परिकल्पना और उसको लागू करने के लिए उचित प्रयासों पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर जीतो बेंगलूरु के दोनों चैप्टर्स के नव गठित प्रबंधन समिति के सदस्यों ने आपनी अपनी बोर्ड रूम में बैठक आयोजित की। जैन समाज के समग्र विकास के लिए साधार्मिक लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण, सेवा कार्य और ज्ञान वर्धन को परिलक्षित जीतो के आदर्श को ध्यान में रखते हुए भावी कार्यक्रमों पर विचार मंथन हुआ। जीतो बेंगलूरु साऊथ चैप्टर के नव गठित प्रबंधन समिति के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने सदस्यों का स्वागत किया । उन्होंने सबसे आग्रह किया कि व्यावसायिक क्षेत्र में अपने अपने अनुभवों को वे इस कदर साझा करें कि वह लोगों के लिए लाभदायक बने और संगठन का उद्देश्य चरितार्थ हों। इस बात पर जोर दिया कि आगामी कार्यक्रमों में गुणवत्ता और उपयोगिता पर गौर किया जाएगा। जीतो बेंगलूरु साऊथ चैप्टर के मुख्य सचिव नितिन लूणिया ने कहा कि अगले दो वर्षों का कार्यकाल अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रत्येक कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक विकास को समर्पित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने विविध प्रोजेक्ट संबंधित प्रजेंटेशन प्रस्तुत किए। इस सूचि में सामाजिक व आर्थिक विकास के लिए स्थापित जेआईआईएफ (जीतो इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फांडेशन), वैवाहिक संबंधों के लिए बने मेट्रीमोनी समूह, व्यावसायिक नेटवर्क को बढावा देने के उद्देश्य से बने जेबीएन, पेशेवरों के लिए निर्मित जीतो प्रोफेशनल फोरम, प्रशासनिक सेवा के इच्छुक प्रत्याशियों के लिए स्थापित जेएटीएफ, स्पोट्र्स, श्रमण आरोग्यम, जेईएपी, जेआईटीईएम और इंटरनेशनल चैप्टर एसेसिएशन के प्रोजेक्ट प्रजेंटेशन शामिल रहे। इस विचार मंथन सत्र के दौरान प्रमुख रूप से बिजनेस सेमिनार, बीटूबी, बीटूसी मीटिंग बाबत चर्चा, ट्रेनिंग प्रोग्राम, निवेश अवसर और करियर काउंसलिंग पर बातचीत हुई। प्रत्येक सदस्य ने अपनी कार्यपरियोजना की प्रस्तुति नायब तरीके से की, जिसके लिए उन्हें खूब सराहना भी मिली। कार्यक्रम के दौरान नई तकनीक से बने खेल अकादमी की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया। इस प्रस्तावित खेल अकादमी का मकसद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के हुनर को तराशना है। अन्य प्रस्तावों में टेस्ट लैब, फार्मसी स्टोर, ट्रेड एक्सपो और सदस्यों की

डायरेक्टरी जैसे विषय शामिल थे। सत्र में सभी 27 सदस्यों ने सक्रियतापूर्वक भाग लिया। अगले बारह महीने के लिए विविध कार्यक्रमों की रूप रेखा की प्रस्तावना रखी गई। इस कार्यक्रम में जीतो केकेजी जोन के चेयरमैन प्रवीण बाफना तथा मुख्य सचिव दिलीप जैन भी उपस्थित रहे। अपनी अभिव्यक्ति के दौरान उन्होंने नई टीम को बधाई दी। प्रवीण बाफना ने कहा कि जीतो बेंगलूरु भारत का सबसे बडा चैप्टर है और इसने इनोवेटिव प्रोग्राम आयोजित करने में मिसाल कायम की है। दिलीप जैन ने जीतो एपेक्स तथा जोन के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सम्यग दर्शन पद की आराधना के लिए उसके बारे में जानना आवश्यक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजना श्रीजी ने नवपद जी की शाश्वत ओली आराधना के छठे दिन प्रवचन में कहा कि सम्यग् दर्शन पद की आराधना के लिए उसके बारे में जानना आवश्यक है। यह महान दर्शन पद की आराधना का दिन है। पिछले 5 दिन तक हमने देव और गुरु तत्व की आराधना की और समझी। आज से धर्म तत्व की आराधना करना है। धर्म को प्राप्त कर के ही धर्मी बना जा सकता है।

धर्म तत्व में पहला है सम्यग् दर्शन, इसके बिना सभी प्रकार का ज्ञान मिथ्या ज्ञान कहलाता है। किसी भी प्रकार की क्रिया मिथ्या कहलाती है। इसलिए सबसे जरुरी और मुख्य तत्व है सम्यग् दर्शन। हमारे हृदय में देव गुरु के प्रति अखंड श्रद्धा जब प्रकट होगी है तब हम सम्यक्तवी कहलाएंगे। सम्यक् दर्शन यानि विचारों का शुद्धिकरण, अध्यवसायों का निर्मलीकरण, भावनाओं का उर्ध्विकरण। सम्यक दर्शन आते ही संसार के प्रति मोह कम हो जाता है और सम्यक दर्शन आते ही संयम, त्याग, धर्म क्रिया आराधना की भावना होने लगती है। सम्यग् दर्शन ऐसा पद है जिसके बिना शुरू के पांच पदों में से कोई भी पद प्राप्त नही हो सकता। इसलिए मूल तत्व यही कह सकते है। अरिहंत देव की वाणी पर अविहड़ राग का नाम सम्यग् दर्शन है। उस अविहड़ राग के कारण कोई भी झगड़ा, गाली आदि में भी समता भाव टिक सकता है, क्योकि उसे केवल धर्म के प्रति राग है। संसार के प्रति राग वालों को संसार ही दिखता है। धर्म के प्रति राग वालों को मोक्ष दिखता है। सम्यग् दर्शन की प्राप्ति के बाद हम कह सकते है कि हम मोक्ष में जाएंगे, अर्थात् मोक्ष गति में रिजर्वेशन हो जाता है। हमारे हृदय में सम्यग् श्रद्धा विराजमान हो, देव गुरु धर्म की शुद्ध आराधना हमारे मन में रमती रहे।

सम्यग् दर्शन आने के बाद हमारी भावना शुद्ध हो जाती है। हमारे रोम रोम में परमात्मा का वास हो, जैसे एक के अंक के बिना सैकड़ों शून्य का कोई मूल्य नहीं वैसे ही सम्यग् दर्शन के बिना साधना का कोई मूल्य नही है। ऐसा गुरु भगवंत फरमाते हैं। सम्यक् दर्शन ही सभी मंजिलों की नींव हैं। नींव के बिना कोई भी मंजिल नही टिक सकती है। एक बार सम्यग् दर्शन मिलने के बाद असीमित संसार भी उस जीव के लिए सीमित बन जाता है। यह सम्यक दर्शन एक ऐसा अंजन है जिसको आँख में डालने पर हमारा अज्ञानान्धकार नष्ट हो जाता है, विवेक के चक्षु खुल जाते हैं। ऐसे मोक्ष पद प्राप्ति के लिए सम्यक दर्शन पद को बारम्बार नमस्कार करते हैं।

शब्द की मासिक रचनागोष्ठी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के रचनाकारों की प्रसिद्ध साहित्य संस्था शब्द की रविवार को मासिक रचनागोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. माणिक मृगेश बड़ोदरा से पधारे थे। उनके कटाक्षपूर्ण दोहे का श्रोताओं ने खूब आनंद लिया। रचनागोष्ठी की अध्यक्षता नलिनी पोपट ने किया और राजेन्द्र गुलेच्छा ने संचालन किया। रचना उनियाल की सरस्वती वंदना से शुरू कार्यक्रम के प्रारंभ में शब्द के अध्यक्ष डॉ. श्रीनारायण समीर ने आगत रचनाकारों का स्वागत करते हुए कविता की दीर्घजीविता एवं प्रासंगिकता की चर्चा की और प्रसंगवश गुरु गोविंद सिंह को याद किया। रचनागोष्ठी में वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर, मैथिली पी. राव, शिवनंदन सिन्हा, उषारानी राव तथा मनोज कुमार ने एक से बढ़कर एक कविताएँ सुनाईं। नलिनी पोपट और श्रीकांत शर्मा की सस्वर काव्य प्रस्तुति प्रभावशाली रही। राजेन्द्र गुलेच्छा, श्रीनारायण समीर तथा रचना उनियाल की भिन्न मनोभाव की कविताएँ भी श्रोताओं द्वारा सराही गईं। रचनागोष्ठी में तमिलभाषी युवा तकनीकविद् श्रीनाथ की उपस्थिति उल्लेखनीय थी। शब्द की सचिव डॉ. उषारानी राव द्वारा कवियों एवं श्रोताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापन से गोष्ठी संपन्न हुई।

ज्ञान, साधना, सद्गुणों व सिद्धियों के भंडार थे पदमचंद महाराज: डॉ. वरुणमुनि

जन्मोत्सव पर अन्नदानम का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में भंडारी पदमचन्द्र महाराज का 108वां जन्मोत्सव अन्नदानम एवं सामायिक दिवस के रूप में मनाया गया।

गुरु पदम का गुणगान करते हुए डॉ. वरुणमुनि ने कहा कि राष्ट्र संत उत्तर भारतीय प्रवर्तक दादा गुरुदेव भंडारी पदमचंद्र ऐसे महान पुण्य आत्मा थे, जिन्होंने 17 वर्ष की किशोर अवस्था में जैन मुनि दीक्षा अंगीकार की। ज्ञान-ध्यान-साधना-स्वाध्याय व सेवा द्वारा वे महापुरुष जन-जन के श्रद्धा आधार बने। वे ऐसे महाभाग्यवान संत थे, जिन्होंने श्रमण संघ के आचार्य आत्म-आनन्द-देवेन्द्र-शिव भगवन, ऐसे चारों ही आचार्य भगवंतों के शासन काल को बहुत निकट से देखा और चारों आचार्य भगवंतों के प्रति संघीय सेवाओं के लिए सदा समर्पित रहे। श्रमण संघ के प्रथम आचार्य भगवन आत्माराम के वे परम प्रिय अंतेवासी पौत्र सुशिष्य थे। आपकी सेवाओं से अति प्रसन्न होकर गुरु आत्माराम प्रभु ने भंडारी महाराज के विशेषण से उन्हें अलंकृत किया, जो बाद में सुप्रसिद्ध हो गया। गुरु पदमचन्द्र वास्तव में ही ज्ञान के, साधना के, सद्गुणों व सिद्धियों के भंडार बन गए। उनके दरबार में जो लोग भी रोते-रोते आते, दादा गुरुदेव के कृपावर्षण से वे हंसते-हंसते जाते। उनके जीवन के समस्त दुःख दूर हो जाते। उत्तर भारत में सैकड़ों-हजारों ऐसे परिवार हैं, जो गुरुदेव के विशेष कृपापात्र रहे। गुरुदेव भंडारी पदम चंद्र की सद्प्रेरणा से 108 मुमुक्षु आत्माओं ने श्री जैन भागवती दीक्षा ग्रहण की और आज वे सभी पुण्य आत्माएं जिनशासन की महती प्रभावना कर रही हैं, जिनमें वर्तमान आचार्य सम्राट तपसूर्य डा. शिवमुनि का नाम बड़े ही गौरव के साथ लिया जाता है। ऐसे दीक्षा दानेश्वर थे पूज्य दादा गुरुदेव। गुरु अमर संयम अमृत वर्ष एवं भंडारी गुरु पदम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बेंगलूरु सहित पूरे भारत वर्ष में 75 हजार लोगों के लिये अन्नदानम का आयोजन हुआ।

राजाजीनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में आयोजित इस अन्नदानम कार्यक्रम में सकल जैन संघ मंजूनाथनगर और शिवनगर, मागडी रोड श्री संघ, आनंद तीर्थ महिला परिषद व अन्य का सहयोग रहा। राजाजीनगर श्री संघ के पदाधिकारी, कार्यकारिणी ट्रस्टी, त्रिशला महिला मण्डल, बहु मण्डल, राजाजीनगर युवा, जिनेश्वर मण्डल व समस्त सहयोगी संस्थाओं ने भी सहयोग प्रदान किया। पूर्व में रूपेशमुनि ने गुरु स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में पंकजमुनि ने मंगलपाठ प्रदान किया।

आरएसएस हुब्बल्ली महानगर का पथ संचलन आयोजित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हुब्बल्ली महानगर का पथ संचलन हुब्बल्ली में रविवार को सम्पन्न हुआ। इस पथ संचलन में हजारों की संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया। पथसंचलन शहर के नेहरु स्टेडियम से प्रारंभ हुआ।

जिसकों दो वाहिनियों में बांटा गया। पहली वाहिनी स्टेशन रोड, मंगलवार पेठ, राधकृष्ण गली होते हुए दुर्गाद बैल पहुंची। वहीं दूसरी वाहिनी जनता बाजार, दाजिबान पेठ, कंचगार गली, हिरपेठ, बेलगाम गली होते हुए दुर्गाद बैल पहुंची। जहां पर दोनों वाहिनियों का संगम हुआ। संगम के दौरान दुर्गाड बैल में हजारों की संख्या में उपस्तिथ लोगों ने भारत माता की जय, जय श्री राम के नारों के साथ स्वयं सेवकों का स्वागत किया।

संचलन के दौरान हुब्बल्ली की जनता ने मार्गो पर स्वयं सेवकों पर फूलों की वर्षा कर जोरदार स्वागत किया। संचलन का समापन पुनः नेहरु स्टेडियम में हुआ। विश्व हिन्दू परिषद् हुब्बल्ली महानगर सेवा प्रमुख सुभाषचंद्रा डंक ने बताया की प्रति वर्ष की भांति पथसंचलन में इस वर्ष भी प्रवासी राजस्थानी, गुजराती सहित उत्तर भारत से समाज के लोगों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

तीन दिवसीय गरबा महोत्सव का समापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

इलेक्ट्रॉनिक सिटी गुजराती समाज ने रेडब्रिज इंटरनेशनल स्कूल में अपना तीन दिवसीय सबसे बड़ा डांडिया महोत्सव आयोजित किया, जिसमें पारंपरिक परिधानों में लगभग एक हजार पांच सौ लोगों ने हिस्सा लिया। इस आयोजन में सांसद डॉ. सी. एन. मंजुनाथ (बेंगलूरु ग्रामीण), विधायक एम. कृष्णप्पा (बेंगलूरु दक्षिण) और गुजरात से आये धर्मेंद्रसिंह झाला ने विशेष अतिथि के रूप में शिरकत की और महोत्सव के समापन कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए इसे अपना आशीर्वाद दिया। करीब तीन एकड़ हरे-भरे मैदान में आयोजित इस महोत्सव में प्रतिभागियों ने उल्लासपूर्वक डांडिया नृत्य किया, जिससे एक भक्ति एवं श्रद्धा का उत्साहपूर्ण माहौल बन गया। इस सफल आयोजन में इलेक्ट्रॉनिक सिटी गुजराती समाज के अध्यक्ष मौलिक व्यास, सचिव हार्दिक ठक्कर और कोर समिति के सदस्यों गौरव जैन, डॉ. किशन, डॉ. मोहित और कनु अथक परिश्रम रहा।

खागा की 33वीं वार्षिक आम सभा सम्पन्न

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक होजरी एव गारमेंट्स एसोसिएशन ने एफकेसीसीआई के सभागार में अपनी 33वीं वार्षिक आम सभा आयोजित की। अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने स्वागत किया एवं सचिव कैलाश बालर ने इस साल में किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण दिया।

कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल राजपुरोहित ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की। पूर्व अध्यक्ष वसन्त जैन द्वारा मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम आरंभ हुआ। सदस्यों द्वारा देश के महान उद्योगपति रतन टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूर्व अध्यक्ष गौतम पोरवाल एवं खागा सदस्य शांतिलाल पितलिया को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए खागा रत्न से नवाजा गया। पूर्व अध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने खागा रत्न की महिमा का बखान किया। संयुक्त सचिव बिशनसिंह विराणा एवं समिति सदस्य चंपालाल जैन को खागा के प्रति न्यौछावर भाव से कार्य करने पर सम्मानित किया गया।

एफकेसीसीआई के चुनाव में इस बार भी अच्छे मतों से विजयी होने पर उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित का सम्मान किया गया। आमसभा में खागा निर्वाचन अधिकारियों द्वारा नये तीस सदस्यों की घोषणा की गई। इस अवसर पर ऑडिटर इन्द्र कुमार सोलंकी सहित खागा के पूर्व अध्यक्षों, पदाधिकारियों व कार्यकारिणी समिति सदस्यों के साथ काफी संख्या में सदस्य मौजूद रहे। सह सचिव जोगेश जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया एवं मंच का सफल संचालन पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता ने किया। शांतिलाल पितलिया, राजेश खैरा एवं जोगसिंह राजपुरोहित को सर्वाधिक करदाता प्रदत्त के रूप में सम्मानित किया गया। खागा अध्यक्ष प्रकाश भोजाणी, मंत्री कैलाश बालर एवं कोषाध्यक्ष गिरधारी लाल राजपुरोहित का पूर्व अध्यक्ष उम्मेद मल बुच्चा, दिलीप जैन, डूंगरमल चौपड़ा, उपाध्यक्ष पदमसिंह राजपुरोहित आदि ने सम्मान किया।

मुख्यमंत्री का इस्तीफा सूर्य और चंद्रमा की तरह सत्य

अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के लिए गद्दारों की रक्षा करना गलत: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने आपत्ति जताते हुए कहा कि राज्य में हिंदू विरोधी सरकार है और कांग्रेस सरकार ने अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए देशद्रोहियों को बचाने का काम किया है। शहर के फ्रीडम पार्क के पास आयोजित विरोध प्रदर्शन में विजयेंद्र ने कहा कि यह अल्पसंख्यकों को धोखा देने वाली दुष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ एक प्रतीकात्मक विरोध है। उन्होंने 2022 में हुब्बल्ली में पथराव, हमले और दंगे करने वाले देशद्रोहियों के खिलाफ मामले वापस लेने के लिए सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की। हुब्बल्ली घटना की जांच एनआईए कर रही है। यह तय है कि सिद्धरामैया मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे। सिद्धरामैया बच नहीं सकते। विजयेंद्र ने चुनौती दी कि आपकी पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे बताएं कि सिद्धरामैया 5 साल के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे। खड़गे ऐसा कोई बयान नहीं दे रहे हैं। वह राज्य की राजनीति पर बात न करके पल्ला झाड़ रहे हैं। हमारी पार्टी के संघर्ष के बाद सिद्धरामैया ने मुडा घोटाले में चुराए गए जमीन को वापस करने का फैसला किया। मुख्यमंत्री के पाप भरे हुए हैं। इसलिए उनका अपने पद से इस्तीफा देना सूर्य और चंद्रमा के समान सत्य है। इस सरकार ने अनुसूचित जनजाति के लिए निर्धारित राशि लूट ली है। लोग इस पर बहस कर रहे हैं। मैसूरु में गरीबों के लिए आरक्षित भूखंडों को मुख्यमंत्री के परिवार ने लूट लिया है। लोग एसईपी, टीएसपी फंड के दुरुपयोग की चर्चा कर रहे हैं। राज्य में कोई विकास नहीं हो रहा है। कांग्रेस नेता खुद कह रहे हैं कि विकास कार्य रुक गया है। दूसरी ओर कांग्रेस सरकार देशद्रोहियों का मुकदमा वापस लेने का दुस्साहस करने पर उतर आई है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनाव में कांग्रेस की ताकत का पता चल गया है। जब कोई अल्पसंख्यक पार्टी होती है तो वह अल्पसंख्यकों की पहली पसंद होती है। फिर भी कांग्रेस पार्टी को होश नहीं आया है। उन्होंने ऐलान किया कि अगले कुछ दिनों में जन आंदोलन होगा और बड़ा विरोध प्रदर्शन होगा।

इस मौके पर विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवादी नारायणस्वामी, पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंद करजोल, डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण, विधायक विश्वनाथ, विधान परिषद सदस्य एन. रविकुमार, सीटी रवि, सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, बीबीएमपी के पूर्व सदस्य, भाजपा बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश, बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति एवं पार्टी नेता उपस्थित थे। इससे पहले कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने 2022 में हुब्बल्ली में हुए पुलिस पर हमले के मामले में आरोपियों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले को वापस लेने का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले के बाद राज्य की राजनीति गर्म हो गई है।

भाजपा ने कांग्रेस सरकार के इस फैसले पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। इसके साथ ही भाजपा ने राज्य सरकार पर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप भी लगाया है। साल 2022 में हुब्बल्ली जिले में एक आरोपी ने कथित तौर पर सोशल मीडिया पर अपमानजनक सामग्री पोस्ट की थी। जिससे नाराज अल्पसंख्यक समुदाय के लगभग 150 लोगों ने 16 अप्रैल, 2022 को रात करीब 10.30 बजे उत्तरी कर्नाटक के ओल्ड हुब्बल्ली टाउन पुलिस स्टेशन के पास डंडों से लैस होकर जमा हुए थे। सूत्रों की माने तो कर्नाटक सरकार की तरफ से यह उन 43 मामलों में से एक है, जिन्हें राज्य मंत्रिमंडल ने गुरुवार को अपनी बैठक में वापस लेने का फैसला किया है।

हुब्बल्ली दंगे के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया था कि वहां उपस्थित भीड़ मांग कर रही थी कि पुलिस आरोपी को उन्हें सौंप दें, ताकि वे उसे वहीं खत्म कर सकें। उन्होंने यह भी चेतावनी दी थी कि जो कोई भी आरोपी को बचाएगा, उसे भी नहीं बख्शा जाएगा। इस दौरान भीड़ ने कथित तौर पर आरोपी की रक्षा करने वाले पुलिसकर्मियों को मारने के नारे लगाए।

भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर डंडों और पत्थरों से हमला किया

सूत्रों ने बताया कि पुलिस इंस्पेक्टर ने उन्हें अपना अड़ियल रुख छोड़ने और मनाने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान आक्रोशित भीड़ हर हाल में आरोपी को हासिल करना चाहते थे। इसके बाद भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर डंडों और पत्थरों से हमला किया और जिसमें कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हुए थे।

इस दौरान आक्रोशित भीड़ पुलिस स्टेशन में मौजूद कई सरकारी और निजी वाहनों को भी नुकसान पहुंचाया था। इसके साथ ही इस मामले में अधिकारी ने आगे बताया कि ओल्ड हुब्बल्ली टाउन पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दंगा, हत्या का प्रयास, सरकारी अधिकारियों पर हमला, सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। वही सरकार के इस केस को वापस लेने के बाद भाजपा लगातार से हमलावर है। इस मामले में केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने कांग्रेस सरकार के फैसले को तुष्टीकरण की पराकाष्ठा बताया था।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से कर्नाटक में कांग्रेस पार्टी तुष्टीकरण की पराकाष्ठा पर पहुंच गई है। उन्होंने यूएपीए मामले के तहत मामला वापस ले लिया है, जबकि मामला एनआईए अदालत में है। जहां तक मुझे पता है, सामान्य तौर पर राज्य सरकार इसे वापस नहीं ले सकता है, लेकिन फिर भी उन्होंने इसे वापस ले लिया है।

बारिश के कारण गिरा मकान, कोई जनहानि नहीं

नंजनगुडु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तालुक के होसाहल्ली गांव में एक घटना घटी जहां पिछले 7 दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण एक घर की दीवार और छत गिर गई। सौभाग्य से, घर में मौजूद 7 लोग सुरक्षित बच गए।

होसाहल्ली गांव के मल्लिगम्मा का एक घर ढह गया। मकान के जिस हिस्से में लोग सो रहे थे, उसे छोड़कर बाकी हिस्सा ढहने से कोई जनहानि नहीं हुई। पिछले साल बाढ़ के दौरान गांव के लेखपाल और राजस्व अधिकारी को जर्जर मकान की मरम्मत के लिए अवगत कराया गया था। देवीराम्मनहल्ली ग्राम पंचायत अधिकारियों को भी अपील पत्र दिया गया है। पिछले साल मुआवजा देने की बात कहकर फोटो खींचने वाले राजस्व अधिकारियों ने मुआवजा या मकान की सुविधा तक नहीं दी। होसाहल्ली के ग्रामीणों और अपने घर खोने वाले परिवार के सदस्यों ने राजस्व अधिकारियों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया है कि अगर जान का नुकसान होता है तो कौन जिम्मेदार है। स्थानीय विधायकों और तालुक प्रशासन को जागना चाहिए और उस गरीब किसान परिवार की मदद करनी चाहिए जो अपना घर खो चुके हैं और सड़कों पर हैं।

खड़गे परिवार ने कानूनी पचड़े से बचने के लिए जमीन वापस की: जेडीएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस ने आरोप लगाया है कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के परिवार, जिन्होंने राजनीतिक प्रभाव का उपयोग करके अवैध रूप से 5 एकड़ जमीन हड़प ली थी, अब कानूनी पचड़े से बचने के लिए जमीन वापस कर दी है। इस संबंध में जेडीएस ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि क्या भ्रष्टाचारियों को सजा से बचाया जा सकता है अगर वे जो निगल गए हैं उसे वापस कर दें? इन अनियमितताओं को लेकर विपक्षी दलों ने आवाज उठाई और दस्तावेजों के साथ राज्यपाल से शिकायत की। मंत्री प्रियांक खड़गे और उनके परिवार, जो भ्रष्टाचार के जरिए खुद को सही ठहरा रहे थे, ने अब अवैध रूप से हड़पी गई सीए साइट को केआईएडीबी को वापस कर दिया है। मुडा घोटाला मामले में आरोपी ए1 मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के परिवार ने कानूनी शिकंजा कसने के कारण परिसर वापस कर दिया था। अब खड़गे परिवार को कानून का भी डर सताने लगा है। क्या यह खड़गे नहीं थे जिन्होंने बुराई पर जीत हासिल की? जैसे ही चोर चोरी का माल वापस कर देता है तो उसे छूट नहीं मिल सकती। जेडीएस ने आलोचना की है कि उसे जांच का सामना करना चाहिए। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे राहुल खड़गे ने रविवार को कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) के सीईओ को पत्र लिखकर सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को आवंटित पांच एकड़ के भूखंड का स्वामित्व रद्द करने की मांग की थी। केआईएडीबी के सीईओ को लिखे पत्र में, राहुल खड़गे, जो सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं, ने लिखा हम अपना प्रस्ताव वापस लेते हैं और बोर्ड से मल्टीपल स्किल डेवलपमेंट सेंटर और रिसर्च सेंटर के लिए अनुरोधित सीए साइट के आवंटन को रद्द करने का अनुरोध करते हैं। उन्होंने आगे लिखा बोर्ड इसे आवंटन पत्र के खंड 8 के अनुसार सीए साइट के स्वैच्छिक आत्मसमर्पण के रूप में स्वीकार कर सकता है। राहुल खड़गे द्वारा भूमि का आत्मसमर्पण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मुडा भूमि घोटाले की पृष्ठभूमि में हुआ है। यह कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा विवादास्पद मुडा भूमि आवंटन को वापस करने के तुरंत बाद हुआ है, जिसकी विपक्ष ने आलोचना की थी। पांच एकड़ के भूखंड पर विवाद मार्च 2024 में शुरू हुआ, जब सिद्धरामैया सरकार ने राहुल खड़गे की अध्यक्षता वाले सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट को जमीन दी। इसकी भाजपा की कर्नाटक इकाई ने तुरंत निंदा की और आलोचना की, जिसने कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर पार्टी के सदस्यों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए 'सत्ता का दुरुपयोग और भाई-भतीजावाद' का आरोप लगाया। कर्नाटक भाजपा ने मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे को कर्नाटक मंत्रिमंडल से हटाने की भी मांग की, उन पर केआईएडीबी द्वारा अपने परिवार के लिए अवैध भूमि सौदे की सुविधा देने का आरोप लगाया।

कौशल विकास केंद्र नहीं बना सकता

इस बीच, प्रियांक खड़गे ने इस मुद्दे पर अनावश्यक विवाद पैदा करने के लिए भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट एक शैक्षिक, सांस्कृतिक और धर्मार्थ ट्रस्ट है, न कि एक पारिवारिक या निजी संस्था। उन्होंने कहा ट्रस्ट लंबे समय तक चलने वाले विवादों में नहीं फंसना चाहता, जो शिक्षा और सामाजिक सेवा के प्राथमिक उद्देश्य से ध्यान और प्रयासों को विचलित कर देगा। उन्होंने भाजपा पर भी पलटवार करते हुए कहा, जो व्यक्ति बल्ला नहीं पकड़ सकता, वह भाजपा शासन में आईसीसी या बीसीसीआई का चेयरमैन बन सकता है, लेकिन जिस व्यक्ति को आत्मनिर्भरता में उत्कृष्टता के लिए डीआरडीओ से अग्नि पुरस्कार मिला हो, वह युवाओं के लिए कौशल विकास केंद्र नहीं बना सकता।

रहस्यमय परिस्थितियों में 12 वर्षीय बालक की मौत

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

ब्रह्मवर तालुक के रंगनाकेरे स्थित मदरसा छात्रावास में 12 वर्षीय बालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। ब्रह्मवर के वरमबली गांव की मृतक की मां रिहाना बेगम ने बताया कि उनका बेटा पिछले चार महीने से रंगनाकेरे स्थित मदरसा छात्रावास में रह रहा था, जबकि वह हेराडी के एक निजी स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ता था। वह 11 अक्टूबर को छात्रावास लौटा था। शनिवार की रात छात्रावास प्रभारी सैयद इब्राहिम जुनैद रिपाई ने शिकायतकर्ता के पति मोहम्मद तौसीफ को फोन कर तुरंत आने को कहा। जब वह जा रहा था, तो तौसीफ को एक और फोन आया, जिसमें उसे ब्रह्मवर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आने को कहा गया। पूछताछ करने पर रिपाई ने बताया कि मृतक रात 9 बजे तक भोजन करने नहीं आया। बाद में, सहपाठियों ने उसकी तलाश की। लेकिन बाद में वह हॉस्टल के बाथरूम में पाया गया, जहाँ उसने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। हालाँकि उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसकी जाँच की और उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार ने मौत पर संदेह जताया है। ब्रह्मवर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान बेलगावी में हिंसक झड़प

लाठीचार्ज कर लोगों को किया तितर-बितर

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

दुर्गा देवी की मूर्ति को कथित तौर पर अपवित्र करने के बाद रविवार रात बेलगावी जिले के सोला-पुर गांव में दो समूहों के बीच झड़प हो गई। दुर्गा की मूर्ति को विसर्जन के लिए लाए जाने के दौरान दो समूहों के बीच हंगामा शुरू हो गया। हिंसक झड़प के कारण तीन लोग घायल हो गए और दो बाइक और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई।

इस बीच, पुलिस द्वारा भीड़ को अलग करने के लिए लाठीचार्ज करने के बाद स्थिति नियंत्रण में है। आगे की अशांति को रोकने के लिए कड़ी सुरक्षा तैनात की गई है। पुलिस कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में घटना के बाद से रूट मार्च कर रही है। बेलगावी के एसपी भीमा शंकर गुलेड़ ने बताया कि अमिता नायका और फिरोज के बीच झगड़ा हुआ था। जब दो समूहों के लोग एकत्र हुए तो पुलिस ने लाठीचार्ज किया। पुलिस ने लाठीचार्ज कर लोगों को तितर-बितर किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दो केएसआरपी और अधिक पुलिसकर्मियों की बटालियन तैनात की गई है। घटना संकेश्वर थाने में हुई। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है।

उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में भी दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हिंसक झड़प की ऐसी ही घटना सामने आई है। यहां एक दिन पहले महासी इलाके में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई झड़प के बाद विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार महासी के महाराजगंज इलाके में हुई घटना के सिलसिले में 30 लोगों को हिरासत में लिया गया है और मुख्य आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई है। प्रदर्शनकारियों द्वारा बाजारों में दुकानों में तोड़फोड़ किए जाने के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

राज्यपाल से सरकार को बर्खास्त करने की अपील

कांग्रेस सरकार भाजपा विधायकों को जारी अनुदान को करे स्पष्ट : आर.अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विपक्षी दल के नेता आर. अशोक ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने भाजपा विधायकों को कितना अनुदान दिया है? इस बारे में स्पष्ट करना चाहिए। राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जो कांग्रेस नेता केंद्र सरकार से राज्य को कम फंडिंग की बात कर रहे हैं, उन्हें पहले अपने घर में पड़े बोझ को दूर करना चाहिए। यह स्पष्ट करें कि भाजपा विधायकों के साथ भेदभाव नहीं हो रहा। तब हम आपके साथ प्रतिनिधिमंडल में जाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हुब्बल्ली पुलिस स्टेशन में आग लगाने और पथराव करने वाले देशद्रोहियों का समर्थन करने और उनके मामले को रद्द करने के सरकार के फैसले के खिलाफ लड़ाई यहीं नहीं रुकेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र से उनकी चर्चा हुई है और हम जल्द ही हुब्बल्ली में बड़ी लड़ाई करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह सरकार को पत्र लिखकर कहेंगे कि केस रद्द करना ठीक नहीं है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा कि उन्होंने राज्यपाल से आग्रह किया है कि इस सरकार को बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए। हमारी सरकार ने गद्दारों पर मुकदमे दर्ज किये थे। हालांकि, मामला कोर्ट में चलने और एनआईए जांच के बीच कैबिनेट ने केस रद्द करने का फैसला किया है। विरोध बढ़ने के बाद सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि अगर कोर्ट सहमत होगा तभी वह केस वापस लेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें पहले अदालत में आवेदन करना चाहिए था, लेकिन ऐसा करने के बजाय लुभाने के लिए केस वापस लेने का फैसला किया। विधान परिषद सदस्य सी. टी. रवि ने कहा कि राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ भाजपा न सिर्फ कोर्ट में बल्कि जनता अदालत में भी लड़ेगी। उन्होंने आलोचना की कि आपने केस वापस लेते समय खुद को सांप्रदायिक होने का परिचय दिया। हिजाब के खिलाफ लड़ने वालों का केस वापस नहीं लिया गया। हालांकि, हिजाब के पक्ष में लड़ने वालों का केस वापस ले लिया जाएगा। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि छात्रों के साथ भी भेदभाव किया जाता है। राज्यपाल से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में विधायक डॉ. अश्वथ नारायण, एन. रविकुमार, एसआर विश्वनाथ, सीके राममूर्ति और पूर्व एमएलसी महंतेश शामिल थे।

इससे पहले पुराने हुब्बल्ली दंगों के मामले को वापस लेने के सरकार के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम सिद्धरामैया ने स्पष्ट किया था कि इसके लिए एक कैबिनेट उपसमिति का गठन किया गया था। समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने पुराने हुब्बल्ली दंगों के मामले के साथ-साथ 42 मामलों को वापस ले लिया है। उन्होंने कहा मामला वापस लेने के बाद यह अदालत में जाएगा। अदालत से अनुमति मिलने के बाद ही मामला वापस लिया जा सकता है। अगर अदालत इसे खारिज कर देती है, तो वापस लेना संभव नहीं है।

मुडा घोटाले के याचिकाकर्ता ने लोकायुक्त कार्यालय में सीसीटीवी कैमरा लगाने की मांग की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुडा घोटाले के याचिकाकर्ताओं में से एक स्नेहमयी कृष्णा ने सोमवार को मैसूरु लोकायुक्त एसपी से लोकायुक्त कार्यालय के परिसर और अंदर सीसीटीवी कैमरा लगाने का आग्रह किया। मैसूरु लोकायुक्त एसपी, जो जांच के प्रभारी हैं, को अपनी याचिका प्रस्तुत करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों के कार्यालय में सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया है। मेरे पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के प्रवक्ता और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी सहयोगी एम लक्ष्मण बार-बार लोकायुक्त कार्यालय का दौरा कर रहे हैं। स्नेहमयी कृष्णा ने कहा लक्ष्मण मैसूरु लोकायुक्त कार्यालय में घंटों साथ-साथ बिता रहे हैं। इससे संदेह होता है कि जांच को प्रभावित किया जा रहा है और इसलिए मैंने सीसीटीवी लगाने के लिए कहा है। उन्होंने आगे कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा प्रस्तुत रिट याचिका से तैयार प्रश्नावली युक्त 25-पृष्ठ का ज्ञापन उन्होंने उच्च न्यायालय को सौंप दिया है। उन्होंने कहा मैंने शनिवार को कार्यालय बंद होने के कारण व्हाट्सऐप के माध्यम से प्रश्नावली भेजी थी। अब मैं इसकी हार्ड कॉपी जमा कर रहा हूं। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सबूत नष्ट करने और मामले को दबाने में लगे हैं। इसके अलावा, वे आम जनता को भड़काने वाले भाषण दे रहे हैं। मैंने मांग की है कि अगर सामाजिक अशांति होती है या उन्हें या उनके परिवार को कोई नुकसान होता है तो सीएम सिद्धरामैया को गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया सीएम सिद्धरामैया मुडा घोटाले को छिपाने के लिए विज्ञापन जारी करने में जनता का पैसा बर्बाद कर रहे हैं।

सीएम के परिवार द्वारा दावा की गई भूमि को 19 साइटों में बदल दिया गया और बेच दिया गया। लेकिन, सीएम सिद्धरामैया ने दावा किया है कि यह उनकी है, जो कि गलत है। मैंने इस संबंध में एक सबमिशन भी किया है। याचिकाकर्ता ने कहा जांच अधिकारी ने आश्वासन दिया है कि मामले की जांच की जाएगी और अदालत द्वारा दी गई समय सीमा के भीतर रिपोर्ट अदालत को सौंप दी जाएगी। यह जांच अधिकारी के विवेक पर छोड़ दिया गया है कि वे सीएम सिद्धरामैया से कब पूछताछ करेंगे। लोकायुक्त ने मल्लिकार्जुन स्वामी और भूमि मालिक देवराजू से पूछताछ की थी, जो मामले में तीसरे और चौथे आरोपी हैं। जांचकर्ताओं ने अभी तक सीएम से पूछताछ नहीं की है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भी मामले की जांच कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुडा अधिग्रहित भूमि की अधिसूचना रद्द करने के सभी अनुरोधों पर विचार नहीं करेगा और कई मामलों में अदालत का दरवाजा खटखटाएगा। उन्होंने कहा आरोपी देवराजू के मामले में कोई आपत्ति नहीं उठाई गई और भूमि को अधिसूचना रद्द कर दिया गया। यह निश्चित हो जाता है कि अधिसूचना रद्द इसलिए की गई क्योंकि सिद्धरामैया उस समय उपमुख्यमंत्री थे। कृष्णा ने कहा कि सिद्धरामैया द्वारा उच्च न्यायालय में प्रस्तुत दस्तावेजों के अनुसार, भूमि के आरटीसी से पता चलता है कि इसे अधिग्रहित किया गया था, उन्होंने कहा कि यह बात छिपाई गई थी क्योंकि बिक्री विलेख और उपहार विलेख वैध नहीं हैं।

सुपारी के खेत में कार गिरने से महिला की मौत, चालक गंभीर रूप से घायल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बंटवाल के बीसी रोड-बेल्तांगडी राज्य राजमार्ग पर स्थित बंबिला में चालक के नियंत्रण खोने के कारण कार के सड़क स्तर से छह फीट नीचे सुपारी के खेत में गिर जाने से महिला की मौत हो गई। चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे फिलहाल मेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दुर्घटना में तीन यात्री शामिल थे। मृतक, कोडियालबेल निवासी भागीरथी (58) की दुर्घटना में मौत हो गई। चालक रूपेश (40) को गंभीर चोटें आईं और उसका एक निजी अस्पताल के आईसीयू में इलाज चल रहा है। रूपेश की पत्नी सुचित्रा (33) को मामूली चोटें आई हैं। शॉवरले स्पार्क सुबह करीब 4:30 बजे पुंजालकट्टे से आ रही थी, तभी बंबिला में मस्जिद के पास एक मोड़ पर यह दुर्घटना हुई। मूल रूप से मेंगलूरु के कोडियालबेल निवासी पीडब्ल्यूडी इंजीनियर गोपाला की बहन भागीरथी की पहचान पीड़िता के रूप में हुई है। भागीरथी के दामाद रूपेश तुमकुरु के रहने वाले हैं। दुर्घटना के समय परिवार दशहरा की छुट्टी मनाकर तुमकुरु से मेंगलूरु लौट रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि बंबिला मोड़ पर कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे यह चिंता बढ़ गई है कि यह दुर्घटनाओं का केंद्र बन गया है। मेलकर ट्रैफिक एसआई सुतेश ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज किया।

दशहरा के हाथी, महावत शानदार प्रदर्शन के बाद मैसूरु से हुए रवाना

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मैसूरु दशहरा की सफलता सुनिश्चित करने के बाद, महावत और उनके हाथी शहर से अपने-अपने जंगल शिविरों में चले गए। सोमवार को वन विभाग के कर्मियों और लोगों ने हाथी सवारियों के दौरान देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति के साथ 750 किलोग्राम का सुनहरा हौदा ले जाने वाले हाथी अभिमन्यु के नेतृत्व में 14 हाथी सवारियों की टीम को विदाई दी। हाथियों की सलामती के लिए पुजारियों ने विशेष प्रार्थना की और हाथी के ट्रकों में सवार होने के बाद भावुक क्षण आए।

हाथियों को 21 अगस्त को भव्य गजपायन समारोह के बाद हुनसूर के वीरानाहोसाहल्ली से मैसूरु लाया गया था। वे लगभग 50 दिनों तक मेहमान के रूप में रहे और विजयादशमी के दिन बिना किसी बाधा के सफलतापूर्वक कार्य पूरा किया, देवी चामुंडेश्वरी की मूर्ति के साथ सुनहरा हौदा ले गए और जुलूस में भी भाग लिया। तीन जंबो महेंद्र, लक्ष्मी और हिरण्य ने भी श्रीरंगपटना दशहरा में हिस्सा लिया। डीसीएफ (वन्यजीव) बी प्रभुगौड़ा ने बताया जंबो ने सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया और अपने कार्य पूरे किए। उन्हें उनके संबंधित शिविरों में भेज दिया जाएगा।

गृह मंत्री ने हुब्बल्ली में हुए दंगे के आरोपियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने का किया बचाव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी जिक्र किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के गृहमंत्री जी. परमेश्वर ने 2022 में हुब्बल्ली में हुए दंगे के आरोपियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने का बचाव किया है। साथ ही इस फैसले को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी जिक्र किया। परमेश्वर ने यह अजीब बयान देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी खुद पर दर्ज मुकदमों को वापस लिया था। गौरतलब है कि उत्तरी कर्नाटक के हुब्बल्ली में 16 अप्रैल 2022 को दंगे के दौरान पुलिसकर्मियों पर पत्थरबाजी हुई थी। इस मामले में भीड़ में शामिल लोगों को आर-

ोपी बनाया गया था। हालांकि, कर्नाटक सरकार ने अब आरोपियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने शुरू कर दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक, परमेश्वर को अंजुमन-ए-इस्लाम की तरफ से अर्जी मिली थी, जिसके बाद गुरुवार को मंत्रिमंडल ने कुल 43 मामलों को वापस लेने का फैसला किया जिनमें एक मामला हुब्बल्ली का भी है। परमेश्वर ने यहां पत्रकारों से कहा मामलों को वापस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी के बाद अदालत को फैसले की जानकारी दी गई है। अगर अदालत प्रस्ताव को स्वीकार कर लेती है तो मामले वापस हो जाएंगे। अगर ऐसा नहीं होता है तो मामले वापस नहीं होंगे। हम सतर्कता से प्रक्रिया का पालन करेंगे। हम मामले केवल इसलिए वापस नहीं लेंगे, क्योंकि किसी ने ऐसा करने के लिये कहा है। कर्नाटक के गृह मंत्री ने दावा किया कि भाजपा भी जब कर्नाटक और अन्य राज्यों की सत्ता में थी तब मामले वापस लिए थे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) के खिलाफ भी मामले दर्ज थे। उन्होंने इन मामलों को मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए वापस लिया। कई मामले वापस लिए गए। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा जब व्यवस्था ऐसी है तो आप किस पर आरोप लगा रहे हैं। हमने व्यवस्था के तहत ही यह फैसला किया है। उन्होंने कहा कि करीब 60 मामलों को वापस लेने के प्रस्ताव थे, लेकिन सरकार ने 43 मामलों को वापस लेने की मंजूरी दी। परमेश्वर से सफाई देते हुए कहा क्या वापस लिए गए सभी मामले अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े हुए हैं। ये सभी मामले किसानों, छात्रों और आम नागरिकों के खिलाफ दर्ज थे, जिन्होंने विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया था। अगर सभी 43 मामले अल्पसंख्यकों से जुड़े होते तो मैं उनसे (भाजपा से) सहमत होता। हम ऐसा नहीं करते। हम सभी को एक समान देखते हैं। परमेश्वर ने 2020 में डीजे हल्ली और केजी हल्ली में हुए दंगे से जुड़े मामलों को वापस लेने के प्रस्ताव पर कहा कि सरकार उनकी समीक्षा करेगी और तय प्रक्रिया के तहत फैसला करेगी। उन्होंने कहा मैं अकेला फैसला करने वाला नहीं हूं। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री अकेले फैसला नहीं कर सकते। इसके बीच कई लोगों का दिमाग होता है।

भाजपा का खड़गे परिवार पर हमला

सरकार को जमीन लौटाने का प्रस्ताव जुर्म का कबूलनामा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के परिवार पर निशाना साधा। दरअसल, खड़गे के बेटे राहुल खड़गे ने हाल ही में कर्नाटक उद्योग क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) को चिट्ठी लिखकर अपील की थी कि वह परिवार के ट्रस्ट को आवंटित की गई पांच एकड़ जमीन वापस ले ले। इसी को लेकर भाजपा ने कांग्रेस और खरगे परिवार को घेरा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह जमीन लौटाना खड़गे परिवार को उसके भ्रष्टाचार और शक्तियों के गलत इस्तेमाल के आरोपों से मुक्त नहीं कर देता। बल्कि यह उनके अपराध का कबूलनामा है। पूनावाला ने कहा 5000 करोड़ के मुडा घोटाले, जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया सबसे पहले आरोपी और उनकी पत्नी दूसरे नंबर की आरोपी हैं, उसका खुलासा भाजपा ने किया था। सिद्धरामैया के परिवार ने भी जमीन लौटाकर आरोपों से भागने की कोशिश की थी। अब सिद्धरामैया की तरह ही

हम खड़गे परिवार को पांच एकड़ जमीन लौटाने की कोशिश करते देख रहे हैं। वह जमीन, जो उन्हें केआईएडीबी की एयरोस्पेस पार्कलैंड योजना के तहत अवैध तरह से आवंटित की गई। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि इस तरह जमीन वापस करने से वे अपराध से मुक्त नहीं हो सकते। इससे वे भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं हो सकते। इस कदम से उन्हें ताकत के गलत इस्तेमाल के आरोपों से क्लीन चिट नहीं मिल सकती। लेकिन हां, जिस तरह मुडा घोटाले में जमीन लौटाने के सिद्धरामैया के परिवार के कदम ने उनके अपराध के कबूलनामे को सामने ला दिया था, उसी तरह खड़गे परिवार के जमीन लौटाना भी उनका अपराध का कबूलनामा है। पूनावाला ने भ्रष्टाचार के मामलों में कथित तौर पर शामिल होने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे की मांग की। भाजपा के आईटी विभाग के प्रभारी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में साइट के आवंटन पर सवाल उठाए थे और इसे 'सत्ता का दुरुपयोग, भाई-भतीजावाद बताया था। भाजपा के राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया ने भी 'एक्स' पर इस फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा, खड़गे परिवार एयरोस्पेस उद्यमी कब बन गया कि उसे केआईएडीबी की जमीन मिल जाए? क्या यह सत्ता के दुरुपयोग, भाई-भतीजावाद नहीं है?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मागडी रोड कामाक्षीपाल्या नवदुर्गा सेवा ट्रस्ट द्वारा पूजाश्री कन्वेंशन हॉल में आयोजित दुर्गा पूजा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा बुराई पर अच्छाई की विजय, अन्याय पर न्याय की विजय, असुरी शक्तियों पर दैविक शक्ति की विजय का पर्व है दशहरा। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

पंचान्हिका महोत्सव आज से

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी के पावन सानिध्य और प्रेरणा में चल रहे धर्मचक्र तप एवं आगमरत्न सागरजी की 31वीं ओली के पूर्णाहुति निमित्त पंचान्हिका महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

धर्मचक्र तप 82 दिनों का होता है जिसमें एक उपवास और दूसरे दिन बियासना आता है और तप की शुरुआत और अंत तेले से होता है। मंगलवार से पांच दिवसीय कार्यक्रम शुरू होगा जो शनिवार तक चलेगा। जिसमें विशेष प्रवचन धर्मचक्र महापूजन तपस्वियों का वरघोड़ा सत्तरभेदी पूजा एवं मेहंदी वितरण जैसे अनेक कार्यक्रम होंगे। विधि कारक मनोज हरण एवं रणजीत गुरुजी के साथ संगीतकार अनीश पधारेंगे।

व्यवसाय की बढ़ोतरी के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का रखें लक्ष्य: बिन्दु रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चैप्टर के अंतर्गत जीतो महिला विंग द्वारा जेबीएन वी कनेक्ट रेफरल मीट का आयोजन जीतो कार्यालय में हुआ। नवमनोनीत पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्यों को अध्यक्ष बिन्दु रायसोनी ने शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि जेबीएन यानी जीतो बिजनेस नेटवर्क का सशक्त मंच मिला है। हर महिला की भागीदारी इसमें हो। अपने व्यवसाय की बढ़ोतरी के लिए सदा सकारात्मक सोच के साथ उत्साह बनाये रखते हुए आगे बढ़ने का

लक्ष्य रखें। नवमनोनीत महिला विंग अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी को प्रोत्साहित करते हुए जेबीएन के मुख्य उद्देश्यों को साझा किया और सभी के उज्जवल बिजनेश विकास की शुभकामनाएं दी। प्रशिक्षक एवं पूर्व जेबीएन अध्यक्ष सुष्मिता सेठिया ने जेबीएन सदस्यों को बिजनेस कौशल के गुर बताये तथा एक दूसरे से नेटवर्किंग पर जोर देते हुए अधिक से अधिक औरों के बिजनेस को समझने की सलाह दी।

ऑफिस दर्शन हेतु सभी को उत्साहित किया। उन्होंने सभी सदस्यों को अपने व्यक्तित्व को बिजनेस में ढालने हेतु प्रेरित किया। पूर्व अध्यक्ष सुमन रांका, पूर्व उपाध्यक्ष भाविका कोठारी, पिंकी मेहता ने विचारों की अभिव्यक्ति दी। बिन्दु मेहता ने समय बद्धता, सुखदेवी ने व्यवस्थित प्रस्तुति एवं जिया जैन ने अधिक सदस्यों को जेबीएन में जोड़ने हेतु पुरस्कार

लंबे अर्से तक जम्मू कश्मीर में रहा है राष्ट्रपति शासन

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 14 अक्टूबर।

जम्मू कश्मीर से राष्ट्रपति शासन हट गया है। इसके साथ ही प्रदेश में सीमित अधिकारों वाली सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। जम्मू कश्मीर में आजादी के बाद से 13 साल से अधिक राष्ट्रपति शासन लागू रहा है। पहली बार इसे 1977 में लागू किया गया था।

वर्ष 1977 में मार्च महीने में तत्कालीन राज्य में उस समय प्रथम बार राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था जब कांग्रेस ने तत्कालीन शेख अब्दुल्ला की सरकार से अपना समर्थन वापस लिया था। लेकिन तब राज्यपाल शासन के छह माह भी अभी पूरे नहीं हुए थे कि राज्य में चुनाव करवा दिए गए थे क्योंकि तब आतंकवाद की कोई बात नहीं थी। फिर दूसरी बार 1986 में फरवरी माह में राज्य में प्रथम बार होने वाले साम्प्रदायिक दंगों की स्थिति पर तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री जी एम शाह की सरकार से कांग्रेस द्वारा समर्थन वापस लेने के कारण राज्य में राज्यपाल शासन लागू किया गया जिसकी अवधि आठ माह थी।

तत्कालीन राज्य में 5 जनवरी 2019 से पहले भारतीय संविधान की धारा 356 के तहत सीधे राष्ट्रपति शासन लागू नहीं किया जा सकता था। अतः उसके स्थान पर राज्यपाल आप ही जम्मू कश्मीर के संविधान के अनुच्छेद 92 के तहत प्राप्त अधिकारों का इस्तेमाल कर राज्यपाल का शासन लगू कर सकते थे। राज्य में प्रथम छमाही में इसे राज्यपाल का शासन कहा जाता था और बाद में इसे राष्ट्रपति शासन कहा जाता रहा है।

वर्ष 2017 में 51 दिनों तक राज्यपाल का शासन राज्य में रहा था। तब यह क्रम में 6ठा गवर्नर रूल था। फिर 2018 में यह सातवीं बार लगाया गया था। और जम्मू कश्मीर के इतिहास में 2 नवम्बर 2002 को दूसरा अवसर था जब लोकतांत्रिक सरकार के गठन की खातिर राज्यपाल शासन को हटाया गया था। तब 17 दिन पुराने राज्यपाल शासन को 2 नवम्बर 2002 को उस समय हटाया गया था जब गठबंधन सरकार ने शपथ ली थी। हालांकि इससे पूर्व 1977 में जुलाई महीने में उस समय राज्यपाल शासन को कुछ दिनों के बाद हटाया गया था जब शेख अब्दुल्ला सरकार ने शपथ ली थी। इससे पहले 19 जनवरी 1990 को लागू किया गया राज्यपाल शासन तो पौने 7 साल तक चला था।

चौथी बार राज्यपाल शासन इसलिए लागू करना पड़ा था क्योंकि राज्यपाल गिरीश चन्द्र सक्सेना के पास इसके अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं था क्योंकि उनके विकल्प पूरी तरह से सीमित थे। हालांकि राज्य को इस संवैधानिक संकट से बचने की खातिर वे अंतिम समय तक प्रयास करते रहे परंतु सभी अड़ियल रूख अपनाए हुए थे। पहले राज्यपाल ने चार दिनों का अतिरिक्त समय देकर राजनीतिक दलों को यह अवसर प्रदान किया कि वे राज्य में नई सरकार बनाने की खातिर दावा पेश करें। उनके लिए यह बहुत बड़ा संवैधानिक संकट था जिससे निकलने की खातिर उन्होंने अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल किया था। तब भी पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने यह कह कर नया संवैधानिक संकट खड़ा कर दिया था कि वे कार्यवाहक मुख्यमंत्री नहीं बने रहने चाहते।

हालांकि जून 2018 में यह कोई पहला अवसर नहीं था कि राज्य में राज्यपाल शासन लागू किया गया था बल्कि इस राज्यपाल शासन से 19 साल पूर्व भी राज्य एक रिकार्ड राष्ट्रपति शासन के दौर से बाहर निकला था। असल में 1990 के आरंभ में तत्कालीन राज्यपाल जगमोहन ने फारूक सरकार को बर्खास्त कर राज्य में 19 जनवरी 1990 को राज्यपाल शासन लागू कर दिया था।

1990 में लागू राष्ट्रपति शासन ने एक नया रिकार्ड बनाया था। तकरीबन पौने सात साल सालों तक यह राज्य में लागू रहा था। यह सिर्फ राज्य का ही नहीं बल्कि देश का भी अपने किस्म का नया रिकार्ड था कि इतनी लम्बी अवधि के लिए किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू रहा हो। यही नहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद यह प्रथम अवसर था कि जब राज्य में इतनी लम्बी अवधि के लिए राष्ट्रपति शासन लागू किया गया।

जम्मू कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल एलके झा ने 26 मार्च 1977 को राज्य में पहली बार राज्यपाल शासन लगाया था, जब कांग्रेस ने शेख मुहम्मद अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली अल्पमत सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। मार्च 1986 में कांग्रेस ने जी.एम. शाह के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से समर्थन वापस ले लिया, जिससे दूसरी बार राज्यपाल शासन लागू होने की स्थिति बन गई। जनवरी 1990 में राज्यपाल शासन तब लगाया गया, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने जगमोहन को राज्य का राज्यपाल नियुक्त किए जाने के बाद इस्तीफा दे दिया। अक्टूबर 2002 में विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की हार के बाद फारूक अब्दुल्ला ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने से इन्कार कर दिया।

यह तब था, जब एनएन वोहरा ने पहली बार राज्यपाल का पद संभाला था। जून 2008 में पीडीपी द्वारा गुलाम नबी आज़ाद के नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लेने के बाद फिर से राज्यपाल शासन लगाया गया। जनवरी 2015 में राज्य चुनावों में अपनी पार्टी को बहुमत न मिलने के कारण उमर अब्दुल्ला ने कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम करना बंद कर दिया और राज्य में छठी बार राज्यपाल शासन लागू किया गया। 7 जनवरी 2016 को पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की मृत्यु के बाद सातवीं बार राज्यपाल शासन लगाया गया। 20 जून, 2018 को एनएन वोहरा ने प्रशासन की बागडोर संभाली क्योंकि राज्य में महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी सरकार से भाजपा के समर्थन वापस लेने के फैसले के बाद राज्यपाल शासन लगाया गया था।

रेल जेहाद की छानबीन करेगी एनआईए

चेन्नई, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। चेन्नई के कावरापेट्टई रेलवे स्टेशन के पास बागमती एक्सप्रेस हादसे को लेकर रेलवे ने जांच शुरू कर दी है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) रेलवे ट्रैक से छेड़छाड़ को रेल जेहाद के पहलू से भी जांच करेगी। इसके अलावा रेलवे सुरक्षा आयुक्त को मामले की वैधानिक जांच सौंपी गई है। हादसे को लेकर लोको पायलट समेत तमाम जिम्मेदारों से 16, 17 अक्टूबर को चेन्नई में पूछताछ होगी। रेलवे ने कहा कि दुर्घटना या संबंधित मामलों के बारे में जानकारी रखने वाला कोई भी व्यक्ति आयुक्त को साक्ष्य प्रदान कर सकता है।

मैसूर से दरभंगा जा रही बागमती एक्सप्रेस (12578) तमिलनाडु के कावरापेट्टई स्टेशन के पास शुक्रवार को मालगाड़ी से टकरा गई थी। इस हादसे में कई लोग घायल हुए थे। लूप लाइन पर खड़ी मालगाड़ी से पीछे से टकराने के बाद इंजन समेत 12 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। मामले में रेलवे ने जांच शुरू कर दी है। बेंगलुरु दक्षिणी सर्किल के रेलवे सुरक्षा आयुक्त एएम चौधरी दुर्घटना की वैधानिक जांच करेंगे। वहीं मामले में एनआईए के अधिकारी यह जांच कर रहे हैं कि क्या दुर्घटना किसी तोड़फोड़ गतिविधि के कारण हुई थी? इसे लेकर एनआईए के एक अधिकारी ने दुर्घटना स्थल का प्रारंभिक निरीक्षण कर लिया है।

रेलवे ने बताया कि सिग्नल एवं टेलीकॉम, इंजीनियरिंग और परिचालन विभाग के वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों की टीम ने कावराइ-पेट्टई रेलवे स्टेशन पर दुर्घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद तोड़फोड़ की गंभीर आशंका जताई है। रेलवे पुलिस ने भी दुर्घटना का मामला दर्ज किया है। दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह ने हादसे के बारे में बताया था कि जब कर्नाटक के मैसूर से बिहार के दरभंगा तक जाने वाली बागमती एक्सप्रेस ट्रेन का रूट-आंध्र प्रदेश और ओडिशा के रास्ते निर्धारित है।

शुक्रवार को जब ट्रेन कावरापेट्टई स्टेशन से गुजर रही थी, उसी समय एक मालगाड़ी लूप लाइन पर खड़ी थी। उसे प्राथमिकता दी गई। बागमती एक्सप्रेस को बिना रुके मुख्य लाइन से गुजरना था, क्योंकि इस स्टेशन पर निर्धारित स्टॉप नहीं है। मुख्य लाइन के लिए सिग्नल भी दिए जा चुके थे।

धर्मनगरी से अखाड़ा परिषद के संतों का ऐलान

प्रयाग महाकुंभ में गैर हिंदुओं का प्रवेश प्रतिबंधित

जूस बेचने वाले से लेकर खाना बनाने वाले तक की पहचान हो

हरिद्वार, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने प्रयाग कुंभ में गैर हिंदुओं के प्रवेश को वर्जित करने का निर्णय किया है। परिषद के अध्यक्ष व निरंजनी अखाड़े के श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि कहीं थूक कर, कहीं मूत्र कर सनातन संस्कृति को भ्रष्ट करने की चेष्टा की जा रही है। कुंभ से पहले ही उत्तर प्रदेश की सरकार को यह तय करना होगा कि कौन जूस बेचेगा और कौन खाना खिलाएगा। यदि कुंभ में भी इस तरह का कृत्य सामने आया तो सनातनी चुप नहीं बैठेंगे और ऐसे लोगों को नागा संन्यासी दंडित करेंगे।

श्री पंचदशनाम जूना अखाड़े की ओर से निकाली गई छड़ी यात्रा को पूजन के बाद हरकी पैड़ी से रवाना करने के बाद श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि हाल ही में कई जगहों से फोटो और वीडियो सामने आए है कि मुस्लिम किस तरह से जेहाद चला रहे हैं। मसूरी और अन्य जगहों के वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए उन्होंने कहा कि यदि इस तरह का कृत्य किया जा रहा है और मुस्लिम समुदाय के मौलाना चुप्पी साधे हुए हैं, तो यह बेहद चिंतनीय है। हमारे यहां मंदिरों में भी ईश्वर अल्लाह तेरों नाम का भजन सुबह-शाम सुनाया जाता है। जबकि किसी मस्जिद से सामाजिक सौहार्द का ऐसा भजन कभी सुनाई नहीं देता है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद अगर कोई हरकत करता है तो उसे नागा संन्यासी देखेंगे।

आंध्र प्रदेश में बनेगी नई मिसाइल परीक्षण रेंज

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में नई मिसाइल परीक्षण रेंज बनाई जाएगी। भारत सरकार की सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है। बताया जाता है कि नई रेंज आंध्र प्रदेश के नागयालंका क्षेत्र में बनाई जाएगी। इसके बाद देश में मिसाइलों के परीक्षण में तेजी आएगी।

भारत को रक्षा क्षेत्र में मजबूत करने के लिए लगातार सरकार काम कर रही है। जहां एक ओर वैज्ञानिक नई-नई मिसाइल विकसित कर रहे हैं तो दूसरी ओर सरकार रक्षा क्षेत्र में नए प्रस्तावों पर मुहर लगा रही है। बताया जाता है कि नई मिसाइल परीक्षण रेंज में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल, एंटी टैंक मिसाइल और डीआरडीओ की सामरिक मिसाइल सिस्टम का परीक्षण किया जाएगा।

इससे पहले सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने नौसेना, सेना और वायुसेना के लिए दो परमाणु पनडुब्बियों के निर्माण और अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने की मंजूरी दी थी। इस बैठक में 80,000 करोड़ रुपए के प्रमुख सौदों को पारित किया गया था। 31 ड्रोन में से भारतीय नौसेना को 15 और सेना और वायुसेना को 8-8 ड्रोन मिलेंगे। सेना और वायुसेना इन्हें यूपी में अपने दो स्टेशनों में तैनात करेंगी।

वहीं रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन नई पीढ़ी की मिसाइलों के टेस्ट की तैयारी कर रहा है। डीआरडीओ ने बड़े स्तर पर मिसाइल परीक्षण कार्यक्रम तैयार किया है। इस दौरान पारंपरिक और स्ट्रेटेजिक मिसाइलों का परीक्षण किया जाएगा।

इन परीक्षणों से देश की रक्षा क्षमताओं में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। बताया जाता है कि ये परीक्षण न केवल मौजूदा मिसाइल सिस्टम के अहम पड़ाव साबित होंगे बल्कि नई पीढ़ी की मिसाइलों की भी नींव रखेंगे। यह पहल डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता हासिल करने की भारत की प्रतिबद्धता को जताता है। हाल ही में बदली भू-राजनीतिक परिस्थितियों के चलते ये परीक्षण आवश्यक हो गए हैं। यह परीक्षण कार्यक्रम भारत की प्रतिरोध क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

बांग्लादेशियों को फंसा कर लाते हैं बांग्लादेशी

दिल्ली-नोएडा में चल रहा बड़ा किडनी रैकेट

दिल्ली-एनसीआर के कई नामी अस्पतालों से जुड़े हैं तार

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में किडनी रैकेट के मामले बढ़ते जा रहे हैं। छानबीन में हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई है। पिछले कुछ महीनों में दिल्ली-एनसीआर के दो लोकप्रिय अस्पतालों के सिस्टम में खामियों का फायदा उठाया गया और किडनी प्रत्यारोपण के नाम पर ब्लैक मार्केटिंग की गई। पुलिस ने 10 आरोपियों के सिंडिकेट और एक सर्जन को गिरफ्तार किया था। 50 वर्षीय सर्जन डॉ. विजया राजकुमारी ने पिछले तीन सालों में नोएडा के अपोलो और यथार्थ हॉस्पिटल में 20 से 25 बांग्लादेशी रोगियों के किडनी प्रत्यारोपण किए थे।

पुलिस ने 1 जुलाई को सर्जन को गिरफ्तार किया था। हालांकि अब वह जमानत पर बाहर हैं। उन्होंने कोर्ट में सभी आरोपों से इन्कार कर दिया है। इस बीच पुलिस ने 2018 से 2024 तक नोएडा के अपोलो और यथार्थ अस्पताल में बांग्लादेशी रोगियों पर किए गए 125 से 130 किडनी प्रत्यारोपण का विवरण मांगा है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल हैं और भारत के मेडिकल टूरिज्म में काम करने वाला एक ट्रांसलेटर भी शामिल है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अप्रैल में ही विदेशियों के लिए किए गए अंग प्रत्यारोपण से संबंधित एक चेतावनी जारी की थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस एक्टिव हुई और मामले की जांच शुरू हुई।

17 जून को इस मामले को लेकर शिकायत दर्ज हुई थी। उसके बाद दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट तैयार की। दिल्ली हाईकोर्ट ने 23 अगस्त को डॉक्टर राजकुमारी को जमानत दी। दिल्ली पुलिस के अनुसार डॉक्टर राजकुमारी मुख्य रूप से इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल से जुड़ी हुई थीं। नोएडा में अपोलो अस्पताल और दिल्ली में इंद्रप्रस्थ अपोलो हैदराबाद स्थित अपोलो ग्रुप का हॉस्पिटल्स का हिस्सा है। इस मामले में अन्य आरोपी भी जमानत पर बाहर हैं। 12 सितंबर को दिल्ली की अदालत ने धोखाधड़ी और अपराधिक साजिश सहित कई धाराओं में और मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत चार्जशीट का संज्ञान लिया था।

भारत में अंग प्रत्यारोपण को काफी सख्ती से विनियमित किया जाता है और केवल करीबी ब्लड रिलेशन वाले लोगों को ही अंगदान करने की अनुमति होती है। इनमें माता-पिता, भाई बहन, बच्चे, दादी-दादा, पोते पोतिया और पति पत्नी ही शामिल हैं। इसके अलावा अन्य रिश्तेदार विशेष परिस्थितियों में ही दान कर सकते हैं, जो सरकार द्वारा नियुक्त समिति के अनुमोदित करने के बाद ही संपन्न होता है। वहीं विदेशी नागरिकों को अंगदान कराने के लिए फॉर्म 21 जमा करना होता है। यह एक तरीके से संबंधित व्यक्ति के दूतावास से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) होता है। इसमें व्यक्ति यह साबित करता है कि अंगदान प्यार से प्रेरित है, ना कि पैसे और जबरदस्ती से।

दिल्ली-ढाका रैकेट में मामला जो सामने आया है, उसमें पुलिस के अनुसार हर एक प्रत्यारोपण के लिए फॉर्म 21 को सुरक्षित बनाया गया और सिंडिकेट ने कथित तौर पर नकली पारिवारिक पृष्ठभूमि और गलत दस्तावेजों का उपयोग किया। इसका इस्तेमाल करके किडनी डोनर और रिसीवर के बीच संबंध बनाए गए। फार्म 21 के इस तरह का दुरुपयोग भारत में पहली बार हुआ है।

पता चला कि डॉक्टर राजकुमारी ने कथित तौर पर 1 जनवरी 2018 से 31 मार्च 2023 के बीच नोएडा के अपोलो अस्पताल में बांग्लादेशी रोगियों को मिलाकर कुल 66 किडनी प्रत्यारोपण की सर्जरी की। राजकुमारी ने कथित तौर पर 7 अगस्त 2022 से लेकर 13 मई 2024 के बीच नोएडा के यथार्थ हॉस्पिटल में विदेशियों पर 78 ऐसे ही ऑपरेशन किए और इनमें 61 बांग्लादेशी मरीज शामिल थे।

अपोलो अस्पताल (नोएडा) में 1 अप्रैल 2019 और 31 मई 2024 के बीच बांग्लादेशी मरीजों के लिए 90 फॉर्म 21 वेरिफिकेशन की समीक्षा की गई। केवल एक में करीबी रिश्तेदार पति या पत्नी शामिल थे। कथित तौर पर यह दावा करने के लिए कि दान प्यार से दिया गया था, पंद्रह अलग-अलग प्रकार के पारिवारिक वंशावली बनाई गई, जिनमें से ज्यादातर डोनर को दूर के रिश्तेदार के रूप में दर्शाया गया। 50 प्रतिशत मामलों में डोनर, रिसीवर की बहन का बेटा, 12 प्रतिशत मामले में पत्नी का भाई, 9 प्रतिशत मामले में मां की बहन का बेटा, 6 प्रतिशत मामले में पति की बहन का बेटा और 5 प्रतिशत मामले में पिता की बहन का बेटा था।

यथार्थ अस्पताल (नोएडा) में जांच के दायरे में आए 61 मामलों में से एक भी मामले में करीबी रिश्तेदार पति/पत्नी, भाई-बहन या बच्चा शामिल नहीं था। रिकॉर्ड में करीब 14 विभिन्न प्रकार की पारिवारिक वंशावली दिखाई गई। रिसीवर में 31 प्रतिशत मामलों में बहन का बेटा, 18 प्रतिशत मामले में पति की बहन का बेटा, 15 प्रतिशत मामले में पत्नी की बहन का बेटा, 15 प्रतिशत मामले में मां की बहन का बेटा और 5 प्रतिशत मामले पत्नी का भाई बताया गया।

पुलिस के अनुसार इनमें से अधिकांश मामलों में रिसीवर के करीबी रिश्तेदारों को जाली दस्तावेजों का उपयोग करके गलत तरीके से अयोग्य समझा गया ताकि मनगढ़ंत पारिवारिक वंशावली के माध्यम से नकली डोनर्स का निर्माण किया जा सके। इसके अलावा व्यापक कार्यप्रणाली ऐसे अन्य रैकेटों से बहुत अलग नहीं थी। बांग्लादेश के गरीब व्यक्तियों को 4-5 लाख रुपए में किडनी दान करने के लिए लालच दिया जाता है और रिसीवर से लगभग 25 लाख रुपए वसूला जाता है।

गिरफ्तार बांग्लादेशियों ने कथित तौर पर पुलिस को बताया कि प्रत्येक प्रत्यारोपण के लिए लगभग 8 लाख रुपए कमा रहे थे।

पुलिस ने जिस ट्रांसलेटर को गिरफ्तार किया है, उसकी पहचान रसेल के रूप में हुई है। वहीं उसके ही देश का एक और नागरिक गिरफ्तार हुआ था। उनके लैपटॉप पर एक टेंपलेट के माध्यम से दस्तावेजों में हेरफेर किया गया। उनके पास से एक प्लास्टिक बॉक्स, विभिन्न अधिकारियों की 20 मुहरें, डिजिटल हस्ताक्षर, बैंक खाते की जानकारी, पुलिस वेरीफिकेशन रिपोर्ट, राष्ट्रीय आईडी की प्रतियां, राजू डायग्नोस्टिक एंड लैबोरेट्री की मेडिकल रिपोर्ट, 991 वर्ड फाइलों वाली एक पेन ड्राइव जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार इन सभी का इस्तेमाल नकली फैमिली वंशावली बनाने में तैयार किया गया था। रसेल ने पूछताछ के दौरान दावा किया कि बांग्लादेश हाई कमीशन के एक अधिकारी ने मरीजों की फाइलों को तेजी से निपटाने के लिए हर एक मामले के लिए 20,000 रुपए की रिश्वत ली थी।

नशा तस्करी पर कसा जा रहा शिकंजा

अब गुजरात में जब्त हुई 518 किलो कोकीन

अंकलेश्वर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और गुजरात पुलिस ने गुजरात के अंकलेश्वर में दवा कंपनी की तलाशी के दौरान 518 किलोग्राम कोकीन बरामद की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 5,000 करोड़ रुपए है। मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि मामले में अब तक कुल 1289 किलोग्राम कोकीन और थाईलैंड का परिष्कृत किस्म का 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना (गांजा) बरामद किया जा चुका है। जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपए है। जबकि 12 आरोपी पकड़े गए हैं।

एक और 10 अक्टूबर को जब्त हुई 700 किलो कोकीन की जांच के बाद दिल्ली पुलिस ने पाया कि ड्रग्स अंकलेश्वर की अवकार ड्रग्स लिमिटेड कंपनी से लाए गए थे। इसके बाद रविवार को स्पेशल सेल की एक टीम को गुजरात भेजा गया और कंपनी के गोदाम से कोकीन बरामद की गई। साथ ही मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों से दुबई और यूके से चल रहे कथित अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट के बारे में पूछताछ की जा रही है।

इससे पहले एक अक्टूबर को दिल्ली पुलिस ने महिपालपुर में गोदाम से 562 किलोग्राम कोकीन व थाईलैंड का परिष्कृत किस्म का 40 किलोग्राम मारिजुआना (गांजा) बरामद किया था। बाजार में इनकी अनुमानित कीमत 5,620 करोड़ रुपए से अधिक बताई गई थी।

स्पेशल सेल ने ड्रग तस्करों के अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का पर्दाफाश करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 10 अक्टूबर को दिल्ली के रमेश नगर की एक दुकान से लगभग 208 किलोग्राम अतिरिक्त कोकीन बरामद की गई थी।

मामले की जांच दिल्ली प्रवर्तन निदेशालय ने शुरू की थी। उसने दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में अलग-अलग जगहों पर तलाशी अभियान चलाया था। बताया जा रहा है कि अभी तक भारत में कुल 1289 किलोग्राम कोकीन पकड़ी जा चुकी है। इतनी मात्रा में देश से कोकीन बरामद होने पर देश की सुरक्षा एंजेंसियां हाई अलर्ट मोड में आ गई हैं। सभी राज्यों की पुलिस को अलर्ट कर दिया गया है। स्पेशल सेल ने अब नार्को टेरर का लिंक भी खंगालना शुरू कर दिया है।

दुबई में थैंक यू मोदी, थैंक यू योगी के नारे से गूंज उठा यूपी डायस्पोरा

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत डबल इंजन की सरकार ने दुबई में प्रवासी निवेशकों के बीच उत्तर प्रदेश में निवेश करने की दिशा में एक बड़ी सफलता प्राप्त की है। सीएम योगी के विजन और क्रियान्वयन की सफलताओं का दुबई साक्षी बना और इस दिशा में दुबई के इंडिया क्लब में इन्वेस्ट यूपी और यूपी डायस्पोरा की ओर से आयोजित यूपी डायस्पोरा इन्वेस्टर मीट एक बड़ा माध्यम साबित हुआ। इस कार्यक्रम में निवेशकों ने प्रदेश के कई क्षेत्रों में निवेश करने को लेकर रुचि दिखाई। इरफ़ान इजहार ने अलीगढ़ में रिजॉर्ट तो युसूफ खान ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लॉजिस्टिक्स में निवेश की इच्छा दिखाई। वहीं राजेश अग्रवाल ने पुरखों के नाम अपनी पुश्तैनी जमीन हॉस्पिटल हेतु दान करने की इच्छा जाहिर की। इसके साथ ही, दुबई के मदीना ग्रुप ने यूपी से फल सब्जियों के लिए यूपी में सेंटर खोलने को लेकर रुचि प्रकट की। इन्वेस्टर मीट के बाद इरानियन स्पोर्ट कॉम्पलेक्स में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में डबल इंजन सरकार की नीतियों

और योगी सरकार की 25 से अधिक सेक्टोरल पॉलिसीज को प्रमोट किया। इस दौरान हजार से ज्यादा यूपी के प्रवासी उत्तर प्रदेश की विकासगाथा को सुनकर उत्साहित हो उठे और आयोजन स्थल थैंक यू मोदी, थैंक यू योगी के नारे से गुंजायमान हो उठा।

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश में पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उपलब्ध कराये गए मेक इन इंडिया के अवसरों, इंफ्रा एवं उनके द्वारा स्टाम्प विभाग में अनिवासियों की सुविधा के लिए उठाये गए कदमों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस विषय में इंफ्रास्ट्रक्चर, टूरिज्म और इन्वेस्टमेंट के अवसर पर शॉर्ट फिल्म का मंचन भी किया गया तथा विभिन्न विषयों पर पीपीटी के माध्यम से प्रेजेंटेशन भी प्रस्तुत किए गए। उत्तर प्रदेश के सिंगल विंडो सिस्टम व इन्वेस्ट यूपी के प्रयासों से संबंधित पीपीटी प्रेजेंटेशन भी दिया गया। कार्यक्रम में दुबई के यूपी डायस्पोरा को अपने पूरे ग्रुप के साथ एक बार काशी, मथुरा, अयोध्या, लखनऊ, प्रयागराज भ्रमण कर आकर देखने का न्यौता भी दिया गया, ताकि वह यहां पर आकर देश-विदेश के लोगों में उत्तर प्रदेश को मोस्ट फेवर्ड डेस्टिनेशन के तौर पर प्रोजेक्ट कर सकें।

कार्यक्रम में सीएम योगी के विजन अनुसार, यूपीडीएफ के दुबई कल्चरल फोरम ने दुबई में सफल भारतीय एवं उत्तर प्रदेश के सफल प्रवासियों पर जो दुबई में रह देश दुनिया में सफलता का परचम लहरा रहें हैं उनके संघर्षों और सफलता पर एक एक किताब संग्रह निकालने की घोषणा की, ताकि भारत के युवा उद्यमी उनके इस साझा किये गए संघर्षों और अनुभवों से काफी कुछ सीख सकें। सांस्कृतिक कार्यक्र में लखनऊ से आये लोक गायक दीपक त्रिपाठी के गानों और यूपी की कंचन अवस्थी नृत्य पर पूरा हाल झूम उठा। कार्यक्रम में मथुरा के चार्टर्ड अकाउंटेंट और वर्तमान में यूपी डायस्पोरा यूपी कनेक्ट के महासचिव साहित्य चतुर्वेदी नेतृत्व में मथुरा के कलाकारों द्वारा भव्य रामलीला का आयोजन भी हुआ। दुबई में यूपी कनेक्ट के चेयरमैन डॉ राजेश अग्रवाल, वाईस चेयरमैन चंद्रशेखर भाटिया, नदीम ज़ैदी और हुमैर सिद्दीकी उपस्थित रहे। इस दौरान, यूएई के पूर्व मंत्री मोहम्मद सईद किंदी में भारत की जी भर प्रशंसा की और पूरे समय कार्यक्रम में उपस्थित रह डायस्पोरा का हौसला बढ़ाया।

ग्रेटर नोएडा में आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू होगा

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार ने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में आधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीएम योगी के विजन अनुसार, ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में इंटीग्रेटेड एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसटीएमएस) की जल्द स्थापना होगी, जो ग्रेटर नोएडा के यातायात प्रबंधन और सुरक्षा में तीसरी आंख के तौर पर कार्य करेगा। परियोजना के अंतर्गत, 227.60 करोड़ रुपए की धनराशि के जरिए ग्रेटर नोएडा के 357 लोकेशंस पर की जाएगी हाई क्वॉलिटी सीसीटीवी सर्विलांस कैमरों की स्थापना की जाएगी जिससे ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के चप्पे-चप्पे की निगरानी हो सकेगी।

उल्लेखनीय है कि आईएसटीएमएस की स्थापना के जरिए क्षेत्र के यातायात प्रबंधन को अधिक कुशल व सुरक्षित बनाने के लिए विभिन्न तकनीकों की एकीकरण प्रक्रिया पर फोकस किया जाएगा। इस परियोजना में एक व्यापक यातायात प्रबंधन प्रणाली, वीडियो निगरानी, आ-पातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली व सार्वजनिक सूचना प्रणाली विकसित होगी। वहीं, प्रक्रिया के अंतर्गत, इंटीग्रेटेड कमांड व कंट्रोल सेंटर (आईसीसी) की भी होगी स्थापना जिससे नागरिकों व यहां आने वाले आगंतुकों की जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वार इस प्रक्रिया को पूरा कराया जाएगा।

इंटीग्रेटेड एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईएसटीएमएस) को सेफ सिटी एंड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एससीएमसी) नाम से भी जाना जाता है। आईटीएमएस का उद्देश्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों और यातायात प्रबंधकों को नागरिकों, संपत्तियों, यातायात प्रवाह और यातायात भीड़/घटनाओं के बारे में वास्तविक समय और पूर्वानुमानित जानकारी प्रदान करना है। समाधान को विशेष रूप से महिला, बच्चे और वरिष्ठ नागरिकों के लिए नागरिक सुरक्षा में सुधार लाने के साथ-साथ अनुकूली नियंत्रण और विश्लेषण के माध्यम से शहरी सड़कों की सुरक्षा और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए लागू किया जाएगा।

वीडियो निगरानी कैमरों, स्मार्ट ट्रैफिक सिग्नल नियंत्रण, गतिशी-लता में आसानी, आपातकालीन सेवाओं का प्रबंधन, डेटा एनालिटिक्स, रूटिंग और डिस्पैचिंग सेवाएं, सार्वजनिक सूचना प्रणाली आदि को प्रक्रिया के जरिए सुनिश्चित किया जाएगा। यातायात प्रबंधन प्रणाली में कनेक्टिविटी, हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियों के पारिस्थितिकी तंत्र के उचित कामकाज के लिए सभी आवश्यक घटक होंगे। प्रक्रिया के अंतर्गत 12 महीने के अंदर आईटीएमएस प्रणाली को रोलआउट करने का टाइम पीरियड निर्धारित किया गया है। उल्लेखनीय है कि नोएडा व गाजियाबाद में पहले से ही इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट प्रणाली को लागू किया जा चुका है।

सीएम योगी की जीरो टॉलरेंस नीति को आगे बढ़ाते हुए, परियोजना के अंतर्गत इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट के जरिए रियल टाइम टाइम ट्रैफिक मॉनिटरिंग की जाएगी जिससे अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी। प्रणाली के लागू होने से ट्रैवल टाइम में कमी लाने में मदद मिलेगी। चौराहों पर यातायात के सामान्य प्रवाह को विनियमित और बनाए रखने के लिए परिवहन बुनियादी ढांचे की दक्षता में वृद्धि की जाएगी जिससे भीड़भाड़ में कमी, यात्रा समय में कमी, ईंधन की खपत व कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिलेगी। ऑपरेशनल एफिशिएंसी में बढ़ोत्तरी, कस्टमर सर्विसेस में इजाफा, रियल टाइम इनफॉर्मेशन एक्सेस, यूजर फ्रेंडली इंटरफेस तथा इंटेलीजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम (आईटीएस) को लागू करने का माध्यम बनेगा।

उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव

अयोध्या की इस सीट और कटेहरी सीट को लेकर भाजपा का बड़ा फैसला

इन चेहरों पर दांव लगाएगी पार्टी

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा के उप चुनावों को लेकर दिल्ली में भाजपा केंद्रीय नेतृत्व की बैठक हुई। बैठक में यह तय हुआ कि भाजपा कटेहरी और मझवां सीट पर पिछड़े चेहरे पर दांव लगाएगी। सुरक्षित सीट होने की वजह से मिल्कीपुर से कोई दलित चेहरा उतरेगा।

मिल्कीपुर और कटेहरी सीट जीतना भाजपा के लिए सबसे अधिक प्रतिष्ठा का सवाल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद इन दोनों सीटों की जिम्मेदारी अपने कंधे पर ले रखी है। इसलिए भाजपा इन दोनों सीटों पर कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहती है।

बैठक में एक-एक सीट पर जातीय समीकरण और मौजूदा मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रदेश के नेता-ओं ने केन्द्रीय नेतृत्व को अब तक की तैयारियों की जानकारी दी। बताया कि पहले चरण के प्रचार, संपर्क और संवाद का कार्यक्रम पूरा हो चुका है। साथ ही मुख्यमंत्री योगी द्वारा सभी सीटों पर किए गए कार्यक्रमों, विकास कार्यों के लोकार्पण और शिलान्यास के साथ ही अब तक की गई जनसभाओं की जानकारी भी दी गई। केंद्रीय नेतृत्व को 8-9 सीटें जीतने का भरोसा भी दिया गया है।

बैठक में सपा और बसपा द्वारा उतारे गए उम्मीदवारों के लिहाज से रणनीति तैयार करने पर भी चर्चा हुई। खास कर उन सीटों पर चुनाव जीतने को लेकर अधिक प्रभावी तरीके से काम करने पर सहमति बनी है, जिन पर सपा का कब्जा है।

बैठक में नौ सीटों पर चुनाव लड़ने पर सहमति बनने के बाद कटेहरी और मझवां सीटों पर दा-वेदारी करने वाले संजय निषाद को मनाने की जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी और दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक को सौंपी गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने तीनों नेताओं से संजय निषाद को समझाने के लिए कहा है। दरअसल इन दोनों सीटों पर निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने दावा कर रखा है। भाजपा निषाद को सिर्फ एक सीट देने पर विचार कर रही है, वह भी प्रत्याशी भाजपा के ही सिंबल पर ही चुनाव लड़ेगा। हालांकि निषाद इस फार्मूले पर सहमत नहीं हैं।

मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन पर कट्टरपंथी मुस्लिमों का तांडव

उपद्रवियों द्वारा युवक की हत्या के बाद भड़का दंगा

बहराइच, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए बवाल ने बड़ा रूप ले लिया है। सोमवार सुबह एक बार फिर से बहराइच में आगजनी और तोड़फोड़ की गई। कई दुकानों और घरों में तोड़फोड़ की गई। बाइक के शोरूम और एक अस्पताल में आग लगा दी गई है। वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया है। दवाइयों को जला दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी हिंसा बढ़ गई है। चंदपैया और कबड़ियापुरवा गांव में भी आगजनी हुई है। कई घर जलाए गए हैं। वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया है। तीस उपद्रवी हिरासत में लिए गए हैं। सीएम योगी के निर्देश पर एसीएस होम एवं एडीजी लॉ एंड ऑर्डर मौके पर पहुंचे हैं। छह कंपनी पीएसी बहराइच भेजी गई है।

युवक रामगोपाल मिश्र की हत्या से भड़का लोगों का गुस्सा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। प्रदर्शन और हिंसक होता जा रहा है। बाइक के शोरूम में आग लगा दी गई है। कारों को भी फूंका गया है। लोग लाठी-डंडे लेकर सड़कों पर उतर गए हैं। उधर, परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से

इन्कार कर दिया। पुलिस ने मृतक के परिजनों को समझाया है। परिजन कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने दंगाइयों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ताजा हालात पर रिपोर्ट मांगी है। अफवाह फैलाने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। सीएम योगी ने हत्या के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के लिए कहा है।

इससे पहले, बहराइच सांप्रदायिक हिंसा में जान गंवाने वाले रामगोपाल मिश्रा का पोस्टमार्टम सुबह सात बजे पूरा हुआ। इसके बाद शव उनके घर की तरफ रवाना किया गया था। इस घटना के बाद इलाके में तनाव है। महाराजगंज और महसी इलाके के निजी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। बहराइच की सांप्रदायिक हिंसा में देर रात मुख्य आरोपी सलमान समेत कई लोगों पर एफआईआर की गई। 20 से 25 लोगों के हिरासत में लेने की खबरें हैं। पूजा कमेटी देर रात तक इस बात पर अड़ी रही कि आरोपियों की गिरफ्तारी हो। आरोपियों को फांसी देने के नारे देर रात सड़कों पर गूंजते रहे।

बहराइच में महसी तहसील के महाराजगंज कस्बे में गाने को लेकर मुस्लिम समुदाय के युवकों ने पथराव शुरू कर दिया। इससे दुर्गा प्रतिमा खंडित होने पर पूजा समिति के सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस पर मुस्लिमों ने जमकर पथराव किया और रामगोपाल मिश्रा (24) को घर के अंदर घसीट ले गए। उसे बुरी तरह पीटा, चाकुओं से काटा और फिर गोली मार दी। उसे बचाने पहुंचे राजन (28) भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में करीब दर्जनभर लोग जख्मी हुए। घटना का पूरे जिले में विरोध शुरू हो गया। विसर्जन कमेटी के लोगों ने बहराइच-सीतापुर हाईवे पर चहलारी घाट पुल के पास जाम लगा प्रदर्शन शुरू कर दिया। बहराइच-लखनऊ हाईवे भी जाम कर दिया गया। शहर में सैकड़ों जगह प्रतिमा विसर्जन रोक दिया गया। मामला बढ़ता देख छह थानों की पुलिस व पीएसी तैनात कर दी गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महसी तहसील की प्रतिमा शांति पूर्वक विसर्जन के लिए जा रही थी। महराजगंज कस्बे में पहुंचने पर कस्बा निवासी सोनार अब्दुल हमीद अपने बेटे सबलू, सरफराज व फहीम के साथ मौके पर पहुंचे और गाली गलौज शुरू कर दी। प्रतिमा के साथ चल रहे लोगों ने जब इसका विरोध किया तो छतों से पथराव शुरू कर दिया गया। इसके बाद विसर्जन रोक समिति सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। आरोप है कि इस दौरान हमीद व उनके साथ मौजूद हजारों की भीड़ मौके पर पहुंची और उपद्रव शुरू कर दिया। रामगोपाल मिश्रा हत्याकांड में मुस्लिम समुदाय के 6 लोग नामजद किए गए हैं। पुलिस ने अब्दुल हमीद, सरफराज, फहीम, साहिर खान, ननकऊ और मारूफ अली को नामजद करते हुए 4 अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

रामगोपाल मिश्रा की हत्या जिस जुलूस में हुई, उसके साथ पुलिस बल चल रहा था। लेकिन पुलिस ने रामगोपाल को बचाने की कोई कोशिश नहीं की। उल्टा पुलिस ने हिंदुओं पर ही लाठियां बरसाईं। हरदी थाने के एसएचओ सुरेश कुमार वर्मा और महसी चौकी इंचार्ज शिव कुमार को निलंबित कर दिया गया है।

माहौल बिगाड़ने वाले बचेंगे नहीं: मुख्यमंत्री

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बहराइच के महसी में माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि उपद्रवियों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश

दिया कि प्रतिमा विसर्जन का कार्य बिना किसी रुकावट के जारी रहना चाहिए और धार्मिक संगठनों से संवाद कर समय पर प्रतिमा विसर्जन कराया जाए। उन्होंने जनता को सुरक्षा की गारंटी देते हुए प्रशासन व पुलिस अधिकारियों को घटनास्थल पर मौजूदगी सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जिनकी लापरवाही से इस प्रकार की घटना घटित हुई, उनकी पहचान की जाए और उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए।

दीपोत्सव में झारखंड से दीप जलाने पहुंचेंगे 150 आदिवासी

अयोध्या में 25 लाख दीप प्रज्वलन का रिकॉर्ड बनेगा

अयोध्या, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार के आठवें दीपोत्सव को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। प्रशासनिक खेमे के अलावा डॉ राम मनोहर लोहिया विवि ने भी इस दिशा में युद्धस्तर पर कार्य शुरू कर दिया है। इस बार दीपोत्सव कुछ खास ही होने वाला है। इसमें झारखंड के 150 आदिवासी भी दीप जलाने के लिए पहुंच रहे हैं। यह आदिवासी स्वयंसेवक के रूप में घाटों पर जुटेंगे। उल्लेखनीय है कि अयोध्या में 2017 से राम की पैड़ी पर दीपोत्सव की शुरुआत हुई थी।

उसके बाद से यहां दीपोत्कीसव के जरिए प्रतिवर्ष नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं। ऐसे में, इस बार मुख्यमंत्री ने 25 लाख दीये जलाने का ऐलान किया है जिसके लिए 28 लाख दीपों को सरयू नदी के किनारे तटों पर बिछाया जाएगा। मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अयोध्या नगरी को सजाने के काम शुरू कर दिया गया है।

राम की पैड़ी पर इस बार स्थानीय नागरिकों को भी शामिल करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए वहां पर चौड़े-चौड़े प्लेटफॉर्म वाली सीढ़ियां बनाई जा रही हैं, जो बिल्कुल स्टेडियम की तरह है।

इस बार दीयो की संख्या बढ़ते ही घाटों की संख्या बढ़ा दी गई है। 51 से 55 कर दिया गया है। चौधरी चरण सिंह व भजन संध्या स्थल व अन्य घाटों को दीप जलाने के लिए शामिल किया गया है। वहीं 90 हजार लीटर सरसों के तेल के प्रयोग होने की बात बताई जा रही है।

दीपोत्सव में दीयो की संख्या बढ़ते ही रुई की बाती का इंतजाम भी किया जाने लगा है। बताया जाता है 40 लाख रुई की बाती लगेगी। स्वयंसेवक 25 से राम की पैड़ी के घाटों पर दीये बिछाने का कार्य शुरू कर देंगे। दीप-त्सव के नोडल अधिकारी डॉ एसएस मिश्र ने बताया हमारी तैयारियां तेजी से चल रही है। इस बार श्री राम भव्य महल में विराजमान हुए हैं। इसलिए दीपोत्सव को और भी भव्य तरीके से मनाया जाएगा।

संपादकीय

पलस्तर गिर रहा

हालांकि सरकारी इमारतों के इस्तेमाल की समीक्षा इस बार पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर कर रहे हैं, लेकिन यह सत्य है कि हम बजट फूंक कर तमाशा देखते हैं। नेता प्रतिपक्ष शिमला के ट्रॉमा सेंटर के बंद दरवाजों के भीतर हुई नियुक्तियों पर अंगुली उठा रहे हैं। बिना कुछ किए धरे, ट्रॉमा सेंटर की शिकायत अब आरोपों तक पहुंच गई है, तो 'तमाशबीन विकास' की आंखों में धूल झोंकने के लिए सभी दोषी हैं। उपर्युक्त ट्रॉमा सेंटर डेढ़ साल पहले शुरू हो सकता था, लेकिन इसी तरह टीएमसी में चाइल्ड-मदर केयर सेंटर सिर्फ एक रैंप न होने की वजह से अपनी कत्तव्यपरायणता भूल चुका है। हाय रे बजट कितना कोढ़ी और कितना असहाय हो जाता कि सरकारें बदलते ही पलस्तर गिर जाता है। उदाहरण के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में कई अधूरे काम आधे रास्ते पर खड़े होंगे, तो इसलिए कि राजनीति की आंख में सदैव कोई बाल फंसा है जो प्रतिद्वंद्विता में प्रदेश के विकास को कसूरवार बना देता है। विकास की गाथा का चित्रण करते कई सरकारी होटल नीलाम हो गए, तो स्कूल से कालेज तक बंद होने के कगार पर खड़े हैं। यहां एक रोचक किस्सा धर्मशाला के कचहरी अड्डा में 56 लाख की लागत से स्थापित ओवरहेड ब्रिज का है, जो अपने निर्माण के चार सालों बाद भी सिर्फ एक ढांचा, विकास का उपहास और उद्देश्य का मजाक बना दिखाई देता है। यह योजनाकारों, नेताओं के उपकारों और बजट के डकारों का जीता-जागता उदाहरण है, जो काम नहीं करता, बल्कि शहर को बदनाम करता है। न इससे कोई गुजरा और न गुजर सकता है, फिर भी स्मार्ट सिटी की परियोजना मुस्करा रही है और निर्माण का पीडब्ल्यूडी महकमा अहंकार में है। कोई तो इंजीनियर होगा, किसी ने तो निर्णय लिया होगा, लेकिन जनता के सामने विकास का भूत बना यह ओवरहेड ब्रिज अब डरा रहा है। आश्चर्य यह होता है कि हिमाचल के मंदिरों की कमाई से स्कूल-कालेज चलाए जाते हैं या ट्राइबल इलाकों में जिम खोले जाते हैं। यहां प्रवासी पक्षियों को निहारने के लिए टावर ऐसी जगह खड़े किए जाते, जहां पंछियों की उड़ान होती नहीं। हमीरपुर में एक ऐसी जगह पर्यटक सूचना एवं स्वागत केंद्र बना दिया गया था, जहां सैलानी या तो आते नहीं या कुछ पूछते नहीं, नतीजतन वहां बनते ही यह इमारत कब्र बन गई। विकास को मात्र ईंट-पत्थर मानकर हिमाचल ने अपनी जरूरतें गंवा दीं या गुणवत्ता एवं नवाचार के लिए सोच ही नहीं पनपा। हमने एशिया का पहला वानिकी एवं बागबानी विश्वविद्यालय बनाया, लेकिन सियासी पूजा के लिए इससे बागबानी के दो कालेज छीन लिए, नतीजतन शिक्षा की उन्नत प्रणाली का बंटवारा मुख्य परिसर से ही टकराने लगा है। इसी तर्ज पर क्षेत्रीय कार्यालयों को विकास का सरगना बनाने की उम्मीदों ने बंटाधार कर दिया। हैरानी यह कि जो कार्यालय ढंग से एक पुल नहीं बना पा रहा है, वह किसी जोन का मुख्य कार्यालय हो गया। छोटे से प्रदेश में पीडब्ल्यूडी के चार जोन-चार मुख्य अभियंता, लेकिन नवनिर्माण का दिल व बजट कमजोर। इस पर तुर्रा यह कि हिमाचल की सरकारी कार्य संस्कृति में कामचोरी इतनी कि सुदूर क्षेत्रों में भाड़े पर नौकरी की सबलेटिंग होने की शिकायतें हैं। कुर्सी पर टंगा कोट कई मुख्यालयों की प्लानिंग में मशरूफ दिखाई देता है। किसी शख्स को फुर्सत नहीं कि जांचे कि लैब में जांच कैसी हो रही है। किसी को दर्द नहीं कि नवनिर्माण का पलस्तर क्यों गिर रहा। बस भाग रहा है विकास इमारतों की कतार बनकर और घोषणाओं का इश्तिहार बनकर।

नेता प्रतिपक्ष शिमला के ट्रॉमा सेंटर के बंद दरवाजों के भीतर हुई नियुक्तियों पर अंगुली उठा रहे हैं। बिना कुछ किए धरे, ट्रॉमा सेंटर की शिकायत अब आरोपों तक पहुंच गई है, तो 'तमाशबीन विकास' की आंखों में धूल झोंकने के लिए सभी दोषी हैं। उपर्युक्त ट्रॉमा सेंटर डेढ़ साल पहले शुरू हो सकता था, लेकिन इसी तरह टीएमसी में चाइल्ड-मदर केयर सेंटर सिर्फ एक रैंप न होने की वजह से अपनी कत्तव्यपरायणता भूल चुका है। हाय रे बजट कितना कोढ़ी और कितना असहाय हो जाता कि सरकारें बदलते ही पलस्तर गिर जाता है। उदाहरण के लिए हर विधानसभा क्षेत्र में कई अधूरे काम आधे रास्ते पर खड़े होंगे, तो इसलिए कि राजनीति की आंख में सदैव कोई बाल फंसा है जो प्रतिद्वंद्विता में प्रदेश के विकास को कसूरवार बना देता है। विकास की गाथा का चित्रण करते कई सरकारी होटल नीलाम हो गए, तो स्कूल से कालेज तक बंद होने के कगार पर खड़े हैं। यहां एक रोचक किस्सा धर्मशाला के कचहरी अड्डा में 56 लाख की लागत से स्थापित ओवरहेड ब्रिज का है, जो अपने निर्माण के चार सालों बाद भी सिर्फ एक ढांचा, विकास का उपहास और उद्देश्य का मजाक बना दिखाई देता है।

बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है

दवा कारोबार की अनैतिकता से बढ़ता जीवन संकट

ललित गर्ग

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने दवाइयों के क्वालिटी टेस्ट में 53 दवाओं को फेल कर दिया गया है। उनमें कई दवाओं की क्वालिटी खराब है तो वहीं दूसरी ओर बहुत सी दवाएं नकली भी बिक रही हैं। इन दवाओं में बीपी, डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की कुछ दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को गुणवत्ता में फेल किया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल, पेन किलर डिक्लोफेनेक, एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी फार्मास्युटिक्लस कंपनी की दवाएं भी शामिल हैं और इनको सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। निश्चित ही यह खबर परेशानी एवं चिन्ता में डालने वाली है। कैसी विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं। रोगी इस उम्मीद में दवा लेते हैं कि इससे उनकी बीमारी ठीक होगी। लेकिन यह पता लगे कि जिन दवाइयों का वे सेवन कर रहे हैं वे दवा नहीं बल्कि जहर के रूप में बाजार में आ गई हैं तो क्या बीतेगी? हिंदुस्तान में आज लाखों लोगों को ये दवाएं जीवन-रक्षा नहीं दे रही है बल्कि मार रही है, इंसान का लोभ एवं लालच इंसान को मार रहा है। ऐसे स्वार्थी लोगों एवं जीवन से खिलवाड़ करने वालों को राक्षस, असुर या दैत्य कहा गया है जो समाज एवं राष्ट्र में तरह-तरह से स्वास्थ्य सुरक्षा के नाम पर मौत बांट रहे हैं। अमानक एवं गुणवत्ता में दोषपूर्ण पाई गई इन दवाओं में कई नामी कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। अमानक पाई गई दवाइयों के ये मामले तो तब आए हैं जब पहले से ही दवाओं की गुणवत्ता तय करने के लिए कई सख्त प्रक्रियाएं होती हैं। इनमें कच्चे माल की जांच और निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण तक शामिल होता है। इसके बावजूद नामी दवा

निर्माता कंपनियों के उत्पाद भी मानकों पर खरे नहीं उतरें तो यह माना जाना चाहिए कि कम लागत में ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में ये कंपनियां नैतिकता एवं मानवीयता को ताक पर रखने लगी है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब दवाइयां गुणवत्ता के पैमानों पर खरी नहीं उतरी हैं। आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत को प्रभावित करते हैं। यह भी कि जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते होंगे। इस बाबत गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। चिंता यह भी कि यदि रैंडम सैम्पलिंग में ये दवाइयां पकड़ी नहीं जाएं तो इनकी खुलेआम बिक्री लोगों की सेहत पर खतरा बन कर मंडराती रहती हैं। एक तरफ सीडीएससीओ ने दवाओं की सुगम आपूर्ति के लिए अमरीका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा व यूरोपीय संघ के कुछ चुनिंदा देशों से आयातित दवाओं को नियमित नमूना परीक्षण से छूट दी है, वहीं देश के बाजारों में पहुंची दवा निर्माता कंपनियों की दवाओं में मिलने वाली यह खोट हमारी छवि पर विपरीत असर डालने वाली है। दवा परीक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही अक्षम्य ही है क्योंकि दवा कारोबार में हेराफेरी का खेल लोगों की जान का दुश्मन बन सकता है। विडंबना देखिए कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से कतराती हैं। जिसकी कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों में इस हद तक गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये पीड़ित मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। व्यथित करने वाली बात है कि गुणवत्ता एवं मानक में फेल होने वाली दवाओं में पेट में इंफेक्शन रोकने वाली एक चर्चित दवा भी शामिल है। उल्लेखनीय है कि इसी साल अगस्त में केंद्र सरकार ने 156 फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन यानी एफडीसी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया था। दरअसल, ये दवाइयां आमतौर पर सर्दी व बुखार, दर्द निवारक, मल्टी विटामिन और एंटीबायोटिक्स के रूप में इस्तेमाल की जा रही थी। मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन, वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था। जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है। बहरहाल, सामान्य रोगों में उपयोग की जाने वाली तथा जीवनरक्षक दवाओं की गुणवत्ता में कमी का पाया जाना, मरीजों के जीवन से खिलवाड़ ही है। जिसके लिये नियामक विभागों की जवाबदेही तय करके घटिया दवा बेचने वाले दोषियों को कठोर दंड दिया जाना चाहिए। असल में इस तरह की दानवी सोच वाले लोग सिर्फ अपना स्वार्थ देखते हैं। ऐसे लोग धन-संपत्ति आदि के जरिए सिर्फ अपना ही उत्थान करना चाहते हैं, भले ही इस कारण दूसरे लोगों और पूरे समाज ही मौत के मुंह में जा रहे हो, यह मानवीय संवेदनाओं के छीजने की चरम पराकाष्ठा है। यह कैसी विडम्बना एवं विसंगतिपूर्ण दौर है जिसमें जिसको जहां मौका मिल रहा है, वह लूटने में लग हुआ है, यहाँ कोई भी व्यक्ति सिर्फ तब तक ही ईमानदार है जबतक उसको चोरी करने का या लूटने का मौका नहीं मिलता। हद तो तब है जब कई जगह जीवनरक्षक इंजेक्शनों की जगह नकली इंजेक्शन तैयार करने की खबरें भी आती रहती हैं। हम कितनें लालची एवं अमानवीय हो गये हैं, हमारी संवेदनाओं का स्रोत सूख गया है, तभी अपना ईमान बेच कर इंजेक्शन में पैरासिटामोल मिलाकर बेचने लगते हैं, हम तो अपनी तिजोरियां भरने के लिए जिंदा इंसानों को ही नोच रहे हैं।

विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। गुणवत्ता के मानकों पर खरा न उतरने वाली दवाओं की सूची जारी होने से उन मरीजों की स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। दुर्भाग्य से इस सूची में हाइपरटेंशन, डाइबिटीज, कैल्शियम सप्लीमेंट्स, विटामिन-डी3 सप्लीमेंट्स, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन-सी, एंटी-एसिड, एंटी फंगल, सांस की बीमारी रोकने वाली दवाएं भी शामिल हैं। इसमें दौरे व एंग्जाइटी का उपचार करने वाली दवाएं भी शामिल हैं। ये दवाएं बड़ी कंपनियों द्वारा भी उत्पादित हैं।

दृष्टि कोण

देव संस्कृति का जीवंत दस्तावेज कुल्लू दशहरा

अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव देवभूमि हिमाचल प्रदेश की देव संस्कृति की एक सशक्त एवं जीवंत पहचान है। दशहरा पर्व देवभूमि के आराध्य देव रघुनाथ (भगवान श्रीराम) के प्रति आस्था, स्थानीय देवताओं की पूजा, स्थानीय परम्पराओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से हिमाचल की समृद्ध विरासत को प्रस्तुत करता है। यह पर्व हिमाचल प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक आस्था का प्रतीक है, जो सात दिनों तक चलता है। जब देश के अन्य हिस्सों में दशहरा समाप्त होता है, तब कुल्लू में इसका शुभारंभ होता है। इस दौरान कुल्लू में भव्य शोभायात्रा निकाली जाती है, जिसमें विभिन्न देवी-देवता अपने देवालयों से आकर भाग लेते हैं। यहां की स्थानीय लोक संस्कृति, लोक कला, हस्तशिल्प और व्यंजन भी इस उत्सव का अभिन्न हिस्सा होते हैं। कुल्लू दशहरा के दौरान देव समाज और आम जनमानस रघुनाथ जी के समक्ष नतमस्तक होता है। इसलिए कुल्लू दशहरा केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह स्थानीय निवासियों के लिए एक गहन आध्यात्मिक अनुभव भी है, जो उनके धार्मिक विश्वासों और अनुभूतियों को मजबूती प्रदान करता है। इस उत्सव के दौरान, लोग अपने पारंपरिक रीति-रिवाजों और अनुष्ठानों का पालन करते हैं, जो उनकी आस्था और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा हैं। देवी-देवताओं की भक्ति में लीन होकर लोग मानसिक शांति और संतोष का अनुभव करते हैं। वहीं, यह उत्सव उन्हें अपने धार्मिक कत्तव्यों को निभाने, एकजुट होने और साझा अनुभवों के माध्यम से एक मजबूत बंधन बनाने का अवसर प्रदान करता है। इस प्रकार कुल्लू दशहरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह आध्यात्मिक जागरूकता और सांस्कृतिक समर्पण का भी माध्यम बनता है। कुल्लू दशहरे की कहानी भगवान श्रीराम से जुड़ी हुई है। रघुनाथ मंदिर के मुख्य छड़ीबरदार महेश्वर सिंह के अनुसार, विजयदशमी के दिन भगवान राम ने रावण की नाभि पर तीर मारा था और उसकी विशाल सेना पर विजय प्राप्त की थी। हालांकि, रावण की मृत्यु विजयदशमी के सात दिन बाद हुई थी, इसलिए कुल्लू में इस त्योहार को सात दिनों तक मनाने की परम्परा है। इस प्रकार कुल्लू दशहरा न केवल धार्मिक विश्वासों का प्रतीक है, बल्कि यह क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का भी जीता-जागता उदाहरण है। कुल्लू दशहरा की परम्परा अपने आरम्भ से लेकर अब तक एक लंबी यात्रा तय कर चुकी है। इस साल कुल्लू दशहरे को शुरू हुए 364 साल हो जाएंगे। वर्ष 1660 में पहली बार कुल्लू दशहरा मनाया गया था। बताया जाता है कि तब कुल्लू में राजा जगत सिंह का राज हुआ करता था। 17वीं शताब्दी में कुल्लू दशहरे की शुरुआत करने का श्रेय भी राजा जगत सिंह को ही जाता है। साहित्यकार डा. सूरत ठाकुर बताते हैं कि इस संदर्भ में 1637 के एक प्रसंग का उल्लेख मिलता है। कुल्लू के राजा जगत सिंह से डरकर एक ब्राह्मण ने आत्महत्या कर ली थी। इससे राजा को ब्रह्म हत्या का दोष लगा। राजा जगत सिंह को भारी ग्लानि हुई और इस दोष के कारण राजा को एक असाध्य रोग भी हो गया था। इस बीमारी से मुक्ति के लिए पयोहारी बाबा किशन दास ने राजा को सलाह दी कि वो अयोध्या के त्रेतानाथ मंदिर से भगवान राम, माता सीता और रामभक्त हनुमान की मूर्तियां लाएं। इन मूर्तियों को कुल्लू के मंदिर में स्थापित करके अपना राजपाठ भगवान रघुनाथ को सौंप दें तो उन्हें ब्रह्म हत्या के दोष से मुक्ति मिल जाएगी। राजा जगत सिंह ने श्री रघुनाथ जी की प्रतिमा लाने के लिए बाबा किशनदास के चेले दामोदर दास को अयोध्या भेजा था। दामोदर दास जब अयोध्या से मूर्ति को चुराकर हरिद्वार पहुंचे तो पीछा कर रहे अयोध्या के पुजारियों ने उन्हें पकड़ लिया और उनकी पिटाई के बाद उनसे मूर्तियां छीन लीं। जब अयोध्या के पंडित मूर्ति को वापस ले जाने लगे तो वो इतनी भारी हो गई कि कई लोग मिलकर भी इन मूर्तियों को नहीं उठा सके। वहीं, जब इन्हें पंडित दामोदर ने उठाया तो मूर्ति फूल के समान हल्की हो गई। ऐसे में पूरे प्रकरण को स्वयं भगवान रघुनाथ की लीला जानकर अयोध्या के पुजारियों ने मूर्तियों को कुल्लू लाने दिया। स्वस्थ होने के बाद राजा ने अपना जीवन और राज्य भगवान रघुनाथ को समर्पित कर दिया और इस तरह से यहां दशहरे की शुरुआत हुई। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी बहुत से देवता करीब 150 से 200 किलोमीटर की पैदल दूरी तय करने के बाद देवता कुल्लू दशहरा में भाग ले रहे हैं। इसके लिए देवी-देवताओं के रथ सजकर तैयार हो चुके हैं। देवता के कारकूनों, हरियानों और देवलुओं ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सफर लंबा होने से देवता दशहरा से करीब चार से पांच दिन पहले देवालय से कुल्लू दशहरा मैदान के लिए रवाना हो गए हैं। इस बार बाह्य सराज से देवता शमशरी महादेव और जागेश्वर महादेव करीब दो दशक बाद दशहरा में आ रहे हैं।

कुछ अलग

महंगाई की फिक्र

ऐसे वक्त में जब भारतीय बाजार त्योहार की रंगत में रंगने लगे हैं और कारोबारियों को बेहतर कारोबार की उम्मीद है, भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को लेकर फिक्रमंद है। उसे चिंता है कि महंगाई बढ़ी तो त्योहार की रौनक प्रभावित हो सकती है। तभी मौद्रिक नीति की घोषणा करते वक्त केंद्रीय बैंक ने रेपो दर को यथावत बनाये रखा है। बहरहाल, ये आने वाला वक्त बताएगा कि रिजर्व बैंक किस हद तक महंगाई पर नियंत्रण रखने में सफल हो पाता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक का लक्ष्य है कि महंगाई की दर को चार फीसदी से नीचे रखी जाए। चिंता जतायी जा रही है कि आने वाले दो वर्ष में यह दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। जब दो साल पहले खुदरा महंगाई की दर सात फीसदी के करीब पहुंच गई थी तो केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाने का प्रयास किया। बैंक ने धीरे-धीरे रेपो दर में वृद्धि की थी। फिलहाल छह बार की बढ़ोतरी से फिलहाल इस दर में करीब ढाई फीसदी की वृद्धि हो चुकी है। अब महंगाई बढ़ने की फिक्र में केंद्रीय बैंक ने दसवीं बार रेपो दर को यथावत रखा है। जो फिलहाल साढ़े छह फीसदी है। दरअसल, बैंक का आकलन है कि आने वाले दो वर्षों में महंगाई की दर चार फीसदी से ऊपर रह सकती है। केंद्रीय बैंक यदि उद्यमियों के दबाव के बावजूद बैंक दरों में कमी नहीं कर रहा है तो उसकी वजह महंगाई की फिक्र में थमे कदम हैं। बैंक का आकलन है कि यदि हम महंगाई की दर को अपने लक्ष्य चार फीसदी से कम लाने में कामयाब हो जाते हैं तो देश की विकास दर के ऊंचे लक्ष्य हासिल किये जा सकते हैं। इतना ही नहीं, विकास दर दो अंकों का आंकड़ा छू सकती है। वैसे जिस तरह कोविड संकट से उबरती दुनिया को रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के संकट से जूझना पड़ रहा है, भारत उससे अपनी अर्थव्यवस्था को बचाने में कामयाब रहा है। यह एक हकीकत है कि जहां दुनिया के अन्य विकसित देश मंदी के संकट से जूझ रहे हैं, भारत मंदी के दुष्प्रभाव से अर्थव्यवस्था को बचा पाया है। निस्संदेह, हमारी मौद्रिक नीतियां आर्थिकी को स्थायित्व प्रदान करने में किसी हद तक सफल रही हैं। यही वजह है कि संवेदनशील आर्थिकी के वैश्विक परिदृश्य में केंद्रीय बैंक ने मौद्रिक नीतियों में बदलाव से परहेज किया है। निस्संदेह, भारत इस समय दुनिया में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। इस स्थिति को बनाए रखने के लिये खासी सावधानी भी जरूरी है। लेकिन ऊंची रेपो दर का नुकसान देश के उन उपभोक्ताओं को उठाना पड़ रहा है, जो घर-वाहन लोन की ईएमआई कम होने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। हालांकि, देश के बुजुर्गों को बचत खाते में अधिक ब्याज मिलने से लाभ जरूर हो रहा है। लेकिन महंगाई का प्रभाव तो समाज के हर वर्ग पर पड़ रहा है। वहीं थोक व फुटकर की महंगाई के आंकड़े भले ही इसके कम होने की बात कर रहे हों, लेकिन व्यवहार में फल-सब्जी व खाद्य पदार्थों की महंगाई उपभोक्ताओं के बजट को प्रभावित कर रही है। दूसरी ओर कर्ज लेने वाले लोगों को बढ़ी किस्तें भी परेशान कर रही हैं। कारोबारी और कामकाजी लोग काफी समय से आस लगाए बैठे थे कि यदि रिजर्व बैंक रेपो दरों में कुछ कमी करता है तो ऋण सस्ते होने से उनके कर्ज की किस्त कुछ हल्की हो जाएगी। लेकिन महंगाई की चिंता कर रहा केंद्रीय बैंक ऐसे किसी कदम को उठाने से परहेज कर रहा है। लेकिन एक बात तो तय है कि महंगाई दर में कमी के दावों का अहसास आम आदमी को भी होना चाहिए।

देश दुनिया से

शोध और नवाचार में भारत की ऊंचाई

हाल ही में विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ) द्वारा प्रकाशित ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (जीआईआई) 2024 की रैंकिंग में 133 अर्थव्यवस्थाओं में भारत ने 39वां स्थान हासिल किया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जो भारत जीआईआई रैंकिंग में 2015 में 81वें स्थान पर था, अब वह 39वें स्थान पर पहुंच गया है। जीआईआई रैंकिंग में भारत की प्रगति दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। इस ऊंची रैंकिंग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के वाइब्रेंट इनोवेटिव इकोसिस्टम की उपलब्धि बताया है। गौरतलब है कि जीआईआई 2024 के तहत भारत निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है। भारत मध्य और दक्षिणी एशिया क्षेत्र की 10 अर्थव्यवस्थाओं में भी पहले स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) क्लस्टर रैंकिंग में चौथे स्थान पर है। भारत के प्रमुख शहर मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई दुनिया के शीर्ष 100 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टरों में सूचीबद्ध हैं और भारत अमूर्त संपत्ति तीव्रता में वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर है। जीआईआई 2024 के अनुसार, स्विट्जरलैंड, स्वीडन, अमेरिका, सिंगापुर और यूके दुनिया की सबसे अधिक नवोन्मेषी अर्थव्यवस्थाएं हैं, जबकि चीन, तुर्की, भारत, वियतनाम और फिलीपींस पिछले एक दशक में सबसे तेजी से ऊपर आने वाले देश हैं। यदि हम बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार से जुड़े अन्य वैश्विक संगठनों की रिपोर्टों को भी देखें तो पाते हैं कि भारत इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी उद्योग मंडल 'यूएस चैंबर्स ऑफ कॉमर्स' के ग्लोबल इनोवेशन पॉलिसी सेंटर के द्वारा जारी वैश्विक बौद्धिक संपदा (आईपी) सूचकांक 2024 में भारत दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 42वें स्थान पर है। निःसंदेह शोध एवं नवाचार तथा बौद्धिक सम्पदा की दुनिया में भारत की रैंकिंग यह दर्शा रही है कि भारत इनोवेशन का हब बनता जा रहा है। भारत में शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और डिजिटल सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। भारत आइटी सेवा निर्यात और वेंचर कैपिटल हासिल करने के मामले में लगातार आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और इंजीनियरिंग ग्रेजुएट तैयार करने में भी भारत दुनिया में सबसे आगे है। भारत के उद्योग-कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक कृषि से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए भारत ने जिस तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया, उससे भारत कृषि विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा है। विगत अगस्त माह में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के खेतों में जाकर जारी की गई 61 फसलों की 109 नई एवं उन्नत किस्मों से कृषि नवाचार का नया अध्याय लिखा गया है। निश्चित रूप से शोध एवं नवाचार के मद्देनजर भारत ने कारोबारी विशेषज्ञता, रचनात्मकता, राजनीतिक और संचालन से जुड़ी स्थिरता, सरकार की प्रभावशीलता जैसे विविध क्षेत्रों में अच्छे सुधार किए हैं। साथ ही भारत में घरेलू कारोबार में सरलता, विदेशी निवेश जैसे मानकों में भी बड़ा सुधार दिखाई दिया है। भारत की शोध एवं नवाचार ऊंचाई में अपार ज्ञान पूंजी, स्टार्टअप और यूनिकॉर्न, पेटेंट वृद्धि, घरेलू उद्योग विविधीकरण, हाइटेक विनिर्माण और सार्वजनिक और निजी अनुसंधान संगठनों द्वारा किए गए प्रभावी कार्यों के साथ-साथ अटल इनोवेशन मिशन ने भी अहम भूमिका निभाई है। भारत बुनियादी ढांचा, स्वास्थ्य, कृषि, शिक्षा, रक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति कर रहा है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के अंतर्गत स्वदेश में विकसित लगभग 130 करोड़ रुपए की लागत के तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर राष्ट्र को समर्पित किए। मौसम और जलवायु अनुसंधान के लिए तैयार एक उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग (एचपीसी) प्रणाली का भी उद्घाटन किया गया है। सुपरकंप्यूटिंग प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता के अनुरूप तीन परम रुद्र सुपरकंप्यूटर तैयार किए गए हैं। इन सुपरकंप्यूटरों को अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए पुणे, दिल्ली और कोलकाता में लगाया गया है। यह बात महत्वपूर्ण है कि बौद्धिक सम्पदा, शोध एवं नवाचार के बहुआयामी लाभ होते हैं। इनके आधार पर किसी देश में विभिन्न देशों के उद्यमी और कारोबारी अपने उद्योग-कारोबार शुरू करने संबंधी निर्णय लेते हैं। पूरी दुनिया के विभिन्न देशों की सरकारें भी ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स को ध्यान में रखकर अपने वैश्विक उद्योग-कारोबार के रिश्तों के लिए नीति बनाने की डगर पर बढ़ती हैं। भारत में इंटरनेट ऑफ थिंग्स, कृत्रिम बुद्धिमता और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में शोध एवं विकास और जबरदस्त स्टार्टअप माहौल के चलते अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने ग्लोबल इन हाउस सेंटर (जीआईसी) तेजी से शुरू करते हुए दिखाई दे रही हैं।

भारत जीआईआई रैंकिंग में 2015 में 81वें स्थान पर था, अब वह 39वें स्थान पर पहुंच गया है। जीआईआई रैंकिंग में भारत की प्रगति दुनियाभर में रेखांकित हो रही है। इस ऊंची रैंकिंग को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के वाइब्रेंट इनोवेटिव इकोसिस्टम की उपलब्धि बताया है। गौरतलब है कि जीआईआई 2024 के तहत भारत निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है। भारत मध्य और दक्षिणी एशिया क्षेत्र की 10 अर्थव्यवस्थाओं में भी पहले स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) क्लस्टर रैंकिंग में चौथे स्थान पर है।

आप का नजरिया

'रावण' आज भी जिंदा है...

सदियों से रावण मर रहा है। यह सिलसिला त्रेता युग से जारी है। हर साल भारत और दुनिया के कई हिस्सों में रावण समेत मेघनाद और कुंभकर्ण के भी पुतले जलाए जाते हैं। 'विजयादशमी' पर्व मनाया जाता है। अधर्म पर धर्म और बुराई पर अच्छाई की जीत के जश्न दीपावली तक जारी रहते हैं। तसल्ली रहती है कि हमने धर्म, बुराई, राक्षसत्व, पापाचार, अत्याचार आदि का दहन कर दिया। उनका अस्तित्व ही मिटा दिया, लेकिन ये जश्न और सोच बाहरी और दिखावटी हैं। दरअसल रावण हमारे भीतर की कामनाओं और राक्षसत्व का ही प्रतीक है, लिहाजा बार-बार उसका दहन कर हम उल्लास और पर्व मनाते हैं। रावण ने साधु के वेश में माता सीता का अपहरण किया था, लेकिन उनकी पवित्रता और पतिव्रता स्वरूप को छुआ तक नहीं था। रावण ने अपहरण के जरिए अपनी नियति तय की थी। आज अपहरण ही नहीं, 3-4 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाते हैं। उनके साथ बर्बरता की जाती है और अंततः उनकी हत्या भी कर दी जाती है। हमारे दौर की यह एक आम प्रवृत्ति बन गई है। ऐसे बलात्कारियों के भीतर कौनसा रावण बैठा है? रावण तो ऐसा नहीं था। वह प्रकांड पंडित, वेद-पुराण ज्ञाता, महापराक्रमी योद्धा, ब्रह्म-महादेव का अंतरंग भक्त, त्रिकालदर्शी आदि, न जाने क्या-क्या था, लेकिन उसे असुर, दैत्य, राक्षस समुदाय का माना गया। यह भी सवालिया है, क्योंकि रावण महान ऋषि विश्रवा और असुर कैकसी की संतान था, लिहाजा भारतीय सांस्कृतिक व्यवस्था के अनुसार, उसे किस वर्ण की संतान माना जाना चाहिए? बहरहाल हम रावण के ऐतिहासिक और पारिवारिक पृष्ठभूमि को यहीं छोड़ते हैं। दरअसल हमारा सरोकार 'रावणत्व' भाव से है, जो कई शक्लों, किस्मों, नस्लों, दुर्भावनाओं, पापाचार, अत्याचारों आदि के रूप में आज भी जिंदा है। रावण का पार्थिव शरीर मारा जा चुका है, लेकिन उसके प्रतीक-स्वरूप पुतले आज भी जलाए जा रहे हैं। फिर भी रावण जिंदा है। हम जो आतंकवाद, अलगाववाद, धर्म और जातिवाद, नफरती हिंसा, नफरती राजनीति, नफरती आह्वान और सर कलम कर देने के फतवे आदि देख-सुन और महसूस कर रहे हैं, वे आखिर क्या हैं? वे 'रावणत्व' ही हैं। जो मानवीय भाव होने चाहिए, वे मर चुके हैं, लेकिन आज इनसान, दूसरे इनसान को, मार रहा है, राख कर रहा है, मानवता का ही हत्यारा बन चुका है। यह क्या है? बांग्लादेश में सरेआम जो कुछ हो रहा है, क्या उसका कोई बुनियादी कारण या तर्क है? कट्टरपंथ के उकसावे में आकर, कुछ कठमुल्लाओं के भड़काने पर, कथित मुसलमानों की एक जमात हिंदुओं की हत्या कर रही है। उनके पूजास्थलों को अपवित्र कर रही है, तोड़-फोड़ भी की जा रही है। इन हिंसक हरकतों का हासिल क्या है? बांग्लादेश के हालात के समानांतर भारत में प्रधानमंत्री मोदी, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सरसंघचालक मोहन भागवत को 'बंटेंगे, तो काटे जाएंगे' सरीखे बयान देने पड़े हैं। हिंदुओं के एकजुट होने के आह्वान किए जा रहे हैं। यह विभाजन क्या है? भारत में भी हिंदू-मुसलमान के आधार पर सियासत की जा रही है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

नेपाल सीमा पर चीनी अतिक्रमण संबंधी सरकारी फाइल गायब, कर्मचारियों के मुंह खोलने पर प्रतिबन्ध

काठमांडू, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेपाल की उत्तरी सीमा पर चीन के अतिक्रमण को लेकर तैयार की गई सरकारी रिपोर्ट की फाइल गायब होने का खुलासा हुआ है।विदेश मंत्रालय की तरफ से संसदीय समिति को भेजे गए पत्र में जांच रिपोर्ट की फाइल मिसिंग होने की बात कही गई है। इतना ही नहीं, इस रिपोर्ट को तैयार करने वाले सभी सरकारी कर्मचारियों के कुछ भी बोलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। नेपाल और चीन के बीच सीमा विवाद की बात उठने के बाद 2021 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउवा की सरकार ने जांच के लिए गृह मंत्रालय के सहसचिव जयनारायण आचार्य के संयोजकत्व में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था। इस समिति ने तीन महीने तक नेपाल-चीन की सीमाओं का भ्रमण कर उसके आधार पर रिपोर्ट तैयार करके सरकार को सौंप दी थी लेकिन उस रिपोर्ट को कभी सार्वजनिक नहीं किया गया। अब जब उस रिपोर्ट की फाइल खोजी जा रही है तो वह रिपोर्ट ही गायब होने की बात बताई जा रही है। कुछ दिन पहले ही संसद की अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति ने विदेश मंत्री को बुलाकर नेपाल-चीन सीमा से संबंधित रिपोर्ट के बारे में पूछा तो विदेश मंत्री डॉ. आरजू देउवा ने इस बारे में पता लगाकर संसदीय समिति को जानकारी देने की बात कही थी। अब विदेश मंत्रालय की तरफ से सोमवार को संसदीय समिति को भेजे गए पत्र में जांच रिपोर्ट की फाइल मिसिंग होने की बात कही गई है। समिति के सभापति राजकिशोर यादव ने बताया कि आज ही विदेश मंत्री को दोबारा संसदीय समिति में खुद हाजिर होकर इस पर जवाब देने के लिए पत्र भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इतनी असंवेदनशील कैसे हो सकती है। समिति के सभापति यादव ने कहा कि यह एक बड़ा षड्यंत्र है। नेपाल की सीमा पर चीन के अतिक्रमण की बात जगजाहिर है लेकिन सरकार के दस्तावेज से रिपोर्ट ही गायब हो जाना शर्मनाक है। जांच समिति के संयोजक रहे जयनारायण आचार्य मौजूदा ओली सरकार में काठमांडू के प्रमुख जिला अधिकारी हैं। इस रिपोर्ट के बारे में पूछने पर आचार्य ने कुछ भी प्रतिक्रिया देने से इंकार कर दिया।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रपति मुर्मु अल्जीरिया में मिलीं भारतीय समुदाय से, कहा-आप भारत के सच्चे राजदूत

अल्जीयर्स। भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह में हिस्सा लिया। राष्ट्रपति ने कहा कि आप भारत के सच्चे राजदूत हैं। अल्जीरिया में भारतीय समुदाय अपने देश के हितों और सॉफ्ट पावर को आगे बढ़ाने वाला पुल है। राष्ट्रपति मुर्मु रविवार को यहां पहुंचीं हैं। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आधिकारिक एक्स अकाउंट पर साझा की गई सचित्र पोस्ट में यह जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि आप में से प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर हमारी प्राचीन भूमि के मूल्य और संस्कृति को समेटे हुए है। जब भी आप किसी अल्जीरियाई व्यक्ति से मिलते हैं, तो आप उसका परिचय भारत की भावना से कराते हैं। भारत सरकार और भारतीय समाज ने विदेशों में भारत की स्थिति, प्रतिष्ठा और प्रतिष्ठा को बढ़ाने में भारतीय समुदाय के योगदान को हमेशा महत्व दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में कल अल्जीरिया पहुंचीं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है। हवाई अड्डे पर अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने ने उनका जोरदार स्वागत किया। अल्जीरिया सरकार की कैबिनेट के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

ओपिनियन पोल में कमला हैरिस को बड़ा झटका, ट्रंप की दमदार वापसी

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव को लेकर रविवार को जारी तीन सर्वेक्षणों में डोनाल्ड ट्रंप पर कमला हैरिस की बढ़त कम हुई है या पूरी तरह से खत्म हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, पोल में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन उम्मीदवार राष्ट्रीय स्तर पर 48 प्रतिशत के साथ बराबरी पर हैं। ये हैरिस के लिए इसलिए झटका है क्योंकि पिछले महीने इसी पोल में उनको ट्रंप पर पांच अंकों की बढ़त मिली थी। पोल में हैरिस 50 और ट्रंप 48 प्रतिशत पर हैं। पिछले महीने इस सर्वेक्षण में हैरिस 52 प्रतिशत और ट्रंप 46 प्रतिशत पर थे।नए पोल में हैरिस को 51 प्रतिशत से 48 प्रतिशत तक बढ़त हासिल है, जबकि पिछले महीने उन्हें चार अंकों का फायदा हुआ था। डेमोक्रेटिक पीर्टी के समर्थकों की इस चिंता इससे भी बढ़ी है क्योंकि हैरिस पार्टी के दो प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों, हिस्पैनिक्स और अफ्रीकी अमेरिकियों के बीच समर्थन बढ़ाने में विफल रही हैं।कमला हैरिस सभी जातियों की महिलाओं के बीच ट्रंप से आगे दिख रही हैं लेकिन उन्हें अफ्रीकी अमेरिकियों और हिस्पैनिक पुरुषों के बीच समर्थन बढ़ाने लिए संघर्ष करना पड़ा है।हैरिस और ट्रंप ने अपना अभियान तेज कर दिया है। रविवार को हैरिस ने उत्तरी कैरोलिना और ट्रंप ने एरिजोना में कार्यक्रम आयोजित किए। हैरिस लगातार अपने अभियानों में ट्रंप पर निशाना साध रही हैं तो ट्रंप भी तमाम वादे कर रहे हैं।

अमेरिका के स्कूलों में हिंसक घटनाएं बढीं, 45 राज्यों में 700 से अधिक स्कूली बच्चे गिरफ्तार

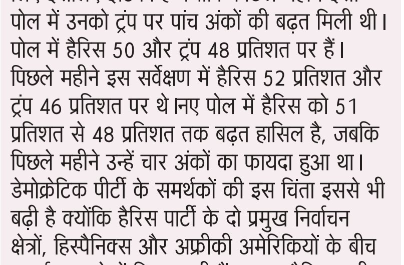

न्यूयॉर्क । अमेरिका की स्कूलों में हिंसक घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। हाल ही में अपालेची हाई स्कूल शूटिंग के दौरान दो शिक्षकों और दो छात्रों की शूटिंग के दौरान मौत हो गई। अमेरिका की स्कूलों में आए दिन धमकियां दिए जाने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। अमेरिका की पुलिस ने पिछले तीन सप्ताह में 45 राज्यों में 700 से अधिक स्कूली छात्रों को हिंसा के आरोप में गिरफ्तार किया है। जो छात्र गिरफ्तार किए गए हैं। उसमें 10 साल से लेकर 18 साल तक के छात्र शामिल हैं। अमेरिका के कुछ स्कूलों में गन फायर और बम फेंकने की घटनाएं हुई है। हिंसा से संबंधित धमकियां भी दी जाती हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से जब यह धमकी दी जाती है। उसके बाद वहां पर भय का वातावरण बन जाता है। अमेरिका में माता-पिता अपने बच्चों को स्कूल भेजने से डरने लगे हैं। इस स्थिति को देखते हुए कई स्कूलों ने अपने यहां पर डांस और रात्रि के खेल मैच बंद कर दिये है। अमेरिका में शाम के बाद अब स्कूलों में कोई आयोजन नहीं किये जा रहे हैं।

हिजबुल्लाह ने इजराइल के आर्मी बेस पर दागे ड्रोन, 4 की मौत, 60 घायल

बेरूत, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बीती रात हिजबुल्लाह ने इजरायल के आर्मी बेस पर ड्रोन हमले किए हैं। यह अटैक इतना घातक था कि 4 इजरायली सैनिकों की मौत हो गई और 60 से अधिक घायल हैं। इजराइली बचाव सेवा की ओर से कहा गया कि बिनयामीना शहर में स्थित सैन्य अड्डे को निशाना बनाया गया। लेबनान के चरमपंथी समूह हिजबुल्लाह ने इस हमले की जिम्मेदारी भी ली है। हिजबुल्लाह ने बयान में कहा कि उसने बेरूत में इजरायल की ओर से किए गए 2 हमलों के जवाब में इजरायल की सेना के प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया। गुरुवार को बेरूत में किए गए हमले में 22 लोग मारे गए थे। पिछले 2 दिन में यह दूसरी बार है जब इजरायल में ड्रोन से हमला किया गया। शनिवार को तेल अवीव के उपनगर में ड्रोन अटैक हुआ, जिसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

इजरायल की वायु-रक्षा प्रणालियां इतनी मजबूत मानी जाती है कि ड्रोन या मिसाइल हमले में इतनी संख्या में लोगों के घायल होने की आशंका नहीं के बराबर रहती है। हालांकि, इस बार नुकसान पहुंचा है।इजरायली मीडिया ने बताया कि रविवार को लेबनान से 2 ड्रोन दागे गए। इजराइली सेना का कहना है कि एक ड्रोन को मार गिराया गया। यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है कि घायलों में शामिल लोग आम नागरिक हैं या सैनिक। दूसरी ओर, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि उसने पिछले 24 घंटों में दक्षिणी लेबनान में आमने-सामने की मुठभेड़ों में हिजबुल्लाह के 50 आतंकवादियों को मार गिराया। आईडीएफ ने शनिवार को कहा कि उसने उत्तरी इजरायल के इलाकों और सेना बलों को निशाना बनाकर भूमिगत सुरंग शाफ्ट, कई हथियार भंडारण बुनियादी ढांचे, रॉकेट लांचर, मोर्टार बम और एंटी-टैंक मिसाइलों सहित 200 से अधिक हिजबुल्लाह के लक्ष्यों को निशाना बनाया। बयान में कहा गया कि इजरायली वायु सेना ने सीरिया-लेबनान सीमा पर भूमिगत सुविधाओं को निशाना बनाकर अभियान भी चलाया, जहां हिजबुल्लाह के हथियार रखे गए थे।

इजराइल अब चहुंओर से घिरा, कर सकता है ईरान पर बड़ा हमला, अकेले पड़ते जा रहे नेतन्याहू, किसी की नहीं सुन रहे

तेहरान। यहां ईरान ने हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत का बदला लेने के लिए 1 अक्टूबर को इजराइल पर 200 मिसाइलें क्या दागीं, नेतन्याहू के सुर बदले-बदले नजर आने लगे हैं। ईरान से हर कीमत पर बदला लेने की बात कर रहे इजराइल पर अमेरिका ने शक जाहिर किया है कि इजराइल अब ईरान के सैन्य ठिकानों के साथ ही तेल की जगहों को निशाना बना सकता है। इस पर ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दे दी है। वैसे इजराइल को और हमले नहीं करने के लिए संयुक्त राष्ट्र समेत अमेरिका जैसे अनेक देशों ने कहा है, लेकिन वो किसी की नहीं सुन रहे हैं। इस जिद के कारण नेतन्याहू दुनियां में अलग-थलग पड़ते जा रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से सूत्रों ने जानकारी दी है कि अमेरिका को नहीं लगता कि इजराइल जवाबी कार्रवाई के दौरान ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों को निशाना बनाएगा। वहीं दूसरी तरफ पहले से ही ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रकचर पर हमला करने की आशंका जताई जा चुकी है। ऐसे हालात में ईरान ने अमेरिका और मिडिल ईस्ट के कुछ देशों से स्पष्ट कह दिया है कि यदि इजराइल ने हमला किया तो उसका जवाब वो जरूर देगा। हमास से चल रही जंग के बीच ईरान से शुरु हुई तनातनी के बीच नेतन्याहू ने एक बार फिर कैबिनेट बैठक कर रहे हैं। इस बैठक को लेकर सभी की नजरें उन पर टिकी हुई हैं।

बूढा हो रहा चीनः 2035 तक 60 से अधिक उम्र के हो जाएंगे 40 करोड़ लोग

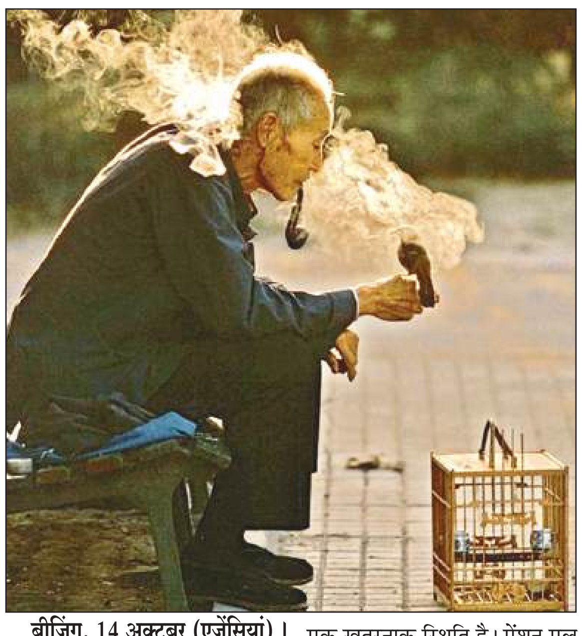

बीजिंग, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

चीन की बढ़ती बुजुर्ग आबादी ने सरकार और नीति निर्माताओं को चिंतित कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वर्तमान में चीन की 30 करोड़ से अधिक आबादी 60 वर्ष से ऊपर की है, और यह संख्या 2035 तक 40 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। 2050 तक यह आंकड़ा 50 करोड़ के पार हो सकता है। यह स्थिति चीन के लिए एक गंभीर संकट का कारण बनती जा रही है, क्योंकि इतने बड़े पैमाने पर बुजुर्ग आबादी के लिए सामाजिक और आर्थिक ढांचा तैयार करना एक चुनौती है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर चीन की जन्मदर में जल्द सुधार नहीं हुआ तो यह संकट और भी विकराल हो जाएगा। बीजिंग स्थित युआ पॉपुलेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक हुआंग वेनझेंग ने कहा, यह एक खतरनाक स्थिति है। पेंशन पूल सूख रहा है और हमारी सेना और कामकाजी आबादी बूढ़ी हो रही है।

बढ़ती उम्र के साथ पेंशन और स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ भी तेजी से बढ़ रहा है। चीन का पेंशन फंड लगभग समाप्ति की ओर है, क्योंकि बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से पेंशन खर्च भी बढ़ गया है। पेंशन पूल को बचाने के लिए हाल ही में चीन ने पुरुषों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 63 और महिलाओं की उम्र 55 से बढ़ाकर 58 कर दी है। हालांकि, इस कदम से कामकाजी लोग नाराज हैं, क्योंकि अधिक समय तक काम करने का दबाव उन पर आ रहा है।राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हाल ही में अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बुजुर्गों की देखभाल के लिए विशेष कदम उठाएं और उनकी जरूरतों का ध्यान रखें।

इजराइल की सैन्य ताकत बढ़ेगी, अमेरिका 100 सैनिकों के साथ भेजेगा उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली

वाशिंगटन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका ने इजराइल को उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली भेजने का फैसला किया है। साथ ही इसे संचालित करने के लिए लगभग 100 अमेरिकी सैनिक भी भेजे जाएंगे। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमलों के बाद यह इजराइल में अमेरिकी सेना की पहली तैनाती होगी। यह जानकारी पेंटागन ने दी। खबर के अनुसार, इस कदम से बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए डिजाइन की गई जमीन-आधारित इंटरसेप्टर प्रणाली का संचालन करने वाले अमेरिकी सैनिक मध्य पूर्व में व्यापक युद्ध के करीब पहुंच जाएंगे। पेंटानग ने यह कदम ईरान के पहली अक्टूबर को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों सहित लगभग 200 मिसाइलें दागने के बाद उठाया है। इस समय ईरान पर इजराइल जवाबी कार्रवाई की योजना बना रहा है। खबर में कहा गया है कि रविवार को जब इस बारे में पूछा गया तो राष्ट्रपति जो बाइडेन ने केवल इतना कहा कि उन्होंने पेंटागन को इजरायल के लिए रक्षा प्रणाली तैनात करने का आदेश दिया है।

ब्रिटेन में कोख में मरे बच्चों का सर्टिफिकेट बनाया जा रहा

लंदन, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

ब्रिटेन ने इन दिनां एक खास मुहिम शुरू की है। वहां कोख में मरे बच्चों का सर्टिफिकेट बनाया जा रहा है। अब तक 50000 से ज्यादा पेरेंट्स ऐसा सर्टिफिकेट बनवा चुके हैं। आप सोच रहे होंगे कि आखिर इसकी जरूरत क्यों पड़ी

दरअसल, इसके पीछे एक खास वजह थी। यह योजना उन परिवारों का दुख कम करने के लिए शुरू की गई थी, जिन्होंने प्रेग्नेंसी के दौरान अपने बच्चे को खो दिया। पहले ऐसे बच्चों के रजिस्ट्रेशन की कोई व्यवस्था नहीं थी। जिससे कुछ पेरेंट्स को लगता था कि उन बच्चों को नजरअंदाज किया जा रहा है। उन्हें यूं ही हम नहीं भुला सकते। हम उन्हें नाम देना चाहते हैं। उन्हें याद करना चाहते हैं, ऐसे में हमारे पास कुछ भी नहीं है। ऐसे बच्चों को भी मान्यता मिलनी चाहिए। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मिसकैरेज एसोसिएशन की मुख्य कार्यकारी विक्की रॉबिन्सन ने कहा, यह उन पेरेंट्स की तकलीफ को शेयर करने की एक कोशिश है। हम चाहते थे कि उनके बच्चे की यादें हमेशा उनके साथ रहें। इसलिए यह पहल की गई। इससे उन्हें दुख से उबरने में मदद मिलेगी। बेबी लॉस सर्टिफिकेट योजना को प्रेग्नेंसी लॉस रिव्यू की सिफारिश के बाद लाया गया। जॉर्ज एलियट हॉस्पिटल की मिडवाइफ सामंथा कॉलिंग ने कहा, मैं 1998 से ऐसे तमाम परिवारों के बीच रही हूं, जो अपने बच्चों को खो देते हैं। उनका दर्द असहनीय होता था। अस्पताल से बाहर निकलते वक्त वे अपने बच्चे की कुछ यादें ले जाना चाहते थे। लेकिन हमारे पास कुछ नहीं होता था। अब इन्हें कुछ तो शांति मिलेगी। उन्हें मान्यता मिल रही है कि वे एक और बच्चे के माता-पिता हैं। वह बच्चा वास्तव में मौजूद है। उनके पास है, उनके दिल के करीब है। बेबी लॉस सर्टिफिकेट के लिए वही पेरेंट्स आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने प्रेग्नेंसी के 28 हफ्ते पहले अपने बच्चे को खो दिया।

पहले यह योजना 24 हफ्ते तक के बच्चे के लिए थी। सिर्फ वही लोग सर्टिफिकेट के लिए आवेदन दे सकते हैं जो ब्रिटेन के रहने वाले हों। उम्र कम से कम 16 वर्ष होनी चाहिए। सरोगेट मदर भी इसके लिए आवेदन कर सकती हैं। बता दें कि बच्चा अगर कोख में मर जाए, तो माता-पिता के लिए जीवनभर उसे भुला पाना कठिन होता है। वर्षों लोग उसकी याद में तड़पते रहते हैं। कुछ लोग भूलने की कोशिश करते हैं, लेकिन गाहे-बगाहे उसकी याद आ ही जाती है। लेकिन बहुत सारे लोग ऐसे भी हैं जो उसकी याद को सहेजकर रखना चाहते हैं।

पाकिस्तान खुद अपनी आग में जलने को मजबूर

खैबर पख्तूनख्वाह प्रांत में हमले और मौतों का सिलसिला जारी

इस्लामाबाद, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान इन दिनों अपनी ही सुलगाई आग में झुलसता नजर आ रहा है। पाकिस्तान ने कश्मीर घाटी में जो काम किया अब उसका खामियाजा उसे अपने ही खास प्रांत खैबर पख्तूनख्वाह में देखने को मिल रहा है। इसके चलते पाकिस्तान में बीते दिनों दो आदिवासी गुटों में आपसी भिड़ंत हुई।

जिसमें करीब एक दर्जन लोगों की मौत हो गई। यह मामला खैबर पख्तूनख्वाह प्रांत के कुर्रम जिले से संबद्ध बताया गया है।

पाकिस्तान से मिली जानकारी अनुसार इस आपसी भिड़ंत में जहां करीब 11 लोगों की मौत हो गई है तो वहीं 8 लोग गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं। घायलों का इलाज करीब के अस्पताल में हो रहा है।

वैसे तो इस बड़े विवाद की वजह फिलहाल नहीं मालूम चली है, लेकिन समझा यही जा रहा है कि जिस तरह से पाकिस्तान ने पड़ोसी देशों को अस्थिर करने के लिए प्रोपेगंडा रचा और आतंकवादियों का सहारा लिया अब वो उन्हीं से दो-चार हो रहा है।

यहां कुर्रम के डिप्टी कमिश्नर जाविदुल्लाह महसूद के हवाले से बताया गया कि पाकिस्तान और अफगान सीमा के पास कुंज अलिजाई पहाड़ों के नजदीक गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए। इसके बाद से ही इलाके में तनाव देखा जा रहा था। इसके बाद ही मामला बढ़ा और कुछ गाड़ियों को रोक कर उन पर हमला कर दिया गया।

क्षेत्र में पुलिस बल लगाया गया है, जो लगातार स्थिति को सामान्य करने की कोशिश में लगा हुआ है। वहीं सामाजिक कार्यकर्ता और नेताओं ने भी शांति बनाए रखने की अपील की है।

पूर्व सांसद और ट्राइबल काउंसिल के सदस्य पीर हैदर अली शाह का इस मामले में कहना था कि दोनो ही पक्षों के बीच समझौता करवाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने गोलीबारी की घटनाओं पर दुख भी व्यक्त किया है।

कलारीपयट्टू एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बने नीरज सिंह, महासचिव प्रवीण गर्ग

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूपी कलारीपयट्टू एसोसिएशन की स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग पदाधिकारियों चुनाव हुआ, जिसमें भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष और प्रवीण गर्ग को महासचिव चुना गया। संजय सारस्वत को एडवाइजरी कमिटी का चेयरमैन बनाया गया। अध्यक्ष निर्वाचित होने के उपरांत नीरज सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार से मान्यता प्राप्त और %मदर आफ मार्शल आर्ट% के रूप में विश्व विख्यात स्वदेशी खेल कलारीपयट्टू के प्रचार प्रसार के लिए हर संभव योगदान प्रदान करूंगा।

प्रदेश कमेटी के अन्य निर्वाचित सदस्यों में सेंट जोसेफ स्कूल के डायरेक्टर अनिल अग्रवाल, आनंदी मैजिक वर्ल्ड डायरेक्टर राहुल गुप्ता, एसआर इंस्टीट्यूट डायरेक्टर पीयूष सिंह चौहान को उपाध्यक्ष, अंशु माली शर्मा और भगवत पटेल, अनिमेष सक्सेना को वाइस चेयरमैन, प्रियंका अग्रवाल सीईओ, प्रमोशन एंड डेवलपमेंट कमेटी चेयरमैन राजीव श्रीवास्तव, अपर्णा मिश्रा को वाइस चेयरमैन, सौम्य गर्ग को कार्यकारी सचिव, मुस्तकीम अंसारी, वैभव कुमार, धर्मेंद्र सिंह को संयुक्त सचिव, नितेश सिंह को टेक्निकल चेयरमैन, मानसी जयसवाल टेक्निकल सेक्रेटरी, मनीष निगम, शिवंम मित्तल, हेमंत दीक्षित, प्रशांत सिंह, सागर सोनी, राजीव रंजन, बलविंदर सिंह, रचित अग्रवाल, निखिल सिंह, राजपाल यादव, निधि सिंह को चुनाव रिटर्निंग अफसर के रूप में उपस्थित हाई कोर्ट एडवोकेट रोहित पवार ने कार्यकारी सदस्य घोषित किया। यूपी ओलंपिक संघ से आब्जर्वर के रूप में मनीष कक्कड़ उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने अपनी सभी विद्यालयों में खेल प्रशिक्षण शुरू कराये जाने की घोषणा की। संजय सारस्वत ने स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया द्वारा स्वदेशी खेलों के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के माध्यम से खेल व खिलाड़ियों को लाभ प्रदान कराए जाने के सुझाव दिए।

यह बता दें कि कलारीपयट्टू 2000 साल पुरानी एक मार्शल आर्ट है जिसका इस्तेमाल आत्मरक्षा के लिए किया जाता है। यह मार्शल आर्ट फॉर्म शेर और बाघ जैसे जंगली जानवरों की कच्ची शक्ति, राजसी ताकत और अंतर्निहित लड़ाई तकनीकों से प्रेरणा लेता है। हम कथकली जैसे नृत्य रूपों में भी कलारीपयट्टू का प्रभाव देख सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एसीसी पुरुष टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के लिए भारतीय ए टीम घोषित, तिलक वर्मा होंगे कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की पुरुष चयन समिति ने मस्कट, ओमान में 18 से 27 अक्टूबर 2024 तक खेले जाने वाले आगामी एसीसी पुरुष टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 के लिए सोमवार को भारतीय ए टीम की घोषणा कर दी है। बल्लेबाज तिलक वर्मा को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि अभिषेक शर्मा टीम के उप कप्तान होंगे। भारत ए को ग्रुप बी में ओमान, पाकिस्तान ए और यूएई के साथ रखा गया है जबकि अफगानिस्तान ए, बांग्लादेश ए, हांगकांग और श्रीलंका ए को ग्रुप ए में रखा गया है। भारत ए 19 अक्टूबर, 2024 को ओमान के मस्कट में क्रिकेट अकादमी ग्राउंड में पाकिस्तान ए के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा। इसके बाद भारत 21 अक्टूबर को यूएई और 23 अक्टूबर को ओमान से भिड़ेगी। भारत ए की टीम इस प्रकार है: तिलक वर्मा (कप्तान), अभिषेक शर्मा (उपकप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), निशांत सिंधु, रमनदीप सिंह, नेहल वढेरा, आयुष बदोनी, अनुज रावत (विकेटकीपर), साई किशोर, रितिक शौकीन, राहुल चाहर, वैभव अरोरा, अंशुल कंबोज, आकिब खान, रसिक सलाम।

कैमरन ग्रीन के पीठ की होगी सर्जरी, भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की रीढ़ की हड्डी में तनाव फ्रैक्चर के लिए सर्जरी होगी, जिससे वह भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। टीम के प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, रिकवरी का समय लगभग छह महीने होने का अनुमान है। सर्जरी के लिए आगे बढ़ने का फैसला कैमरनके एक ऑलराउंडर के रूप में दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है। ग्रीन को इंग्लैंड में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर का पता चला था, जिससे भारत के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए उनकी उपलब्धता के बारे में अटकलें लगाई जा रही थीं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कहा था कि ग्रीन इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या उन्हें न्यूजीलैंड के विशेषज्ञों से सर्जरी करवानी चाहिए, जिन्होंने पहले भी तेज गेंदबाजों की मदद की है। विकल्प यह था कि सर्जरी के बिना ही उन्हें ठीक किया जाए और ग्रीन को भारत सीरीज में केवल बल्लेबाज के रूप में खेलने दिया जाए। हालांकि, ग्रीन की स्थिति अधिक जटिल थी, इसलिए सर्जरी बेहतर थी।

नेपाल के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए यूएसए टीम घोषित, अली खान की वापसी, टेलर बाहर

न्यूयॉर्क। पूर्व कप्तान स्टीवन टेलर को इस सप्ताह के अंत में नेपाल के खिलाफ होने वाली टी20आई सीरीज के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है, वहीं तेज गेंदबाज अली खान की वापसी हुई है। 31 वर्षीय टेलर, विश्व कप और नीदरलैंड में 50 ओवर की सीरीज में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। वह नीदरलैंड में टी20आई टीम का हिस्सा थे, लेकिन सीरीज से पहले एकदिनी श्रृंखला में चोट लगने के बाद उन्हें आराम दिया गया था। विश्व कप के बाद से अपनी पिछली 7 पारियों में 13 की औसत से रन बनाने वाले नीतीश कुमार को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया। कनाडा के पूर्व कप्तान, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप में टीम की अगुवाई की थी, ने भारत के खिलाफ 27 रनों की प्रभावशाली पारी के बाद अपना फॉर्म खो दिया। समित पटेल एक बार फिर कमर की चोट के कारण छह सप्ताह तक खेल से बाहर रहेंगे, जिससे वह टी20 सीरीज के बाद 50 ओवर की त्रिकोणीय सीरीज से भी बाहर हो जाएंगे। हालांकि यूएसए अपने करिश्माई तेज गेंदबाज अली खान से उत्साहित होगा। 33 वर्षीय खिलाड़ी नीदरलैंड दौरे को छोड़ने और पैर की चोट के कारण एक्शन से बाहर रहने के बाद विश्व कप के बाद पहली बार यूएसए की टीम में खेलने के लिए तैयार है, जिसके कारण उन्हें ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ सीपीएल सीजन से बाहर होना पड़ा। एरॉन जोन्स नामीबिया दौरे के बजाय यूएसए के साथ सेंट लूसिया किंग्स के लिए सीपीएल में खेलने को प्राथमिकता देने के बाद फिर से टीम में शामिल हो गए हैं।

महिला एचआईएल : ऐतिहासिक नीलामी के लिए 350 से अधिक खिलाड़ी तैयार

एचआईएल नीलामी भारतीय महिला हॉकी के लिए एक बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सात साल के अंतराल के बाद, बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 एक विस्तारित प्रारूप के साथ शानदार वापसी कर रही है, जिसमें पुरुष और पहली बार एक विशेष महिला लीग दोनों शामिल हैं। मंगलवार को होने वाली ऐतिहासिक महिला नीलामी हॉकी की दुनिया में एक प्रमुख मील का पत्थर है, जो खेल के विकास और महिला हॉकी की बढ़ती प्रमुखता को प्रदर्शित करती है।

एचआईएल ढांचे के भीतर एक विशेष महिला लीग की शुरुआत न केवल महिला एथलीटों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है, बल्कि पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ समानता भी सुनिश्चित करती है, जिससे भारतीय हॉकी के लिए अधिक समावेशी और प्रतिस्पर्धी भविष्य का मार्ग प्रशस्त होता है। यह भारत में उन दुर्लभ उदाहरणों में से एक है जहां एक प्रमुख खेल लीग के पुरुष और महिला दोनों संस्करण एक साथ चलेंगे।

नीलामी में 250 से अधिक घरेलू महिला खिलाड़ी और 70 से अधिक विदेशी खिलाड़ी महिला एचआईएल के उद्घाटन सत्र में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

इस आयोजन में भारत की शीर्ष महिला हॉकी खिलाड़ी शामिल होंगी, जिनमें अनुभवी गोलकीपर सविता, टीम की कप्तान सलीमा टेटे, उभरती ड्रैग-फ्लिकर दीपिका, सबसे अधिक मैच खेलने वाली भारतीय महिला खिलाड़ी वंदना कटारिया और फॉरवर्ड लालरेम्सियामी शामिल हैं।

इसके अलावा, योगिता बाली, लिलिमा मिंज और नमिता टोप्पो जैसी पूर्व भारतीय खिलाड़ियों ने भी पंजीकरण कराया है, जिससे नीलामी में और भी रोमांच बढ़ गया है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, डेलफिना मेरिनो (अर्जेंटीना), चार्लोट स्टेपेनहोर्स्ट (जर्मनी), मारिया ग्रेनाटो (अर्जेंटीना), राचेल लिंच (ऑस्ट्रेलिया) और नाइक लोरेंज (जर्मनी) जैसी प्रसिद्ध खिलाड़ी भाग लेने के लिए तैयार हैं।

उल्लेखनीय रूप से, एचआईएल 2024-25 के महिला संस्करण के पहले सत्र में कुल चार टीमें भाग लेंगी, जबकि टूर्नामेंट के दूसरे सत्र में दो और टीमें जोड़ी जाएंगी। हिस्सा लेने वाली टीमें सूरमा हॉकी क्लब, हरियाणा और पंजाब - जेएसडब्ल्यू, श्राची राहर बंगाल टाइगर्स, पश्चिम बंगाल - श्राची स्पोर्ट्स, दिल्ली एसजी पाइपर्स, नई दिल्ली - एसजी स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट, ओडिशा वारियर्स, राउरकेला - नवोयम स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद तूफान (सीजन 2) और बीसी जिंदल ग्रुप, मुंबई (सीजन 2) हैं।

प्रत्येक टीम में 24 खिलाड़ी शामिल होंगे, जिसमें 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों का अनिवार्य समावेश) और 8 विदेशी खिलाड़ी शामिल होंगे, जो स्थानीय और वैश्विक प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के एचआईएल के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

खिलाड़ियों का चयन करने के लिए फ्रैंचाइज़ के पास 2 करोड़ रुपये का पर्स होगा, जिसमें एथलीटों को तीन बेस प्राइस स्लैब 10 लाख रुपये, 5 लाख रुपये और 2 लाख रुपये के तहत वर्गीकृत किया जाएगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, यह न केवल हॉकी इंडिया लीग का पुनरुद्धार है, बल्कि भारत में महिला हॉकी के विकास का जश्न भी है। हमें पहली बार महिला नीलामी की मेजबानी करने पर गर्व है, जो न केवल टीमों के निर्माण के बारे में है, बल्कि विरासत बनाने के बारे में भी है। हम अपनी घरेलू प्रतिभाओं को कुछ सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए और अगली पीढ़ी के लिए नए नायक बनाते हुए देखने के लिए उत्साहित हैं। महिला एचआईएल 2024-25 भारतीय हॉकी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण होने का वादा करता है, जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर खेल के विकास को आगे बढ़ाएगा।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह भारतीय हॉकी, खासकर महिला खेलों के लिए एक परिवर्तनकारी क्षण है। महिला नीलामी और लीग हमारी महिला एथलीटों को अपनी प्रतिभा दिखाने और उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक बहुत जरूरी मंच प्रदान करेगी। यह इरादे का एक शक्तिशाली बयान है, जो देश में महिला हॉकी के विकास के लिए हमारे समर्पण को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिभा और सर्वश्रेष्ठ घरेलू खिलाड़ियों को शामिल करने से, महिला एचआईएल हॉकी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी और देश भर की युवा लड़कियों को प्रेरित करेगी।

केन्याई धावक रूथ चेपनगेटिच ने शिकागो में तोड़ा महिला मैराथन का विश्व रिकॉर्ड

न्यूयॉर्क, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केन्या की रूथ चेपनगेटिच ने रविवार को इतिहास रचते हुए शिकागो में महिलाओं की मैराथन का विश्व रिकार्ड तोड़ दिया। उन्होंने पिछले सर्वश्रेष्ठ से लगभग दो मिनट पीछे रहकर दो घंटे, नौ मिनट और 56 सेकंड का अनौपचारिक समय लेकर दौड़ पूरी की।

चेपनगेटिच ने शिकागो में अपना तीसरा खिताब जीता और इथियोपिया की टिगस्ट अस्सेफा के पिछले साल बर्लिन में बनाए गए 2: 11: 53 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इथियोपिया की सुतुमे केबेडे ने दो घंटे 16 मिनट और 36 सेकंड बाद रेखा पार की, जबकि केन्या की इरीन चेप्टाई (2: 17: 51) तीसरे स्थान पर रहीं।

रिकॉर्ड तोड़ने के बाद चेपनगेटिच ने कहा, मेरा सपना सच हो गया है,जिसका समय मूल रूप से 2: 09: 57 दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में इसे समायोजित कर दिया गया।

चेपनगेटिच ने शुरू से ही तेज रफ़्तार पकड़ी, पहले पाँच किलोमीटर 15 मिनट में दौड़ीं और आधे रास्ते तक उन्होंने खुद और केबेडे के बीच 14 सेकंड का अंतर बना लिया।

2019 की विश्व चैंपियन चेपनगेटिच रेस पूरी करने के बाद थककर झुक गईं और अपने प्रदर्शन को हमवतन केल्विन किप्टम को समर्पित किया, जिन्होंने एक साल पहले शिकागो में पुरुषों का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था और चार महीने बाद एक कार दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी।

उन्होंने कहा, विश्व रिकॉर्ड मेरे दिमाग में था, शिकागो, जैसा कि मैंने पहले भी कहा, मेरे घर जैसा है।

केन्या के कोरिर ने जीता पुरुष वर्ग का खिताब

केन्या के जॉन कोरिर ने रविवार को 2 घंटे 2 मिनट 44 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय लेकर पुरुषों की शिकागो मैराथन का खिताब जीता। 27 वर्षीय कोरिर ने अपनी पहली बड़ी मैराथन जीत हासिल की। दूसरे नंबर पर इथियोपिया के मोहम्मद ईसा (2: 04: 39) और तीसरे नंबर पर केन्याई अमोस किप्रूटो (2: 04: 50) रहे।

एचआईएल नीलामी का पहला दिन : श्रीजेश ने कहा- हमने ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों को चुना

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी के पहले दिन रविवार को विभिन्न फ्रैंचाइज़ियों के प्रमुख लोगों ने अपनी टीम की संरचना और नीलामी प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए, जिससे आने वाले सत्र के लिए उनका आत्मविश्वास और उत्साह झलका।

दिल्ली एसजी पाइपर्स के निदेशक और सहायक कोच पीआर श्रीजेश ने टीम के चयन पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने टीम की संतुलित प्रकृति पर जोर दिया, जिसमें अनुभवी विदेशी और प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ियों का मिश्रण शामिल है।

श्रीजेश ने कहा, हमने एक अच्छी टीम चुनी है, जिसमें एक विदेशी गोलकीपर भी शामिल है। ज़्यादातर, हमने भारतीय खिलाड़ियों को चुना है, जिससे डिफेंस और मिडफील्ड में पर्याप्त खिलाड़ियों के साथ एक संतुलित टीम तैयार हुई है। अह हमें फॉरवर्ड और मिडफील्ड पोजीशन पर ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत है।

टीम के साथ अपनी परिचितता को दर्शाते हुए, उन्होंने कहा, मैं उन खिलाड़ियों को जानता हूं जो हमारे साथ हैं; वे मेरे जूनियर हैं। एक खिलाड़ी आपको खेल नहीं जिता सकता; जीत तो टीम को ही मिलती है।

दिल्ली एसजी पाइपर्स के कोच ग्राहम रीड, जो टोक्यो ओलंपिक में भारत के कांस्य पदक विजेता कोच थे, ने कहा, भारत में वापस आकर बहुत अच्छा लगा। मैं सभी भारतीय खिलाड़ियों, खासकर युवा खिलाड़ियों और रोहित से खुश हूं। श्रीजेश, शिवा और फिजियो के साथ हमारी टीम में कुछ सुधार हुआ है। ओलंपिक के बाद मैंने शायद लाखों बातें कही हैं; भारतीय हॉकी बेहतर से बेहतर होती जा रही है। मुझे हॉकी इंडिया को इसे एक साथ लाने के लिए बधाई देनी होगी। यह खेल के लिए अद्भुत है। यह हॉकी के लिए बहुत बढ़िया है, दर्शकों के लिए बहुत बढ़िया है, हॉकी को टीवी पर वापस देखना अच्छा होगा।

तेलंगाना के नितिन ने मध्य प्रदेश के श्रृषभ को दी मात राजस्थान के प्रेम सिंह ने दिल्ली के शौर्य को हराया

लखनऊ, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योनेक्स सनराईज डा. अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल आल इंडिया सीनियर रैकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में रविवार को क्वालिफाइंग राउंड खेले गये। शहर के कई स्टेडियमों प्रतियोगिता दोपहर बाद से शुरू होकर देर शाम तक चलती रही। इसमें खिलाड़ियों ने जमकर उत्साह दिखाया।

एकल मुकाबले में तेलंगाना के नितिन राघवेन्द्र ने मध्यप्रदेश के ऋषभ को कड़ी टक्कर में 12-15, 15-8, 15-9 से हरा दिया।

राजस्थान के प्रेम सिंह चौहान ने दिल्ली के शौर्य को सीधे मुकाबले में 19-17, 15-12 से हराया।

हरियाणा के जसकरन सिंह ने उप्र के अरुण श्रीवास्तव को कड़ी टक्कर में 15-5, 10-15, 15-3 से मात देकर बढ़त बना ली। उत्तरांचल के तुशार भंडारी ने उप्र के आर्यन चौधरी को 15-8, 15-12 से हरा दिया।

तेलंगाना के अभिनव कृष्णा ने दिल्ली के विशु 15-5, 15-9 से मात दे दी। वहीं तमिलनाडु के किर्थी लक्ष्मी को उत्तराचंल के कनक को कड़ी टक्कर में 15-10, 7-15, 15-7 से हरा दिया।

जम्मू-कश्मीर उन्नाती ने उप्र के गरीमा रावत को 15-9, 15-5 से हरा दिया। आंध्र प्रदेश के फरीहा सनी ने हरियाणा के कोमल को 15-6, 15-9 से मात दे दी।

महिला टी20 विश्व कप

ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद हरमनप्रीत ने कहा-हम कुछ ढीली गेंदों को हिट नहीं कर सके

शारजाह, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ रन से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि वह और दीप्ति शर्मा अपनी साझेदारी के दौरान कुछ ढीली गेंदों को सही से हिट नहीं कर सकीं,जिसके कारण अंततः टीम की हार हुई।

एनाबेल सदरलैंड के शानदार अंतिम ओवर की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को शारजाह में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप मैच में मात्र नौ रन से जीत दर्ज की। हरमनप्रीत ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा कि दोनों टीमों के बीच मुख्य अंतर यह था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं थी और उसके पास कुछ बेहतरीन ऑलराउंडर भी थे। हरमनप्रीत ने कहा, मुझे लगता है कि उनकी पूरी टीम योगदान देती है, वे एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रहते हैं, उनके पास कई ऑलराउंडर हैं जो योगदान देते हैं। हमने भी अच्छी योजना बनाई थी और हम खेल में मौजूद थे। उन्होंने आसानी से रन नहीं दिए और इसे मुश्किल बना दिया। वे एक अनुभवी टीम हैं। यह कुछ ऐसा है जो आपके नियंत्रण में नहीं है, आपको हमेशा अपने प्लेइंग इलेवन को तैयार रखना होता है, भले ही एक या दो खिलाड़ी बाहर हों। उन्होंने कहा, राधा ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, वह खेल में थी और उसने अच्छा क्षेत्ररक्षण भी किया। आपको टीम में ऐसे

चरित्र की आवश्यकता होती है जो हमेशा मौजूद रहे। यह एक ऐसा लक्ष्य था जिसे हासिल किया जा सकता था। जब मैं और दीप्ति बल्लेबाजी कर रहे थे, तो हम कुछ ढीली गेंदों को हिट नहीं कर पाए। हम ऑस्ट्रेलिया से बहुत कुछ सीख सकते हैं। जो कुछ भी हमारे हाथ में था, हम उसे करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह हमारे नियंत्रण में नहीं था। अगर हमें एक और गेम खेलने का मौका मिलता है, तो यह बहुत अच्छा होगा। लेकिन अन्यथा, जो भी टीम सेमीफाइनल में होने का हकदार है, वह वहां होगी। मैच की बात करें तो इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ग्रेस हैरिस (40), कप्तान ताहलिया मैकग्राथ (32) और एलिस पैरी (32) की बेहतरीन पारियों की बदौलत 20 ओवर में 8 विकेट पर 151 रन बनाए। भारत की तरफ से रेणुका सिंह, दीप्ती शर्मा ने 2-2 और श्रेयांका पाटिल, पूजा वस्त्राकर, और राधा यादव ने 1-1 विकेट लिया। जवाब में भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर (नाबाद 54) के बेहतरीन अर्धशतक और दीप्ती शर्मा (29) व शैफाली वर्मा (20) की शानदार पारियों के बावजूद 20 ओवर में 9 विकेट पर 149 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलिया के लिए अन्नाबेल सदरलैंड, सोफी मोलीनेक्स ने 2-2 व मेगन शुट्ट,और एश्ले गार्डनर ने 1-1 विकेट लिया।

शक्तिकांत दास ने धन प्रेषण की लागत और समय कम करने की वकालत की

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने सोमवार को विदेश से धन भेजने में लगने वाले समय और लागत कम करने की वकालत की। उन्होंने कहा कि विकासशील अर्थव्यवस्था के लिए ये अत्यंत महत्वपूर्ण है। दास ने कहा कि नई प्रौद्योगिकी और भुगतान प्रणाली का उपयोग सीमा पार भुगतान में तेजी लाने और विस्तार के लिए किया जा सकता है।

आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने नई दिल्लीं में 'सेंट्रल बैंकिंग एट क्रॉसरोड्स' विषय पर आयोजित एक उच्चस्तरीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सहित कई उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिए सीमा पार पीयर-टू-पीयर (पी2पी) भुगतान की संभावनाओं को तलाशने के लिए धन प्रेषण शुरुआती बिंदु है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि ऐसे धन प्रेषणों की लागत और समय को कम करने की अपार संभावनाएं हैं।

शक्तिकांत दास ने कहा कि इसके अलावा डॉलर, यूरो और पाउंड जैसी प्रमुख व्यापारिक मुद्राओं में लेनदेन निपटाने के लिए वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के विस्तार की व्यवहार्यता द्विपक्षीय या बहुपक्षीय व्यवस्था के माध्यम से तलाशी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि भारत और कुछ अन्य अर्थव्यवस्थाओं ने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों तरीकों से सीमा पार तीव्र भुगतान प्रणालियों के संपर्क का विस्तार करने के प्रयास पहले ही शुरू कर दिए हैं। दास ने कहा कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) एक और क्षेत्र है जिसमें कुशल सीमा-पार भुगतान की सुविधा प्रदान करने की क्षमता है।

आरबीआई गवर्नर ने बैंकिंग क्षेत्र में कृत्रिम मेधा (एआई) के दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे साइबर हमले और डेटा उल्लंघन की घटनाएं बढ़ सकती हैं। शक्तिकांत दास ने कि बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इन सभी जोखिमों के खिलाफ पर्याप्त जोखिम शमन उपाय करने चाहिए। अंतिम विश्लेषण में, बैंकों को एआई और बिगटेक के लाभों का लाभ उठाना चाहिए।

न्यूज़ ब्रीफ

थोक महंगाई दर सितंबर महीने में बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली। खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल की वजह से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर बढ़कर सितंबर महीने में 1.84 फीसदी हो गई, जबकि अगस्त महीने में यह 1.31 फीसदी थी। सितंबर 2023 में थोक महंगाई दर 0.26 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सितंबर महीने में थोक महंगाई दर सालाना आधार पर बढ़कर 1.84 फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पिछले महीने अगस्त में यह दर घटकर 1.31 फीसदी पर आ गई थी। जुलाई में थोक महंगाई दर 2.04 फीसदी रही थी। मंत्रालय ने कहा कि सब्जियों और खाने-पीने के चीजों के दाम बढ़ने की वजह से थोक महंगाई दर बढ़ी है। आंकड़ों के मुताबिक खाद्य पदार्थों की कीमतें सितंबर महीने में बढ़कर 9.47 फीसदी हो गई है, जबकि अगस्त में यह 3.26 फीसदी रही थी। हालांकि, सितंबर में ईंधन और बिजली की कीमतों में 4 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है, जबकि पिछले महीने यह 0.67 फीसदी थी। वहीं, थोक मूल्य सूचकांक के प्राइमरी आर्टिकल की सलाना मुद्रास्फीति दर बढ़कर 6.59 फीसदी हो गई है, जो अगस्त में 2.42 फीसदी रही थी। हालांकि, मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की थोक महंगाई दर 1.22 फीसदी से घटकर एक फीसदी पर आ गई है ।

सीसीपीए ने ओला को रिफंड के विकल्प और रसीद देने का आदेश दिया

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने टैक्सी सर्विस देने वाली कंपनी ओला को उपभोक्ता अनुकूल बदलाव लागू करने का निर्देश दिया है। इस आदेश में रिफंड के विकल्प देना और 'ऑटो राइड' के लिए रसीदें देना भी शामिल है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सीसीपीए ने राइड हेलिंग प्लेटफॉर्म यानी टैक्सी सर्विस देने वाली कंपनी ओला को रिफंड मोड के संबंध में उपभोक्ताओं को विकल्प मुहैया करने के लिए तंत्र विकसित करने का निर्देश दिया है। नियामक ने साथ ही ओला को अपने प्लेटफॉर्म मंच के जरिए बुक की गई सभी 'ऑटो राइड' के लिए बिल जारी करने का आदेश भी दिया है। मंत्रालय के मुताबिक प्राधिकरण की मुख्य आयुक्त निधि खरे के नेतृत्व में सीसीपीए ने यह पाया कि ओला की रिफंड नीति में केवल भविष्य की राइड के लिए कूपन कोड दिए गए थे, जबकि उपभोक्ताओं को बैंक खाते में रिफंड का विकल्प भी नहीं दिया गया था। सीसीपीए ने ओला को निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं को रिफंड का अपना पसंदीदा तरीका चुनने की अनुमति देने वाला तंत्र लागू करे। सीसीपीए ने उपभोक्ताओं को रिफंड सीधे उनके बैंक खाते में या कूपन के माध्यम से करने का विकल्प देने का आदेश दिया है। इसके साथ ही ओला को निर्देश दिया गया है कि वह अपने प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से बुक की गई सभी ऑटो राइड के लिए उपभोक्ताओं को बिल या रसीद या चालान प्रदान करे, ताकि इसकी सेवाओं में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

एलआईसी ने पॉलिसी के नियम बदले योजना में एंट्री उम्र घटाई!

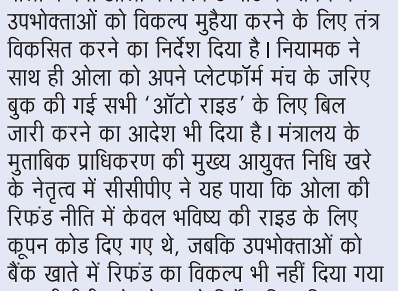

नई दिल्ली । देश की प्रमुख बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अपने न्यू एंडोमेंट प्लान में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। अब इस योजना में एंट्री की उम्र 55 वर्ष से घटाकर 50 वर्ष कर दी गई है, जो उम्रदराज लोगों के लिए काफी नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसके अलावा प्रीमियम में भी वृद्धि की गई है, जो कि 1 अक्टूबर, 2024 से लागू होगी। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि उम्र बढ़ने के साथ मृत्यु की संभावना के कारण कंपनी अपने जोखिम को कम करना चाहती है। एक रिपोर्ट के अनुसार लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने नए सरेंडर नियम भी लागू किए हैं। एलआईसी का न्यू एंडोमेंट प्लान-914 न सिर्फ आपको सुरक्षा कवर देता है बल्कि यह सेविंग प्लान भी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

देशभर में दुर्गा...

पुलिस ने भी मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोंडा में दुर्गा पूजा के दौरान पथराव उत्तर प्रदेश के गोंडा के मसकनवा बाजार इलाके में बुधवार (9 अक्टूबर, 2024) को दुर्गा पूजा पंडाल में मूर्ति स्थापित करने के बाद देवी की आंखों पर से पट्टी हटाई गई थी। इस मूर्ति की स्थापना बीते कई सालों से की जाती है। इस मौके पर यहां बड़ी संख्या में हिंदू इकट्ठा थे। पूजा अर्चना के बाद कुछ हिंदू बच्चे इस पंडाल के बाहर पटाखे फोड़ने लगे। पटाखों की आवाज सुन कर पास में रहने वाले मुस्लिम भड़क गए। मुस्लिम परिवार के लोग बाहर निकल कर हिंदुओं को गालियां देने लगे और हमलावर हो गए। उन्होंने पहले हिंदुओं पर पथराव किया और फिर लाठी डंडों से हमला कर दिया। इस हमले में मुन्ना, सुल्तान और असलम तथा बाकी लोगों के मुस्लिम परिवार शामिल थे। मुस्लिमों की इस पत्थरबाजी में लगभग 10-12 हिंदू गंभीर रूप से घायल हो गए। मुस्लिमों को जब हिंदुओं ने शांत करने की कोशिश की तो वह और उग्र हो गए तथा आसपास से बाकी मुस्लिमों को भी बुलाया।

कुशीनगर में दुर्गा मूर्ति पर पथराव

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कट्टरपंथियों ने मूर्ति पर पथराव किया। इस घटना में 10 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस ने स्थिति को काबू में करने के लिए कुछ आरोपियों को गिरफ्तार किया और इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी। हिंदू समुदाय ने प्रशासन से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

हैदराबाद में मंदिर में घुस कर देवी की प्रतिमा तोड़ी

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में सोमवार 14 अक्टूबर को कुर्मागुडा इलाके में मुथ्यालम्मा मंदिर की देवी प्रतिमा को कट्टरपंथियों ने खंडित कर दिया। इस घटना से स्थानीय हिंदू समुदाय में भारी नाराजगी है। हिंदू समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। यह घटना पासपोर्ट कार्यालय के पास हुई। स्थानीय लोगों ने एक हमलावर को पकड़ लिया, लेकिन बाकी लोग भागने में कायमाब हुए। पकड़े गए उपद्रवी को मार्केट पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी काफी वायरल हो रहा है। तेलंगाना भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया, सिकंदराबाद के मोंडा मार्केट डिवीजन में मुथ्यालम्मा मंदिर की मूर्ति को खंडित कर दिया गया है। कांग्रेस के शासन में हिंदू और उनके मंदिर सुरक्षित नहीं हैं। हाल के दिनों में तेलंगाना में हिंदू मंदिरों पर यह एक और हमला है। राज्य सरकार को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए और दोषियों को गिरफ्तार करना चाहिए। वायरल वीडियो में भी दिख रहा है कि मंदिर में सब कुछ बिखरा पड़ा है और मूर्ति भी खंडित है। मूर्ति के अलावा मंदिर के बाक़ी इलाके को भी नुकसान पहुंचा है। इस घटना से हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं का अपमान हुआ है।

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी भी इस घटना के बाद मंदिर पहुंचे। उन्होंने भी राज्य सरकार पर प्रश्न खड़े किए। उन्होंने कहा, भाग्यनगर में नवरात्रि के दौरान हिंदू विरोधी ताकतों द्वारा कई मंदिरों और पंडालों में देवी दुर्गा माता की मूर्तियों को नष्ट करने की घटनाएं राज्य सरकार की लापरवाही और कानून व्यवस्था नियंत्रित कर पाने की विफलता दर्शाती है।

हावड़ा के श्यामगंज में हिंसा

हावड़ा के श्यामगंज में रविवार को मुस्लिम उपद्रवियों की भीड़ ने हिंदू पंडालों पर हमला किया। मुस्लिम भीड़ ने दुर्गा पूजा पंडालों को नष्ट करना चालू कर दिया। उन्होंने मूर्तियों को आग लगा दी और कई पंडालों को तबाह किया। यह मुस्लिम भीड़ उस घाट पर भी पहुंची जहां देवी मूर्तियों का विसर्जन होना था। यहां इस भीड़ ने पथराव किया। आगजनी की भी सूचना आ रही है। बंगाल के भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने इस मामले में कार्रवाई की मांग की है।

कोलकाता में माइक की आवाज पर बवाल

कोलकाता में एक दुर्गा पूजा पंडाल में मुस्लिमों ने माइक की आवाज को लेकर विवाद खड़ा किया। अजान के दौरान माइक की आवाज को बंद करने की मांग करते हुए इस्लामी कट्टरपंथियों ने पूजा समारोह को बाधित किया। आयोजकों ने उनकी बात मानने से इन्कार कर दिया, जिसके बाद इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हंगामा शुरू कर दिया। 11 अक्टूबर की सुबह न्यू बंगाल स्पोर्टिंग क्लब द्वारा जब अष्टमी और नवमी के अनुष्ठान किए जा रहा था, तब आज दोपहर 1.13 बजे लगभग 50-60 उपद्रवी लोग आए और उन्होंने पूजा को रोकने को कहा और पूजा को भंग करने का प्रयास किया। उन्होंने धमकी दी कि अगर पूजा नहीं रोकी गई तो वो मां दुर्गा की प्रतिमा को तोड़ देंगे। इस दौरान उन्होंने धक्का-मुक्की की और हमारी महिला सदस्यों के खिलाफ गलत शब्दों का भी इस्तेमाल किया।

असम के करीमगंज में मजहबी हिंसा

असम के करीमगंज में दुर्गा पूजा के दौरान मजहबी हिंसा भड़क उठी। इस्लामी कट्टरपंथियों ने पूजा स्थल पर पथराव किया, जिसके बाद दोनों समुदायों के बीच झड़पें शुरू हो गईं। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और स्थिति को काबू में लाया। पुलिस ने इस मामले में सहाबुल अहमद (21 साल), अब्दुल अहद (18 साल) और एक नाबालिग को भी गिरफ्तार किया है।

झारखंड के गढ़वा में पत्थरबाजी

झारखंड के गढ़वा में मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन जुलूस को मुस्लिम समुदाय द्वारा रोके जाने पर मजहबी तनाव फैल गया। यहां 2 अलग-अलग घटनाओं में दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। हिंदू पक्ष जिस रास्ते से जुलूस निकालना चाह रहा था, उस पर मुस्लिम समुदाय ने ऐतराज जताया। यहां रविवार 13 अक्टूबर को हिंदू समुदाय के लोग हर वर्ष की तरह प्रतिमा लेकर विसर्जन के लिए निकले थे। रास्ते में मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने प्रतिबंधित रास्ता बताकर उन्हें रोक दिया। इसके बाद यात्रा पर पथराव भी हुआ।

चक्रधरपुर में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन रुका

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में पुलिस ने दुर्गा पूजा विसर्जन जुलूस का डीजे पुलिस ने जब्त कर लिया। पूजा समितियों को डीजे बजाकर जुलूस विसर्जन के लिए नहीं निकालने दिया गया। इसके बाद देवी प्रतिमाओं के जुलूस रात भर सड़क पर खड़े रहे। पश्चिमी सिंहभूम के चक्रधरपुर में पुलिस ने रविवार 13 अक्टूबर को दुर्गा पूजा समिति की डीजे वाली गाड़ी को जब्त कर लिया था। पुलिस ने विसर्जन जुलूस में बजाने के लिए ले जाई जाने वाली यह गाड़ी थाने में खड़ी कर ली थी। पुलिस का कहना था कि डीजे बजाने की अनुमति नहीं दी जाएगी, वह कोर्ट-सरकारी आदेश का हवाला दे रही थी।

यह डीजे आदर्श दुर्गा पूजा समिति का था। इसे छोड़ने की दोपहर से मांग चल रही थी। लोगों का कहना था कि यदि पुलिस डीजे नहीं छोड़ती तो दुर्गा पूजा का विसर्जन नहीं होगा। इस पूजा समिति के समर्थन में बाकी समितियां भी आ गईं। हालांकि, पुलिस प्रशासन ने डीजे नहीं छोड़ा। इसके बाद जब सहमति बनी भी तो फिर बवाल हो गया। कई प्रतिमाओं का जुलूस बाहर निकल आया था, उन्हें रोड पर ही रोक दिया गया और बवाल जारी रहा। मौके पर डीएम और एसपी भी पहुंचे लेकिन कोई बात नहीं बन सकी। आदि शक्ति दुर्गा प्रतिमा को ही केवल रविवार रात को विसर्जित किया जा सका। बड़ी संख्या में दुर्गा प्रतिमाएं सोमवार को भी नहीं विसर्जित हो पाईं। पुलिस और प्रशासन का कोई भी कदम काम नहीं आया। दुर्गा पूजा समितियां प्रशासन से काफी नाराज हैं। बताया गया कि बाद में डीजे छोड़ने के बाद भी कई प्रतिमाएं खड़ी ही रहीं।

त्रिपुरा में दुर्गा पूजा से पहले ही हिंसा

त्रिपुरा में दुर्गा पूजा शुरू होने के पहले ही इस्लामिक कट्टरपंथियों ने हिंसा करके पूजा बाधित करने की कोशिश की। यहां इस्लामिक कट्टरपंथियों की भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों पर हमला किया। इस दौरान फायरिंग भी हुई, जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। हमलावरों ने हिंसा रोकने पहुंची पुलिस को भी निशाना बनाया। हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग घायल हुए हैं। यहां रविवार को दुर्गापूजा के लिए हिंदू समुदाय के कुछ लोग सड़क पर चंदा मांग रहे थे। इसी दौरान एक मुस्लिम ड्राइवर से उनकी बहस हो गई, जो बाद में बड़े विवाद में बदल गई। थोड़ी देर में ड्राइवर के समर्थन में आसपास के इलाकों से इस्लामिक कट्टरपंथियों की भीड़ जमा हो गई। भीड़ के हाथों में लाठी-डंडे और अन्य हथियार थे। उन्होंने न केवल चंदा मांग रहे हिंदुओं पर हमला किया, बल्कि आसपास के निवासियों पर भी हमला कर दिया।

बेलगावी में विसर्जन यात्रा में

बवाल, दुर्गा प्रतिमा खंडित

कर्नाटक के बेलगावी में दुर्गा पूजा के बाद प्रतिमा को विसर्जन को ले जा रहे हिंदुओं पर हमला किया गया। हिंदुओं ने आरोप लगाया कि उनके विसर्जन जुलूस पर मुस्लिमों ने हमला किया और बाद में दुर्गा प्रतिमा भी खंडित कर दी। मामले में पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। बेलगावी के सोलापुर गांव में रविवार 13 अक्टूबर को यह घटना हुई। यहां रविवार को हिंदू दुर्गा पूजा के बाद प्रतिमा को विसर्जित करने के लिए ले जा रहे थे। इसी दौरान फिरोज नाम के युवक से उनका विवाद हो गया। इसके बाद मुस्लिम भीड़ इकट्ठी हुई और विवाद चालू गया। इसी दौरान दुर्गा प्रतिमा को खंडित कर दिया गया। यहां मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों पर लाठी चार्ज किया और शान्ति व्यवस्था बहाल की। इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है। प्रतिमा खंडित होने के चलते हिंदू काफी आक्रोशित हैं।

जम्मू कश्मीर...

और लद्दाख हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए।याचिकाकर्ता रविंदर कुमार शर्मा की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कहा कि बिना चुनाव के नियुक्त किए गए उपराज्यपाल द्वारा इस तरह का फैसला काफी असर डाल सकता है। सिंघवी ने दलील दी कि यह मुद्दा बुनियादी ढांचे का है। अगर एलजी 5 लोगों को मनोनीत करते हैं तो उनकी संख्या 47 हो जाती है। वहीं हम 48 हैं। आपको केवल एक ही व्यक्ति को लाना है।

दरअसल पांच विधायकों के मनोनयन ने विवाद को जन्म दे दिया है, कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि उपराज्यपाल का कदम लोकतंत्र और संविधान के मूल सिद्धांतों पर हमला है। जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019, उपराज्यपाल को महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने के लिए विधानसभा में दो सदस्यों को मनोनीत करने का अधिकार देता है, जबकि 2023 में एक संशोधन द्वारा तीन और मनोनीत सदस्य जोड़े गए, दो कश्मीरी पंडित और एक पाकिस्तान नियंत्रित जम्मू और कश्मीर का प्रतिनिधि।

रविंदर शर्मा की याचिका में जम्मू और कश्मीर में सरकार गठन से पहले सदस्यों को मनोनीत करने की उपराज्यपाल की शक्ति को चुनौती दी गई है, जिसमें तर्क दिया गया है कि इससे विधानसभा में शक्ति संतुलन अनुचित रूप से बदल जाएगा। कांग्रेस पार्टी ने इस मनोनयन पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि यह लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कमजोर करता है। जम्मू कश्मीर विधानसभा में 90 निर्वाचित सदस्य हैं। जम्मू कश्मीर रिऑर्गनेजाइशन एक्ट 2019 में विस्थापित कश्मीरी लोगों और पीओके के लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए उपराज्यपाल द्वारा 5 और विधायकों को नामिनेट करने का प्रावधान है। इसकी वजह से बहुमत का आंकड़ा 45 से बढ़कर 48 हो गया है।बहरहाल, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के पहले शपथ ग्रहण समारोह से इंडी गठबंधन एकजुटता और मजबूती का संदेश देने की तैयारी में है। उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में इंडी गठबंधन के बड़े नेताओं के साथ ही कई राज्यों के सीएम को न्यौता भेजा जा सकता है। इंडी गठबंधन नेकां-कांग्रेस की जीत को भाजपा के एजेंडा को ही हार के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। ऐसे में नेकां उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए इंडी गठबंधन के बड़े नेताओं से संपर्क साध रही है। नेकां से जुड़े सूत्रों के अनुसार कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ ही सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नाम न्यौता वाली सूची में शामिल हैं।

आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल को भी बुलाया जा सकता है। हालांकि, ये सारे नाम नेकां मुखिया डॉ. फारूक अब्दुल्ला तय कर रहे हैं। नेकां के एक जिम्मेदार पदाधिकारी का कहना है कि सूची तैयार है। शपथ ग्रहण की तिथि तय होते ही सभी मेहमानों को समारोह में शामिल होने का न्यौता भेजा जाएगा।

भारत ने कनाडा...

भारतीय राजनयिकों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया। हमें उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की वर्तमान कनाडाई सरकार की प्रतिबद्धता पर कोई भरोसा नहीं है। इसलिए, भारत सरकार ने उच्चायुक्त और अन्य लक्षित राजनयिकों और अधिकारियों को वापस बुलाने का फैसला किया है। यह भी बताया गया कि भारत के खिलाफ उग्रवाद, हिंसा और अलगाववाद के लिए ट्रूडो सरकार के समर्थन के जवाब में भारत आगे कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

दारू से नायडू...

पिछले साल सरकार को शराब बिक्री से 30,000 करोड़ रुपए मिले थे। इस साल शेष छह महीनों के लिए, सरकार 17,000 करोड़ रुपए से अधिक की उम्मीद कर रही है।राजस्व (आबकारी) के प्रधान सचिव मुकेश कुमार मीणा के अनुसार, राज्य सरकार को पूरे राज्य में 3,396 निजी शराब की दुकानों के लिए लगभग 90,000 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिसमें 2 लाख रुपए गैर-वापसी योग्य आवेदन शुल्क के रूप में सरकारी खजाने में लगभग 1,800 करोड़ रुपए का योगदान है। राज्य सरकार को शराब की दुकानों से छह किस्तों में लाइसेंस शुल्क के रूप में सालाना 2,084 करोड़ रुपए मिलेंगे। मीणा ने कहा कि सभी शराब दुकान लाइसेंस धारकों से सामूहिक पहली किस्त की राशि 335 करोड़ रुपए मंगलवार तक मिल जाएगी। इसके अलावा, अधिकारी ने कहा कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान केवल नकद मोड के विपरीत, उपभोक्ताओं को शराब की दुकानों पर नकद, यूपीआई और भुगतान के सभी तरीकों से पेमेंट किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की अध्यक्षता में आंध्र प्रदेश मंत्रिमंडल ने पिछले महीने सरकारी स्वामित्व वाली खुदरा दुकानों से जुड़ी पुरानी उत्पाद शुल्क नीति को खत्म कर दिया और एक नई नीति पेश की, जिसमें बार के अलावा निजी दुकानों को भी शराब बेचने की अनुमति दी जाएगी। सरकार ने राज्य भर में 3,396 दुकानों के लिए आवेदन आमंत्रित किए और ड्रॉ के माध्यम से दुकानों का आवंटन सोमवार को किया गया। विधानसभा चुनावों के दौरान, तब विपक्ष में रहे नायडू ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर ऊंची कीमतें तय करने का आरोप लगाया था जो शराब की गुणवत्ता के अनुरूप नहीं थी। नायडू सरकार द्वारा लाई गई नई नीति के अनुसार, शराब का सबसे सस्ता ब्रांड 99 रुपए प्रति 180 एमएल बोतल पर उपलब्ध होगा।

पद के दुरुपयोग का ...

ट्रस्ट कि अपील रिजेक्ट करते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, जजमेंट पढ़ते समय ऐसा लगता होता है कि आपका मुवक्किल वास्तव में शहरी विकास मंत्रालय का प्रभारी कैबिनेट मंत्री था और वह अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री था। उसने जमीन एक पारिवारिक ट्रस्ट को आवंटित करवाई, जिसके वह आजीवन अध्यक्ष हैं। और, शुरू में लीज एक सरकारी संस्था के पक्ष में थी। उसे एक निजी ट्रस्ट से जोड़ दिया गया। एक सरकारी संस्था के लिए जो लीज थी, उसे एक निजी ट्रस्ट को कैसे दिया जा सकता है?सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के 18 मार्च 2024 के फैसले और आदेश में कोई कमी नहीं दिखती। लिहाजा स्पेशल लीव पिटीशन खारिज की जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल की दलीलों का संज्ञान लिया और यूपी सरकार से यह सुनिश्चित करने को कहा था कि किसी भी बच्चे को उपयुक्त शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश से वंचित न किया जाए। कपिल सिब्बल ने तर्क दिया कि 2023 में पट्टे को रद्द करने का निर्णय बिना कोई वजह बताए लिया गया था। उन्होंने कहा, अगर उन्होंने मुझे नोटिस जारी किया होता और कारण बताए होते, तो मैं इसका जवाब दे सकता था। क्योंकि, आखिरकार, मामला कैबिनेट के पास गया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री ने (भूमि आवंटन पर) निर्णय लिया था। ऐसा नहीं है कि मैंने कोई निर्णय लिया। कपिल सिब्बल की दलीलों पर भी पीठ ने नरमी नहीं दिखाई। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, यह पद के दुरुपयोग का क्लीयर केस है।

उल्लेखनीय है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज्य सरकार द्वारा भूमि पट्टे को रद्द करने के 18 मार्च के आदेश को चुनौती देने वाली न्यास की याचिका खारिज कर दी थी। मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की कार्यकारी समिति ने तब दलील दी थी कि सुनवाई का कोई अवसर दिए बिना ही पट्टा विलेख रद्द कर दिया गया। काई कोर्ट में राज्य की ओर से पेश हुए महाधिवक्ता ने बिना कारण बताओ नोटिस के पट्टा रद्द करने का बचाव इस आधार पर किया था कि जनहित सर्वोपरि है। यह दलील दी गई थी कि उच्च शिक्षा (शोध) संस्थान के उद्देश्य से अधिगृहीत भूमि का उपयोग एक स्कूल चलाने के लिए किया जा रहा था। महाधिवक्ता ने विशेष जांच दल की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि पट्टा रद्द करने से पहले याचिकाकर्ता को जवाब देने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था।

चिराग पासवान ...

इनमें सीआरपीएफ जवानों के अलावा चार से पांच एनएसजी कमांडो और कुछ पुलिसकर्मी तैनात होते हैं। इसके अलावा उनकी सुरक्षा में एक एस्कॉर्ट गाड़ी, एक पायलट वाहन और यात्रा के दौरान सुरक्षा के अलग-अलग दायरे तय कर दिए जाते हैं। इसके अलावा उनके घर पर 10 सशस्त्र गार्ड तैनात होंगे। चिराग को कई और जवानों की तरफ से सुरक्षा मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि जेड श्रेणी की सुरक्षा उन्हीं लोगों को दी जाती है जिन्हें जान का गंभीर खतरा रहता है। अभी भारत में प्रमुख रूप से चार सुरक्षा श्रेणियां हैं। इनमें जेड प्लस (36 सुरक्षाकर्मियों का घेरा), जेड (22 सुरक्षाकर्मियों का घेरा), वाई (11 सुरक्षाकर्मियों का घेरा) और एक्स (2 सुरक्षाकर्मियों का घेरा) शामिल हैं। इसके अलावा भारत के प्रधानमंत्री को एसपीजी सुरक्षा मिलती है, जो कि देश में सुरक्षा श्रेणियों का उच्चतम स्तर है। कुछ स्थितियों में पीएम के परिवार को भी इसी सुरक्षा घेरे में रखा जाता है।

रोहिंग्या घुसपैठिए...

ब्लैक से संभवत: यहां पैसे देकर अवैध तरीके से घुसपैठ करने से संबंधित है। यूनुस ने बताया कि वह बांग्लादेश बॉर्डर के जरिए भारत में घुसा। उन्होंने कहा कि वहां कुछ लोग उसे मिले, जिन्होंने उसे बॉर्डर पार कराया और वहां से वह बंगाल में रहने लगा।यूनुस ने बताया कि बॉर्डर पार कराने वालों ने कुछ लोगों से पैसा भी लिया और कुछ लोगों को बिना पैसे का ही बॉर्डर पार करा दिया। यूनुस ने बताया कि वह उसके साथ अधिकांश लोग म्यामांर में लड़ाई शुरू होने के बाद 2016 में भारत में आए। उसका कहना है कि कुछ लोग तो भारत में साल 2012 में ही आ गए थे और तभी वे यहां रह रहे हैं। यूनुस का दावा है कि उसके पास यूएन का रिफ्यूजी कार्ड है।

हालांकि, जब पत्रकारों ने उससे रिफ्यूजी कार्ड दिखाने के लिए कहा तो वह बोला कि वह घर पर है और घर कहीं और है। यूनुस ने बताया कि इलाके में कुछ भी होता है तो उसे खबर कर दिया जाता है कि घर से बाहर नहीं निकलना है। यूनुस ने बताया कि म्यामांर से भागे हुए रोहिंग्या हैदाराबाद, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा में रह रहे हैं। इस मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों से जब पूछा गया कि वे पढ़ाई करके क्या करेंगे तो 99 प्रतिशत ने कहा कि वे हाफिज बनेंगे और अल्लाह की सेवा करेंगे। इन बच्चों को जाकिर नाईक के बारे में अच्छे से पता है। लगभग 12 साल के एक बच्चे ने कहा कि जाकिर नाईक इसलिए अच्छा लगता है, क्योंकि वह लोगों को दीन (इस्लाम) के रास्ते पर लाता है। यानी लोगों का इस्लाम में धर्मांतरण कराता है।

किशोर ने कहा कि जो अल्लाह को नहीं मानता है कि वह दोजख की आग में जलेगा। एक छोटे से बच्चे ने कलमा पढ़ कर सुनाया और कहा कि इसका मतलब है कि अल्लाह के सिवा और कोई भगवान नहीं है। यही बात एक किशोर ने भी कहा है। हालांकि, बच्चे हर शब्द बोलने से पहले अपने मौलवी या हाफिज की तरफ देख रहे थे। जाहिर है कि वो काफी सोचकर बोल रहे थे। दरअसल, इस मदरसे में पढ़ाने वाले यूनुस ने दावा किया कि रोहिंग्या मुस्लिम यूए के रिफ्यूजी कार्ड पर भारत में आकर रह रहे हैं।

वहीं, दूसरी तरफ वह कह रहा है कि बांग्लादेश सीमा के जरिए पैसे देकर कुछ लोगों की सहायता से भारत में घुसा था। इस तरह की विरोधाभासी बातें संदेह पैदा करती है। अगर यूनुस स्वयं स्वीकार करता है कि यहां 400 रोहिंग्या रहते हैं तो वास्तविक संख्या कितनी होगी, इसकी सही जानकारी शायद ही किसी को होगी।

करवा चौथ पर इस साल सिर्फ 1 घंटे 16 मिनट का ही मुहूर्त

करवा चौथ का व्रत हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण व्रत में से एक है । इस दिन सुहागिन महिलाएं अपनी पति की लंबी आयु के लिए व्रत करती हैं । इस व्रत को करने से महिलाओं को अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखती है। करवा चौथ का व्रक कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय के साथ चंद्रमा देव और करवा माता की पूजा होती है।

इस व्रत में चंद्रमा की पूजा का बहुत महत्व है। चंद्रोदय होते ही महिलाएं चंद्रमा को अर्घ्य देती हैं और फिर व्रत का पारण अपने पति के हाथ से जल ग्रहण करके करती हैं।

हिंदू पंचांग अनुसार कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का पर्व मनाया जाता है। इस तिथि की शुरुआत 20 अक्टूबर 2024, रविवार को सुबह 6:46 से 21 अक्टूबर, सोमवार सुबह 4:16 तक है। इस साल 20 अक्टूबर 2024 को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा।

पंचांग अनुसार करवा चौथ की पूजा का शुभ मुहूर्त 20 अक्टूबर 2024, रविवार को शाम 5:46 से शाम 7:02 तक है।

इस बार करवा चौथ का शुभ मुहूर्त केवल 1 घंटे 16 मिनट तक है।

सुहागिन महिलाएं इस दौरान करवा चौथ की पूजा कर सकती हैं।

चंद्रोदय का समय शाम 7:54 मिनट का है।

हिंदू धर्म में करवा चौथ के व्रत का बहुत महत्व है। करवा चौथ का व्रत पति-पत्नी के प्रेम का प्रतीक माना जाता है। सुहागिन महिलाएं करवा चौथ का व्रत अपने पति की लंबी आयु और अपने सुहाग की रक्षा के लिए करती हैं। इस व्रत को करने से दांपत्य जीवन में खुशहाली बनी रहती है।

करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाओं को लाल रंग के वस्त्र धारण करने चाहिए, क्योंकि लाल रंग सुहाग का प्रतीक है।

-सुहागिन महिलाओं को 16 श्रृंगार करके ही पूजा करनी चाहिए।

-चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद ही व्रत का पारण करें।

-अपने पति के हाथ से जल ग्रहण करें ।

-व्रत के दौरान किसी को अपशब्द नहीं बोलने चाहिए।

-व्रत के दौरान अन्न-जल का सेवन नहीं करना चाहिए।

कार्तिक मास 18 से

सुख-समृद्धि के लिए ऐसे करें पूजा, इन बातों का रखें ध्यान

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास की शुरुआत होने वाली है। इस महीने भगवान विष्णु लंबे समय के विश्राम के बाद जागते हैं। इसलिए कार्तिक मास को धार्मिक दृष्टि से अत्यधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि इस महीने भगवान विष्णु और भगवान श्रीकृष्ण की उपासना करने से जीवन में चल रही परेशानियों से मुक्ति मिलती है। साथ ही सुख और समृद्धि की प्राप्ति भी होती है। आइए जानते हैं कार्तिक मास कब से शुरू हो रहा है और इस महीने के नियम क्या हैं।

कार्तिक मास की शुरुआत 18 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और इसका समापन 15 नवंबर को होगा। इस महीने प्रतिदिन सुबह उठकर पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। यह महीना 'कार्तिक स्नान' के लिए भी महत्वपूर्ण है। मान्यता है कि इस महीने पवित्र नदी में स्नान करने से अपार पुण्य की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही भजन-कीर्तन, दीपदान और तुलसी के पौधे की पूजा करना भी शुभ माना जाता है।

कार्तिक के महीने में श्री हरि जल में वास करते हैं। यह महीना भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने के लिए अत्यधिक शुभ माना जाता है। मइस दौरान प्रतिदिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। साथ ही तुलसी के पौधे की उपासना करना भी जरूरी है। सुबह और शाम तुलसी के पौधे के पास देसी घी का दीपक जलाने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। इसके अलावा, अपनी श्रद्धानुसार गरीबों को गर्म कपड़े, भोजन, या धन का दान करना भी पुण्यकारी माना जाता है।

इस महीने तामसिक भोजन से परहेज करना चाहिए। किसी भी प्रकार की अपशब्द या गलत व्यवहार से बचना चाहिए। तन और मन की स्वच्छता बनाए रखना आवश्यक है। इसके साथ ही किसी भी प्रकार के पशु-पक्षी को नुकसान पहुंचाने से भी बचना चाहिए। इस माह में संयम और साधना का विशेष महत्व है, जो जीवन को पवित्रता और शांति प्रदान करती है।

दिवाली से पहले सफाई में घर से बाहर फेंक दें ये सामान

वरना नहीं आएंगी मां लक्ष्मी

सनातन धर्म में होली, दीपावली और दशहरा जैसे बड़े त्यौहार बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष दीपावली का पर्व कई जगहों पर 31 अक्टूबर तो कहीं-कहीं 1 नवंबर को मनाया जाएगा। धार्मिक मान्यता के अनुसार कहा जाता है इस दिन भगवान श्री राम 14 साल का वनवास पूरा करने के बाद अयोध्या पहुंचे थे जिसकी खुशी में अयोध्या वासियों ने दीप जलाकर उनका भव्य स्वागत भी किया था।

ऐसे में दीपावली से जुड़े कुछ वास्तु शास्त्र में नियम भी बताए गए हैं। कहा जाता है इस नियम का पालन करने से घर में माता लक्ष्मी का आगमन होता है और जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं रहती है, तो चलिए आज हम आपको इस रिपोर्ट में बताते हैं कि दीपावली के दौरान वास्तु शास्त्र के किस नियम का पालन करना चाहिए। सनातन धर्म वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व होता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार प्रत्येक पाव और त्योहार में इस नियम का पालन करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। दीपावली का पर्व आने वाला है और दीपावली में ऐसा माना जाता है कि वास्तु शास्त्र के नियम का पालन करने से घर में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। दीपावली के दौरान घर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। क्योंकि माता लक्ष्मी का वास साफ सफाई वाली जगह पर ही होता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में टूटा हुआ शीशा रखने से नकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। ऐसी स्थिति में दीपावली से पहले घर से टूटा हुआ शीशा निकाल दें। इसके अलावा बंद घड़ी भी निकाल देनी चाहिए।

यदि आपके घर अथवा मंदिर में किसी देवी देवता की खंडी प्रतिमा विराजमान हैं, तो उसे यह दीपावली से पहले किसी पवित्र नदी अथवा तालाब में विसर्जित कर दें।

वास्तु दोष के कारण हो सकती हैं बीमारियां

मनुष्य के स्वास्थ्य पर भी वास्तु का प्रभाव पड़ता है। कई बार ऐसा होता है कि दवा-परहेज करने के बाद भी बीमारी व्यक्ति का पीछा ही नहीं छोड़ती। शास्त्रों में कहा जाता है कि प्रथम सुख निरोगी काया अर्थात शरीर को स्वस्थ रखना व्यक्ति का प्रथम लक्ष्य है। यदि मनुष्य का शरीर स्वस्थ होता है तो वे अपने दैनिक कार्यों को सुचारू ढंग से करने में सक्षम रहता है। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर-मकान से जुड़े दोष व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं। यदि घर के ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में टॉयलेट या फिर सीढ़ियां बनी होती हैं तो घर की मुख्य महिला ही नहीं, बल्कि अन्य सदस्यों को भी मानसिक तनाव या मस्तिष्क से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।

वास्तु विशेषज्ञ नीतिका शर्मा ने बताया कि घर की उत्तर एवं उत्तर-पूर्व दिशा का बंद होना और दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दिशा का खुला होना भी एक गंभीर वास्तु दोष है। ऐसा होने पर घर के भीतर बीमारी और खर्च दोनों ही अत्यधिक बढ़ जाते हैं। किचन के चूल्हे पर खाना बनाते समय घर की महिला का मुंह भूलकर भी दक्षिण दिशा की तरफ नहीं होना चाहिए। ऐसी सूरत में कमर दर्द, सर्वाइकल, जोड़ों का दर्द जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। पूर्व दिशा में सिर यानी पश्चिम दिशा में पैर करके सोना स्वास्थ्य के लिहाज से अच्छा होता है। दरअसल, सूरज पूर्व दिशा की ओर से निकलता है। सूरज की पहली किरण पूर्व दिशा में ही देखने को मिलती है।

ईशान कोण में बना शौचालय बहुत बड़ा वास्तु दोष माना जाता है। देवस्थान पर बना टॉयलेट घर की महिलाओं को न सिर्फ बीमार बनाता है बल्कि संतान सुख में भी कमी आती है। घर का ईशान कोण ऊंचा हो और बाकी सभी दिशाएं उससे नीची हों तो घर की महिलाओं को गंभीर बीमारी होने की आशंका बनी रहती है। उत्तर दिशा की तरफ सिर करके सोने से माइग्रेन, साइनस, सिर दर्द जैसी बीमारियां हो सकती हैं। बेड के सामने शीशा होने से सोते समय छवि दर्पण में नज़र आने से व्यक्ति धीरे-धीरे बीमार होने लगता है।

आइए वास्तु विशेषज्ञ से वास्तु के अनुसार जानते हैं वो कौन से कारण हो सकते हैं जिससे घर में स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां आती हैं।

अनिद्रा

वास्तुशास्त्र में पूर्व तथा उत्तर दिशा का हल्का और नीचा होना तथा दक्षिण व पश्चिम दिशा का भारी व ऊंचा होना अच्छा माना गया है। यदि पूर्व दिशा में भारी निर्माण हो तथा पश्चिम दिशा एकदम खाली व निर्माण रहित हो तो अनिद्रा का शिकार होना पड़ सकता है।

उत्तर दिशा में भारी निर्माण हो परन्तु दक्षिण और पश्चिम दिशा निर्माण रहित हो तो भी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है। अनिद्रा से आपको कई तरह की बीमारियां घेर सकती हैं तो इस वास्तु का ध्यान रखकर आप स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

चक्कर, बेचैनी और सिरदर्द

गृहस्वामी अग्निकोण या वायव्य कोण में शयन करें या उत्तर में सिर व दक्षिण में पैर करके सोए तब भी अनिद्रा या बेचैनी, सिरदर्द और चक्कर जैसी परेशानी हो सकती है, जिसके कारण दिन भर थकान की समस्या हो सकती है। धन आगमन और स्वास्थ्य की दृष्टि से दक्षिण या पूर्व की ओर पैर करना अच्छा माना गया है।

हार्ट अटैक, लकवा, हड्डी और स्नायु रोग

वास्तु शास्त्र के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम दिशा में प्रवेश द्वार या हल्की चाहरदीवारी अथवा खाली जगह होना शुभ नहीं है। ऐसा होने से हार्ट अटैक, लकवा हड्डी एवं स्नायु रोग संभव हैं। अतः यहां प्रवेश द्वार या खाली जगह छोड़ने से बचना चाहिए।

हड्डी के रोग

रसोई घर में भोजन बनाते समय यदि गृहणी का मुख दक्षिण दिशा की ओर है तो त्वचा एवं हड्डी के रोग हो सकते हैं। दक्षिण दिशा की ओर मुख करके भोजन पकाने से पैरों में दर्द की संभावना भी बनती है। इसी तरह पश्चिम की ओर मुख करके खाना पकने से आंख, नाक, कान एवं गले की समस्याएं हो सकती है। पूर्व दिशा की ओर चेहरा करके रसोई में भोजन बनाना स्वास्थ्य के लिए श्रेष्ठ माना गया है।

वायु रोग और रक्त विकार

दीवारों पर रंग-रोगन भी ध्यान से करवाना चाहिए। काला या गहरा नीला रंग वायु रोग, पेट में गैस, हाथ-पैरों में दर्द, नारंगी या पीला रंग ब्लड प्रेशर, गहरा लाल रंग रक्त विकार या दुर्घटना का कारण बन सकता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए दीवारों पर दिशा के अनुरूप हल्के एवं सात्विक रंगों का प्रयोग करना चाहिए।

जोड़ों का दर्द और गठिया

वास्तु शास्त्र के अनुसार, ध्यान रहे कि आपके भवन की दीवारें एकदम सही सलामत हों, उनमें कहीं भी दरार या रंग रोगन उड़ा हुआ या फिर दाग-धब्बे आदि न हों वरना वहां रहने वालों में जोड़ों का दर्द, गठिया, कमर दर्द, सायटिका जैसे समस्याएं हो सकती हैं।

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा
अजमेर

दीपावली पर घर लाएं यह चमत्कारी पौधा?

व्यापार और धन में होगी बढ़ोतरी, नौकरी में भी मिल सकता प्रमोशन

हम लोग अपने घरों में मनी प्लांट जैसे कई प्रकार के प्लांट्स लगाते रहते हैं। इनमें से कई पौधों को हम बिना वास्तु के नजरिए से भी लगा देते हैं। जबकि हर पौधा आपके घर और वास्तु को प्रभावित करता है। ऐसे में आज हम आपको एक चमत्कारी पौधे के बारे में बताएंगे। ये पौधा मनी प्लांट से भी ज्यादा चमत्कारी है और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकता है। इस पौधे का नाम क्रासुला है। जी हां क्रासुला के पौधे को कुबेर देवता का प्रिय पौधा माना जाता है। इसकी एक खास बात यह भी है कि इसे लगाने के लिए आपको कोई खास जगह की जरूरत नहीं होती। लेकिन सवाल यह है कि इस पौधे को कहां लगाएं और इसे लगाना क्यों फायदेमंद है।

क्रासुला को शुक्र ग्रह जो कि धन का योग बनाता है उससे जोड़ कर देखा जाता है। माना जाता है कि कुबेर देवता को यह पौधा काफी पंसद है और इसलिए इस पौधे को लगाने से घर में कुबेर देवता की कृपा आती है। इसके अलावा ये कुंडली में शुक्र ग्रह को मजबूत करता है और धन लाभ में मदद करता है। लेकिन इसके लिए जरूरी यह है कि आप इसे सही दिशा में लगाएं। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, कुबेर का पौधा लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है और नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं। इस पौधे को लगाने से जुड़ी कुछ खास बातें-

क्रासुला का पौधा कहां लगाना चाहिए?

धन लाभ के लिए उत्तर दिशा में लगाएं: अगर आपको लगातार आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है या घर में पैसे की कमी बनी रहती है तो आपको इस पौधे को घर की उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। इस पौधे को लगाते समय ध्यान रखें कि ये अंधेरे में ना रहे और इसकी पत्तियां हमेशा साफ रहें।

नौकरी में प्रमोशन के लिए दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें: क्या आप नौकरी में प्रमोशन चाहते हैं तो इस पौधे को घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें या फिर आप इस पौधे को ऑफिस में अपने डेस्क पर भी रख सकते हैं। ये आपके लिए प्रमोशन का योग बनाएगा।

बिजनेस में कैश काउंटर के ऊपर रखें ये पौधा: अगर आप बिजनेस कर रहे हैं तो आपको इस पौधे को कैश काउंटर के ऊपर रखना चाहिए। इससे कुबेर देवता का आशीर्वाद बना रहता है, इसके अलावा ये आपके बिजनेस को बढ़ाने और प्रॉफिट की ओर ले जाने में मदद करेगा।

समृद्धि के लिए इसे घर की बालकनी और छत पर रखें :अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में समृद्धि बनी रहे तो आप इस पौधे को घर की बालकनी और छत पर रख सकते हैं। दरअसल जितना ज्यादा ये पौधा खुशहाल रहता है यानी कि लगातार इसे धूप मिलती रहती है उतनी ही आपके घर में समृद्धि बनी रहती है।

नोट:- ध्यान रखें कि इस पौधे को घर के बंद हिस्सों, दरवाजों और बेड रूम लगाने से बचें, ऐसा करने से ये नकारात्मक ऊर्जा का कारण भी बन सकती है।

सुबह उठते ही भूलकर भी न देखें ये 5 चीजें, मानी जाती हैं बेहद अशुभ

सनातन धर्म में वास्तु शास्त्र का विशेष महत्व है। इसमें तमाम ऐसे कार्यों का जिक्र है, जिन्हें करने न करने की सलाह दी गई है। खासतौर पर सुबह उठते समय। जी हां, वास्तु शास्त्र कहता है कि, सुबह उठते ही कुछ चीजों को देखने से बचना चाहिए। ये चीजें अशुभता लाती हैं, जिससे इंसान परेशानियों की जद में आ सकता है। इसलिए ज्यादातर बड़े-बुजुर्ग अपने बच्चों को सुबह-सुबह सबसे पहले अपने हाथों की हथेलियों को देखने को कहते हैं। मान्यताओं के अनुसार, हथेलियों में मां लक्ष्मी का वास होता है परंतु क्या आप जानते हैं कि हमारी दिनचर्या में कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें सुबह उठते से ही नहीं देखना चाहिए? अब सवाल है कि आखिर वो कौन सी 5 चीजें हैं, जिन्हें सुबह उठते ही नहीं देखना चाहिए? क्या है इसकी वजह?

बंद घड़ी :- वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि घर में घड़ी बंद है या खराब हो गई है तो उसे सामने न रखें। यह अशुभता का कारण बन सकती है। बता दें कि, यदि आपको सुबह उठते ही बंद घड़ी दिखाई देती है तो यह संकेत माना जाता है कि कोई बड़ी समस्या आपके जीवन में आने वाली है।

खंडित मूर्ति:- ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि, घर में किसी भी देवता की खंडित मूर्ति नहीं रखनी चाहिए। यहां तक कि इन्हें पूजा घर में भी न रखें।

इसकी अनदेखी करने से जीवन में निगेटिव प्रभाव देखने को मिल सकता है। साथ ही मनुष्य के जीवन में कष्ट भी बढ़ सकते हैं।

टूटा आईना:- घर में टूटा आईना यानी सीसा भी नहीं रखना चाहिए। माना जाता है कि, यदि कोई व्यक्ति सुबह-सुबह उठने के साथ ही ऐसा आईना देखता है तो यह अशुभता का कारण बन सकता है। कहा जाता है इस अनदेखी करने वाले जातकों के बने बनाए काम के बिगड़ सकते हैं।

परछाई:- सुबह-सुबह उठकर परछाई भी नहीं देखनी चाहिए। फिर चाहें वो खुद की हो या किसी और की। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि सुबह आंख खुलते ही आप परछाई देख लेते हैं तो ये आपके लिए अशुभ हो सकता है। इसे मृत्यु, अस्वीकृति, घृणा या अंधकार से जोड़कर देखा जाता है।

जूठे बर्तन:- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सुबह जागते के साथ ही जूठे या गंदे बर्तन देखने से बचना चाहिए। इनसे रिश्तों में दरार पैदा होती है और घर का माहौल तनावपूर्ण हो सकता है। इसके अलावा इसे कंगाली का संकेत भी माना जाता है। इसलिए कोशिश करें रात को खाने के बाद बर्तन साफ कर लें।

राम चरण-कियारा आडवाणी की गेम चेंजर क्रिसमस पर नहीं होगी रिलीज

राम चरण और कियारा आडवाणी अभिनीत गेम चेंजर अब क्रिसमस पर रिलीज नहीं होगी। फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई है। फिल्म की नई रिलीज डेट का अनाउंसमेंट ऑफिशियल तौर पर किया गया है। फिल्म निर्माता दिल राजू ने दशहरा के अवसर पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जिसमें बताया गया कि गेम चेंजर अब कब रिलीज होगी। तो आइए जानते हैं फिल्म की नई रिलीज डेट।राम चरण और कियारा आडवाणी स्टारर गेम चेंजर पहले क्रिसमस के मौके पर 2024 में रिलीज होने वाली थी लेकिन अब इसकी रिलीज डेट को पोस्टपोन करते हुए इसे संक्रांति 2025 में रिलीज किया जा रहा है। हाल ही में फिल्म निर्माता दिल राजू ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें ऑफिशियल अनाउंसमेंट की गई।

दरअसल भारत और विदेश में डिस्ट्रीब्यूशन से संबंधित कारणों की वजह से फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन कर दी गई है। इसीलिए मेकर्स ने तय किया कि संक्रांति का टाइम सही रहेगा।इसके अलावा मेकर्स ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि गेम चेंजर का पोस्ट प्रोडक्शन का काम इस साल दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। वहीं मेकर्स ने एक और खूशखबरी दी कि दिसंबर के आसपास ही फिल्म का टीजर भी रिलीज किया जाएगा। राम चरण अभिनीत आगामी फिल्म गेम चेंजर, शंकर द्वारा निर्देशित है और कार्तिक सुब्बाराज की कहानी पर आधारित है।

इस राजनीतिक ड्रामा में राम चरण एक आईएएस अधिकारी की भूमिका निभा रहे हैं जो अपने आसपास की भ्रष्ट राजनीतिक व्यवस्था को साफ करने के लिए काम करते हैं। राम के अलावा, इस पॉलीटिकल ड्रामा फिल्म में कियारा आडवाणी, एसजे सूर्या, अंजलि, जयराम, श्रीकांत, सुभलेखा सुधाकर, सुनील, नासर और कई अन्य कलाकार खास रोल में हैं।वर्कफ्रंट की बात करें तो राम चरण निर्देशक बुची बाबू सना के साथ अपनी अगली फिल्म के लिए तैयारी कर रहे हैं, जिसे अस्थायी रूप से आरसी 16 नाम दिया गया है। यह फिल्म एक स्पोर्ट्स ड्रामा है जिसमें जाह्नवी कपूर और शिव राजकुमार अहम रोल में हैं।

आलिया भट्ट की जिगरा की बढ़ी कमाई

आलिया भट्ट एक बार फिर अपनी दमदार एक्टिंग के साथ पर्दे पर लौट आई हैं। वेदांग रैना के साथ उनकी फिल्म जिगरा 11 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक ओपनिंग की थी। वहीं दूसरे दिन अब जिगरा के कलेक्शन में इजाफा होता दिखाई दिया है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो और वेट्टैयन के साथ क्लैश के बावजूद फिल्म ने दो दिन में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 10 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।सैकनिल्क की मानें तो जिगरा ने पहले दिन 4.55 करोड़ के कलेक्शन के साथ घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला था। दूसरे दिन फिल्म की रफ्तार थोड़ी बढ़ी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 6.50 करोड़ की दमदार कमाई कर ली। ऐसे में भारत में जिगरा ने अब दो दिन में कुल 11.05 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है।जिगरा का सामना बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से हुआ था। जिगरा का कलेक्शन फिलहाल राजकुमार राव की फिल्म से कम है। जहां जिगरा ने दो दिन में 11.05 करोड़ रुपए कमाए हैं तो वहीं विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के दो दिन का कलेक्शन 12 करोड़ रुपए है। इसके अलावा साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म वेट्टैयन भी 10 अक्टूबर से सिनेमाघरों में है। ये फिल्म ताबड़तोड़ कलेक्शन कर रही है और सिर्फ शनिवार को ही इसने 26.1 करोड़ रुपए का बिजनेस किया था।जिगरा में आलिया भट्ट और वेदांग रैना लीड रोल्स में हैं। फिल्म को वासन बाला ने डायरेक्ट किया है। रिलीज के बाद फिल्म पर दिव्या खोसला की फिल्म सवी की कॉपी करने का आरोप लगाया जा रहा है। दिव्या खोसला ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी लगाते हुए जिगरा के मेकर्स को इनडायरेक्टली निशाने पर लिया है।

अभिनेत्री जेनिफर विंगेट शूटिंग के बीच खाली समय में क्या करती हैं? किया खुलासा

लोकप्रिय टेलीविजन अभिनेत्री जेनिफर विंगेट ने आखिरकार दुनिया के साथ साझा किया है कि जब उनके पास शूटिंग के बीच खाली समय होता है तो वह तस्वीरों के लिए पोज देती हैं और तस्वीरें लेती हैं।जेनिफर ने इंस्टाग्राम पर खूबसूरत जगहों और खाने की कुछ तस्वीरें साझा की। पहली तस्वीर में जेनिफर कैमरे के सामने पोज देती हुई और लेंस की तरफ देखकर मुस्कुराती हुई दिख रही थी। दूसरी तस्वीर में अभिनेत्री बीच पर सफेद कवर में बैठी हुई दिख रही थी। तीसरी तस्वीर में अभिनेत्री की सिल्हूट की तस्वीर थी। आखिरी तस्वीर में उनके खाने की तस्वीर थी। प्लेट पर लिखे रेस्टोरेंट के नाम से ऐसा लगता है कि अभिनेत्री गोवा में हैं।उन्होंने तस्वीरों के कैप्शन में लिखा, अगर आपने कभी सोचा है कि शूटिंग के बीच में जब मुझे खाली समय मिलता है तो मैं क्या करती हूं? तो यह बिल्कुल वैसा ही है!अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की, जिसमें वह एक सोफे पर बैठी हुई दिखाई दे रही हैं और उन्होंने काले रंग का सूट और गले में सोने की चेन पहन रखी है। उन्होंने कैप्शन में लिखा: स्थिर मन और स्थिरता के बीचविंगेट ने 1995 की फिल्म अकेले हम, अकेले तुम से बतौर बाल कलाकार अभिनय की शुरुआत की थी। उन्होंने 2002 में शाका लाका बूम-बूम से टेलीविजन पर शुरुआत की। यह बच्चों का फैंटेसी एडवेंचर टेलीविजऩ शो है, जिसमें विशाल सोलंकी और हंसिका मोटवानी मुख्य भूमिका में हैं।मुंबई में जन्मी अभिनेत्री ने कुसुम में सिमरन, कोई दिल में है में प्रीति, कसौटी जिंदगी की में स्नेहा बजाज गिल, क्या होगा निम्मो का में नताशा, कहीं तो होगा में स्वेतलाना की भूमिका निभाई हैं।मेडिकल ड्रामा दिल मिल गए में उनकी भूमिका ने उन्हें प्रमुख स्टारडम हासिल करने में मदद की। शो संजीवनी - ए मेडिकल बून के सीक्वल में उनके पूर्व पति करण सिंह ग्रोवर, शिल्पा आनंद, करण वाही और मोहनीश बहल भी शामिल थे।फिक्शन के अलावा, 39 वर्षीय अभिनेत्री ने रियलिटी शो में भी काम किया है। उन्हें जऱा नच के दिखा की विजेता घोषित किया गया था। उन्होंने नचले वे विद सरोज खान, कॉमेडी का महा मुकाबला, लाफ्टर के फटके और देख इंडिया देख जैसे रियलिटी शो की मेजबानी भी की है।वह कानूनी ड्रामा रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी में भी काम कर रही हैं।

दूसरे दिन बढ़ा राजकुमार की फिल्म का कलेक्शन

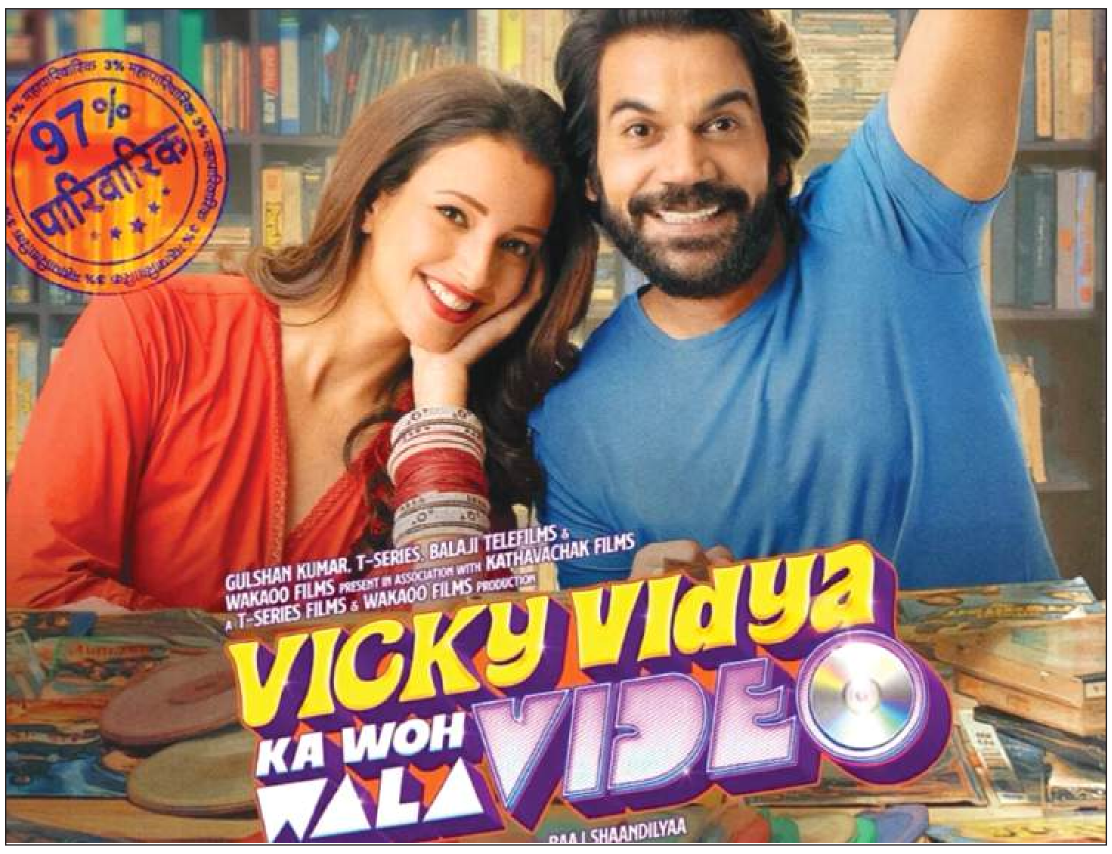

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की कॉमेडी ड्रामा विक्की विद्या का वो वाला वीडियो 11 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की थी और अब दूसरे दिन भी फिल्म ने अच्छा कलेक्शन किया है। पहले शनिवार विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कमाई में इजाफा देखने को मिला है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 5.25 करोड़ रुपए से खाता खोला था। दूसरे दिन फिल्म की कमाई बढ़ी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 6.75 करोड़ रुपए बटोरे। इस तरह दो दिन में विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने 12 करोड़ रुपए कमा लिए हैं।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो बॉक्स ऑफिस पर आलिया भट्ट और वेदांग रैना की फिल्म जिगरा से टकराई है।

राजकुमार राव की फिल्म ने दूसरे दिन जहां 6.75 करोड़ कमाए तो वहीं जिगरा सिर्फ 6.50 करोड़ ही कमा पाई। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने दो दिन के कलेक्शन के साथ जिगरा को पछाड़ दिया है। जहां राजकुमार राव की फिल्म ने 12 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया तो वहीं जिगरा ने दो दिन में 11 करोड़ रुपए ही कमाए है।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को राज शांडिल्य ने डायरेक्ट किया है। फिल्म 90 के दशक के दौर के एक कपल की कहानी दिखाती है जिनका सुहागरात का वीडियो वाली सीडी चोरी हो जाती है। राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी फिल्म में लीड रोल में हैं। इसके अलावा विजय राज, मल्लिका शेरावत, टिकी तलसानिया और अर्चना पूरन सिंह अहम रोल अदा करते दिखाई दिए हैं।

शहनाज गिल ने सजना वे सजना गाने पर किया जमकर डांस

अभिनेत्री शहनाज गिल इन दिनों सजना वे सजना गाने पर थिरकती हुई नजर आ रही हैं। फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में शहनाज का छोटा सा कैमियो है।शहनाज ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। जिसमें वह अपने कोरियोग्राफर शाजिया सामजी और पीयूष भगत के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री इस गाने का हुकस्टेप करती नजर आ रही हैं, जो मूल रूप से करीना कपूर खान और राहुल बोस अभिनीत 2003 की फिल्म चमेली का है।उन्होंने कैप्शन में लिखा, ले तेरी होगी यार, सजना वे सजना।इस गाने के नए वर्जन में शहनाज और राजकुमार राव हैं। इसे सुनिधि चौहान और दिव्या कुमार ने गाया है।विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में तृप्ति डिमरी, मल्लिका शेरावत, राकेश बेदी और विजय राज भी हैं। फिल्म एक ऐसे जोड़े की कहानी है जो अपनी पहली रात को यादगार के तौर पर फिल्माने का फैसला करते हैं। उन्हें सब कुछ ठीक लगता है, लेकिन जब तक वह सीडी, जिसमें उन्होंने अपना वीडियो स्टोर किया था, सीडी प्लेयर के साथ चोरी नहीं हो जाती।शहनाज के करियर पर प्रकाश डाले तो उन्होंने 2015 के म्यूजिक वीडियो शिव दी किताब से अपने मॉडलिंग करियर की शुरुआत की। 2017 में, उन्होंने पंजाबी फिल्म सत श्री अकाल इंग्लैंड से अपनी शुरुआत की।वह

काला शाह काला, डाका, होन्सला रख, किसी का भाई किसी की जान और हाल ही में थैंक यू फॉर कमिंग जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं।शहनाज कई संगीत वीडियो में दिखाई दी हैं - मार कर गई, पिंडन दियां कुड़ियां, जे हां नी करनी, पुत्त सरदारन दे, लख लांहटा, विया दा चा, जट्ट जान वरदा, गुस्से हो के नहियो सरना, जट्टी हद सेखड़ी, गुंडे इक वार फेर, पेग पौन वेले। गेडी रूट, शोना शोना, और आदत। उनके पास पाइपलाइन में सब फर्स्ट क्लास भी है।अभिनेत्री को बिग बॉस 13 के बाद स्टारडम मिला। शो के विजेता और दिवंगत स्टार सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी केमिस्ट्री दर्शकों ने खूब पसंद की और उन्हें प्यार से सिडनाज़ कहा जाने लगा।

'ये मेरी आखिरी' लास्ट कीमोथेरेपी से पहले हिना खान ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

पसीज उठा फैंस का दिल

हिना खान ब्रेस्ट कैंसर से जंग लड़ रही हैं। इस जानलेवा बीमारी से लड़ने के लिए एक्ट्रेस कीमोथेरेपी के सेशंस ले रही हैं जिसकी वजह से उन्हें काफी साइड इफेक्ट्स भी हो रहे हैं। हिना समय-समय पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने फैंस संग अपनी हेल्थ अपडेट साझा करती रहती हैं। उन्होंने अपने वीडियोज और फोटोज के जरिए बताया था कि कीमोथेरेपी की वजह से उनके सिर के बाल झड़ गए और वो अन्य कई बीमारियों से भी जूझ रही हैं।

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट पोस्ट में बताया कि अब उनकी कीमो-थेरेपी का बस लास्ट सेशन बचा हुआ है। इस दौरान उनकी आंखों पर बस अब एक आखिरी पलक बची हुई है। वो अपने पोस्ट में लिखती हैं, 'क्या आप जानना चाहते हैं कि इस वक्त मेरी प्रेरणा क्या है? मेरी आंखों के ऊपर ये मेरी लंबी और खूबसूरत पलकें जिन्होंने हमेशा मेरी आंखों की सुंदरता निखारी है'।

वो आगे लिखती हैं, 'ये बहादुर, अकेले बची मेरी आखिरी पलक जिसने मेरे साथ सबकुछ बहुत बहादुरी से झेला है। मेरी कीमोथेरेपी की लास्ट साइकिल अब बहुत नजदीक है। ये मेरी आखिरी पलक मेरी प्रेरणा है। हम इससे जरूर उभरेंगे'। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि उनकी जन्म से ही लंबी और खूबसूरत पलके हैं। उन्हें दशकों लंबे करियर के दौरान कभी भी शूटिंग के लिए आर्टिफीशियल पलकों की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि अब वो शूटिंग के लिए लैशेज का इस्तेमाल करती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका आकर्षक बर्ताव दूसरों का ध्यान आपकी तरफ़ खींचेगा। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आप इस दिन को अपनी ज़िन्दगी में कभी नहीं भूलेंगे, अगर आप प्यार में डूबने के मौक़े को आज यूँ ही न गवाएँ तो। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें– आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर धार्मिक स्थल पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। आपका जीवनसाथी किसी ख़ूबसूरत सरप्राइज़ से आपका दिन बना सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने–समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. जो अपने प्रिय के साथ छुट्टियाँ बिता रहे हैं, ये उनकी ज़िन्दगी के सबसे यादगार लम्हों में से होंगे। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है। कारोबारियों के लिए दिन सामान्य रहने की उम्मीद है।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ङ,छ,के,को,ह

पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। पारिवारिक तनावों को अपनी एकाग्रता भंग न करने दें। बुरा दौर ज़्यादा सिखाता है। आपके प्रिय का मूड ठीक नहीं है, इसलिए सोच–समझ कर कोई भी काम करें। आप लम्बे समय से दफ़्तर में किसी से बात करना चाह रहे थे। आज ऐसा होना मुमकिन है। कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। ज़्यादा ख़र्चे की वजह से जीवनसाथी से खट–पट हो सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। पढ़ाई की क़ीमत पर घर से ज़्यादा देर तक बाहर रहना आपको माता–पिता के गुस्से का शिकार बना सकता है। करिअर के लिए योजना बनाना उतना ही आवश्यक है, जितना कि खेलना–कूदना। इसलिए माता–पिता को ख़ुश करने के लिए दोनों में संतुलन बनाना ज़रूरी है। प्यार के मामले में आज आप ग़लत समझे जा सकते हैं। आज जितना हो सके लोगों से दूर रहें। लोगों को वक्त देने से बेहतर है अपने आपको वक्त दें। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका ऊर्जा–स्तर ऊँचा रहेगा। करीबी रिश्तेदारों के घर जाना आज आपकी आर्थिक स्थिति को बिगाड़ सकता है। वैवाहिक बंधन में बंधने के लिए अच्छा समय है। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। यदि आप नई जानकारी और क्षमताएँ विकसित करने की थोड़ी ज़्यादा कोशिश करेंगे, तो आपको बहुत लाभ होगा। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है। लेकिन आज सारी शिकायतें दूर हो जाएंगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस–पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। बाहरी चीज़ों का अब कोई ख़ास मायने आपके लिए नहीं बचा है, क्योंकि आप ख़ुद को हमेशा प्यार की ख़ुमारी में महसूस करते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ठूंस–ठूंस कर खाने और ज़्यादा कैलोरी की चीज़ें खाने से बचिए। माली सुधार की वजह से ज़रूरी ख़रीदारी करना आसान रहेगा। ऐसे दोस्तों के पास जाएँ, जिन्हें आपकी ज़रूरत है। आज आप कोई दिल टूटने से बचा सकते हैं। पेशेवर तौर पर अपने अच्छे काम की पहचान आपको मिल सकती है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपने पैसे को संचय करने के लिए आज अपने घर के लोगों से आपको बात करने की जरुरत है। उनकी सलाह आपकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मददगार होगी। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ध्यान और योग न केवल आध्यात्मिक तौर पर, बल्कि शारीरिक तौर पर भी आपके लिए फ़ायदेमन्द साबित होंगे। आज आपके माता–पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। कोई आपको दिल से सराहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियाँ आपके पक्ष में लगती हैं। जीवनसाथी से अच्छी बातचीत हो सकती है; आप महसूस करेंगे कि आप–दोनों में कितना प्यार है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

बैंक से जुड़े लेन–देन में काफ़ी सावधानी बरतने की ज़रूरत है। घर में और आस–पास छोटे–मोटे बदलाव घर की सजावट में चार चांद लगा देंगे। आज आपको निराशा हाथ लग सकती है, क्योंकि मुमकिन है कि आप अपने प्रिय के साथ सैर–सपाटे पर न जा पाएँ। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। व्यवसाय के लिए अचानक की गयी कोई यात्रा सकारात्मक परिणाम देगी। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। कोई व्यक्ति आपके जीवनसाथी में काफ़ी दिलचस्पी दिखा सकता है, लेकिन दिन के आख़िर तक आपको एहसास होगा कि इसमें कुछ ग़लत नहीं है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

स्वास्थ्य के लिहाज़ से बहुत अच्छा दिन है। आपकी ख़ुशमिज़ाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी। व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है। आपके जीवनसाथी का मिज़ाज आज बढ़िया है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की ज़रूरत है, ताकि आप दोनों एक–दूसरे को अच्छी तरह से जान व समझ सकें। आपका खाली समय आज मोबाइल या टीवी देखने में बर्बाद हो सकता है। इससे आपके जीवनसाथी को आपसे खिन्नता भी होगी क्योंकि आप उनसे बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाएँगे।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 15 अक्टूबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 12:21 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा रात्रि 10:09 तक
योग : वृद्धि दोपहर 02:13 तक
करण : कौलव दोपहर 02:05 तक
चन्द्रराशि : कुंभ सायं 04:49 तक
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:00 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:52 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 05:46 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भौम प्रदोष
व्रत , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में पिछले 10-12 सालों से पार्टी संगठन ही नहीं था : सैलजा

चंडीगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव एवं हरियाणा में सिरसा लोकसभा सीट से सांसद कुमारी सैलजा ने सोमवार को कहा कि कार्यकर्ताओं की पहचान संगठन होता है, जो कांग्रेस में पिछले 10-12 सालों से नहीं था। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की अनपेक्षित हार के संबंध में रोहतक में मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि किसी ने नहीं सोचा था कि कांग्रेस हार जाएगी, सबको पूरी उम्मीद थी कि हरियाणा में सरकार कांग्रेस की बनेगी।

यह पूछे जाने पर कि क्या संगठन का न होना भी कांग्रेस की हार का एक कारण रहा, सुश्री सैलजा ने कहा कि संगठन होना जरूरी है, क्योंकि संगठन कार्यकर्ताओं की पहचान होती है, कांग्रेस का राज्य स्तर से लेकर ब्लाक स्तर तक संगठन था ही नहीं, संगठन से पार्टी का काम होता है, कार्यकर्ताओं को पहचान मिलती है।

उन्होंने दावा किया कि हार से कांग्रेस कार्यकर्ता निराश जरूर हैं, पर हताश नहीं है और पार्टी चिंता न करके इस पर चिंतन कर रही है। उन्होंने कहा कि 10 साल विपक्ष में बैठे रहना आसान नहीं होता, पर कार्यकर्ताओं ने खूब मेहनत की, जिसके लिये वे कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करती हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि आलाकमान की तरफ से एक तथ्यान्वेषी समिति कार्यकर्ताओं के बीच जाकर हार के कारणों की तलाश करेगी, इसके बाद समिति की रिपोर्ट पर ही उच्चकमान निर्णय लेगा। उन्होंने कहा कि हार-जीत के कई कारण होते हैं, हार के कारणों की समीक्षा जारी है, पार्टी सभी से जानकारी लेगी, इसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है। क्या इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन हार का कारण बनी, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी की ओर से यह मामला चुनाव आयोग के समक्ष उठाया गया है, अब देखना है कि आयोग इस पर क्या संज्ञान लेता है। क्या प्रदेश संगठन में कोई बदलाव होने जा रहा है, इस पर उन्होंने कहा कि इस बारे में कुछ नहीं कह सकती, ये सब हाईकमान के अधिकार क्षेत्र का मामला है।

उन्होंने इस बात से इनकार किया कि कांग्रेस की बैठक में हार पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा था कि यह हार आपसी फूट के कारण हुई है और उन्होंने इस पर काफी नाराजगी जताई थी, कुमारी सैलजा ने कहा कि यह अनकही बातें हैं, श्री गांधी की ओर से ऐसा कोई बयान नहीं आया है। यह पूछने पर कि 10 साल कांग्रेस विपक्ष में रही और अब अगले पांच साल फिर विपक्ष में बैठेगी, ऐसे में कार्यकर्ताओं का क्या होगा, के जवाब में उन्होंने कहा कि राजनीति का नाम ही संघर्ष है, जो कमियां रहीं, उन्हें दूर करेंगे, पांच साल तक जनता को कांग्रेस से जोडेंग़े, सरकार की जनविरोधी नीतियों को लेकर आवाज उठायेंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस 36 बिरादरी की पार्टी है, वह सभी को साथ लेकर चलती है, पर सामाजिक रूप से कुछ बातें होती है। कांग्रेस में सब बातों को लेकर मंथन हो रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों की क्या इच्छा थी, उन्हें क्या दिखाया गया, लोगों की क्या प्रतिक्रिया थी, इसे भी देखना होगा। कुछ कांग्रेस उम्मीदवारों का आरोप है कि वे हारे नहीं हराये गये हैं, इन बयानों पर उन्होंने कहा कि सबके अपने अपने अनुभव हैं, सभी जीतने के लिये ही चुनाव लड़ते हैं।

भाजपा के केन्द्रीय पर्यवेक्षकों की विधायकों से बैठक कल : सैनी

चंडीगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को बताया कि भारतीय जनता पार्टी के पर्यवेक्षकों की नवनिर्वाचित विधायकों के साथ बैठक बुधवार को होगी, जिसमें विधायक दल के नेता का चुनाव किया जायेगा।भाजपा ने रविवार को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को हरियाणा में विधायक दल का नेता चुनने के लिये केन्द्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त करने की घोषणा की थी।

श्री सैनी सोमवार को गुवाहटी में कामाख्या मंदिर गये थे। वहां उन्होंने मीडिया से बातचीत में बताया कि पर्यवेक्षकों की विधायकों के साथ बैठक 16 अक्टूबर को होगी और नयी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार को पंचकुला में दशहरा मैदान पर होगा। उनके साथ भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन बड़ौली भी थे।

चुनाव के आठ अक्टूबर को आये नतीजों के अनुसार 90-सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 48 सीटें जीती हैं और तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है।

हरियाणा कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने की इस्तीफे की पेशकश

कहा- किसी और को दे दें जिम्मेदारी

चंडीगढ़, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के हरियाणा प्रभारी दीपक बाबरिया ने विधानसभा चुनाव में हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश की है। बाबरिया ने कहा कि पिछले सप्ताह हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के तुरंत बाद उन्होंने हाईकमान को अपना इस्तीफा सौंप दिया था, लेकिन इस मामले में उन्हें कोई निर्णय नहीं बताया गया। बाबरिया ने कहा कि पिछले सप्ताह नतीजों के बाद मैंने इस्तीफा देने की पेशकश की थी।

मैंने हाईकमान को कहा था कि आप मेरी जगह किसी और को ला सकते हैं। मेरी तबीयत ठीक नहीं है और नतीजों के बाद यह मेरी नैतिक जिम्मेदारी है। इसे ध्यान में रखते हुए मैंने हाईकमान से कहा था कि अगर आप ठीक समझें तो मेरी जगह किसी और को ला सकते हैं।

लोकसभा चुनावों के बाद भी मैंने दिल्ली के प्रभारी पद से इस्तीफा देने की पेशकश की थी, लेकिन उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। इसी तरह, हरियाणा के लिए भी कोई निर्णय नहीं लिया गया, लेकिन इस्तीफा देने की पेशकश करना मेरी जिम्मेदारी थी।

कांग्रेस हाईकमान ने पिछले गुरुवार को हरियाणा विधानसभा चुनावों में पार्टी की करारी हार पर समीक्षा बैठक की और एक तथ्य-खोजी टीम बनाने का फैसला किया। बैठक के दौरान नेताओं ने हरियाणा में अप्रत्याशित नतीजों के संभावित कारणों पर चर्चा की और ऐसे नतीजों के पीछे के कारणों का पता लगाने तथा पार्टी उम्मीदवारों द्वारा लगाए गए ईवीएम में विसंगतियों की शिकायतों की जांच करने के लिए एक टीम गठित करने का फैसला किया। समीक्षा बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल, चुनाव के लिए एआईसीसी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक अशोक गहलोत और अजय माकन के साथ-साथ राज्य के एआईसीसी सचिवों ने भाग लिया। हरियाणा के एआईसीसी प्रभारी बाबरिया बैठक में ऑनलाइन शामिल हुए।

पूनियां के चंडीगढ़ पहुंचने पर हुआ जोरदार स्वागत

चंडीगढ़/जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हरियाणा प्रभारी एवं हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के हीरो डा. सतीश पूनियां के सोमवार को हरियाणा पहुंचने पर उनका पार्टी कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। गुरुवार को हरियाणा में नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह होगा और सोमवार को डा पूनियां जब चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर पहुंचे तो भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग भी मौजूद थे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने डा पूनियां को गुलाब का फूल देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान श्री चुग डा. पूनियां के आगे कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते चल रहे थे और कार्यकर्ता डा पूनियां का स्वागत कर रहे थे।

उल्लेखनीय है कि डॉ. पूनियां अपने अपेंडिक्स के आपरेशन के चलते गत आठ अक्टूबर को हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम के दिन स्वास्थ्य लाभ के लिए जयपुर लौट आये थे। उस दिन जयपुर पहुंचने पर उनका जोरदार एवं भव्य स्वागत किया गया। हरियाणा में भाजपा की इस बार अप्रत्याशित जीत का श्रेय भाजपा के नेता और कार्यकर्ता डा पूनियां को दे रहे हैं और इसके चलते पिछले सात-आठ दिन में जीत के हीरो डा पूनियां से मिलने एवं उनका स्वागत के लिए राजस्थान के प्रदेश उपमुख्यमंत्री डा प्रेम चंद बैरवा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, शिक्षा मंत्री मदन दिलावार, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, खाद्य मंत्री सुमित गोदारा, पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, कई सांसद एवं विधायक, भाजपा के प्रदेश मंत्री जितेन्द्र गोठवाल एवं श्रवण बगड़ी तथा अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं का तांता लगा रहा।

सडक़ हादसे में युवक की मौत

हिसार, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में हिसार जिला के उकलाना क्षेत्र के गांव साहू के पास रविवार देर रात एक कार के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव किनाला के साहिल (22) के रूप में हुई है। यह हादसा उस समय हुआ, जब साहिल गाड़ी में सवार होकर कैथल से अपने गांव किनाला आ रहा था। जब वह गांव साहू के पास पहुंचा, तो गाड़ी अचानक से बेकाबू हो गयी। गाड़ी अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे खड़े सीधे पेड़ से जा टकराई, जिस कारण गाड़ी पूरी तरह से दुर्घटनाग्रस्त हो गयी और साहिल गम्भीर रूप से घायल हो गया। साहिल को घायल अवस्था में इलाज के लिये उकलाना ले जाया गया, लेकिन उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुये हिसार रेफर कर दिया गया। उसके बाद परिजन घायल अवस्था में साहिल को हिसार लेकर गये, लेकिन घायल साहिल ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है।

आश्रयहीन और नि:शक्तों को अपना घर आश्रम में भर्ती किया जाएगा

केकड़ी, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार की पहल पर पीड़ित मुक्त राजस्थान अभियान के तहत राज्य को आश्रयहीन, असहाय नि:शक्त लावारिस मुक्त करने के उद्देश्य से संस्था मां माधुरी बृज वारिस सेवा सदन अपना घर भरतपुर और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विशेष राहत अभियान सम्पूर्ण राजस्थान में एक साथ चलाया जायेगा।

केकड़ी के जिला समाज कल्याण अधिकारी इंद्रजीत सिंह ने सोमवार को बताया कि केकड़ी जिले में 16 अक्टूबर को विशेष राहत अभियान की शुरुआत की जायेगी। इसके तहत सार्वजनिक, धार्मिक स्थल, रेलवे स्टेशन एवं बस स्टैण्ड आदि के आस-पास रह रहे और घूमते हुए लावारिस बीमार एवं लाचार महिला एवं पुरूष को अपना घर आश्रमों में भर्ती किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के लिये संस्था द्वारा केन्द्रीय हेल्प लाइन नम्बर 9950737673 एवं 8764396814 (अपना घर आश्रम अजमेर) एवं संभाग प्रभारी नरेन्द्र तिवारी 9414942415 जारी किया गया है। जिस पर कोई भी सेवा भावी नागरिक असहाय लाचार की सूचना दे सकेंगे। यह अभियान केकड़ी, सावर, देवली आदि क्षेत्र में 16 अक्टूबर को चलेगा। अपना घर आश्रम भरतपुर द्वारा इस अभियान के लिये 14 राहत दल बनाये गये हैं। इन दलों के पास कुल 35 एम्बुलेंस, 120 सेवासाथी, 14 प्रभारी लगाये गये हैं। इसके अलावा अभियान में राजस्थान में संचालित संस्था के सभी 22 आश्रमों के पदाधिकारी एवं स्टाफ अपने-अपने क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।

उन्होंने बताया कि इस अभियान में 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की महिला एवं पुरूष प्रभुजनों को राहत प्रदान की जायेगी। महिला प्रभुजनों को सम्पूर्ण राजस्थान से भरतपुर, अजमेर, जयपुर एवं कोटा आश्रमों में प्रवेश दिया जायेगा।

जिला परिषद चेयरमैन दीप मलिक जाखौली के हाथ से छिटकी कुर्सी

अविश्वास प्रस्ताव पारित, 20 में से 17 पार्षदों ने विरोध में किया मतदान

अविश्वास प्रस्ताव के लिए की गई वोटिंग का परिणाम हुआ जारी

कैथल, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिला परिषद कैथल अध्यक्ष दीप मलिक जाखौली के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए की गई वोटिंग का सोमवार को परिणाम जारी किया गया। परिणाम के तहत अब दीपक मलिक उर्फ दीप जाखौली के हाथ से जिला परिषद की अध्यक्ष की कुर्सी छिटक गई है। अब जल्द ही नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।

बता दें कि 20 में से 17 पार्षदों ने प्रस्ताव के लिए वोटिंग की थी। परिणाम में सामने आया कि सभी वोट चेयरमैन के खिलाफ पड़े हैं। गौरतलब है कि दीपक मलिक उर्फ दीप जाखौली विधानसभा चुनाव के दौरान ही कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे। अध्यक्ष के खिलाफ इन 17 पार्षदों ने 27 जुलाई को वोटिंग की थी। परंतु मौके पर ही पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में अध्यक्ष की ओर से याचिका डालने पर हाईकोर्ट ने परिणाम पर रोक लगा दी थी।

इस दौरान केवल पार्षदों ने वोटिंग ही की थी। इसके बाद विधानसभा चुनाव के बीच में हाईकोर्ट ने परिणाम घोषित करने का निर्णय सुनाया था, लेकिन आचार संहिता लगने के कारण प्रशासन ने इसे रोक लिया था, जो आज जिला सभागार में घोषित किया गया। लोकसभा चुनावों के बाद से जजपा समर्थित अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उसे हटाने की रणनीति रची गई। जिसके चलते 12 जुलाई को भाजपा समर्थित 15 पार्षदों ने डीसी को अविश्वास का शपथ पत्र दिया। अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया तो मामला हाईकोर्ट पहुंच गया। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने 19 जुलाई को अविश्वास प्रस्ताव के लिए होने वाली वोटिंग पर रोक लगाने से इंकार कर दिया, परंतु चुनाव परिणाम घोषित करने के लिए उसके फैसले का इंतजार करने को कहा। कोर्ट ने इस पूरे मामले को लेकर सरकार से इसका जवाब मांगा था। जिला प्रशासन ने अब इस मामले में अपना जवाब पेश किया गया है, जिसमें अविश्वास को संवैधानिक व नियमों के मुताबिक बताया है। भाजपा समर्थित जिला परिषद के उपाध्यक्ष कर्मबीर कौल ने बताया कि 17 पार्षदों ने वोटिंग की थी। इसमें 12 से 13 भाजपा समर्थित पार्षद शामिल रहे हैं। जबकि अन्य चार से पांच पार्षद अन्य पार्टियों और निर्दलीय रहे हैं। उपाध्यक्ष ने बताया कि जिला प्रशासन अब चुनाव आयोग से पत्राचार कर जल्द ही नए अध्यक्ष के चुनाव की तिथि की घोषणा कर देगा। इसके बाद नए अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।

डीग में डिप्थीरिया से सात बच्चों की मौत, टीकाकरण अभियान शुरू

भरतपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में डीग जिले के कई क्षेत्रों में एक महीने में डिप्थीरिया से सात बच्चों की मौत एवं इस बीमारी के मरीजों की बढ़ती संख्या को देखकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और जयपुर चिकित्सा विभाग के दलों ने डीग जिले में गांव-गांव में बच्चों का टीकाकरण अभियान शुरू किया है।

चिकित्सा सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इस दौरान डिप्थीरिया से पीड़ित संदिग्ध बच्चों के लिये गये नमूने की जांच में 24 बच्चे पॉजिटिव पाये गये हैं, जबकि बड़ी संख्या में नमूने की जांच अभी बाकी है। सूत्रों ने बताया कि 14 सितंबर को सबसे पहले कामां इलाके में डिप्थीरिया से एक बच्चे की मौत की सूचना पर चिकित्सा विभाग ने कामां और आसपास के क्षेत्रों में बच्चों की जांच करना शुरू किया, जिसके बाद पहाड़ी क्षेत्र में भी एक बच्चे की मौत हो गयी।

बताया गया कि डिप्थीरिया फैलने की सूचना के बाद सर्वे तेज किया गया। इस बीच डिप्थीरिया की रफ्तार में गिरावट आने के बाद अचानक से फिर डिप्थीरिया फैलने लगा जिससे कामां में फिर से एक बच्चे एवं नगर में चार बच्चों की मौत हो गयी। सूत्रों ने बताया कि कामां के सुमित (7), अकरीन (5) की मौत हो चुकी है, जबकि नगर में सुमित (6), मोनिश (3), शीजन (5), अल्फेज (3), पहाड़ी में आसिफा (3) की डिप्थीरिया से मौत हो चुकी है। सूत्रों ने बताया कि नवजात बच्चों से लेकर 16 साल के उम्र तक के बच्चों को होने वाली डिप्थीरिया बीमारी में बच्चों के गले में सूजन, खांसी, बुखार हो जाता है।

बच्चों ने देखी राजस्थान विधानसभा

जयपुर, 14 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राज्य के विभिन्न जिलों के बच्चे शैक्षणिक भ्रमण पर जयपुर आकर राजस्थान विधानसभा और राजनैतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन कर ज्ञानवर्धन कर रहे है।

डीडवाना-कुचामन जिले की कुचामन सिटी के बी. आर. खोखर मेमोरियल शिक्षण संस्थान के कक्षा छह से सारह तक के विद्यार्थीऔर शिक्षक ने सोमवार को राजस्थान विधानसभा आये और विधानसभा जन दर्शन के तहत विधानसभा को देखा और अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से मुलाकात की। इस अवसर पर श्री देवनानी ने बच्चों से परिचय लिया। उनके विद्यालय, पढाई और खेल गतिविधियों की जानकारी ली। श्री देवनानी ने कहा कि बच्चे पढे, आगे बढ़े और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने बच्चों से कहा कि राष्ट्र प्रथम है। हमारे कार्यों में राष्ट्र प्रथम की भावना सदैव होनी चाहिए। श्री देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र पर गर्व की अनुभूति करें। श्री देवनानी ने इस वर्ष 18 मई से राजस्थान विधान सभा जन-दर्शन कार्यक्रम आरम्भ किया था। इस कार्यक्रम के तहत आमजन सुबह दस बजे से सांय पांच बजे तक विधानसभा के द्वार संख्या सात से आधार कार्ड की फोटो प्रति जमा कराकर विधानसभा में प्रवेश कर राजनीतिक आख्यान संग्रहालय का अवलोकन कर सकते है। उन्होंने बताया कि विधानसभा जन-दर्शन के तहत आमजन का विधानसभा से जुडाव को बढावा मिल रहा है। राजस्थानी शैली एवं विशिष्ट वास्तुकला का दिग्दर्शन कराने वाली विधानसभा की अनूठी ईमारत में देश, प्रदेश के आमजन, शोधार्थी, पर्यटक और विद्यार्थी आसानी से भ्रमण कर राज्य के राजनैतिक परिदृश्य की जानकारी का लाभ उठा रहे है।

24 घंटे में खत्म कर दूंगा लॉरेंस बिश्नोई का नेटवर्क : पप्पू यादव

बिहार में गरमाई सियासत

पूर्णिया (एजेंसियां)।

मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या ने न सिर्फ महाराष्ट्र बल्कि बिहार की राजनीति को भी गरमा दिया है। पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने इस मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अपराधी लॉरेंस बिश्नोई के पूरे नेटवर्क को खत्म करने की बात कही है। पप्पू यादव ने द पर दो ट्वीट्स किए, जिनमें उन्होंने लॉरेंस बिश्नोई और उसके आपराधिक गिरोह को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अगर कानून अनुमति दे तो मैं 24 घंटे में इस दो टके के अपराधी के पूरे नेटवर्क को खत्म कर दूंगा।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने अपने एक अन्य ट्वीट में बाबा सिद्दीकी को बिहार का बेटा कहा और इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि बाबा सिद्दीकी मूल रूप से बिहार के थे और मुंबई

में जाकर उन्होंने राजनीति में अपनी पहचान बनाई थी। इस संदर्भ में उन्होंने महाराष्ट्र में हो रही हत्याओं और अपराधों पर भी सवाल उठाए और इसे 'महाजंगलराज' की संज्ञा दी। पप्पू यादव ने कहा कि पहले सिद्धू मूसेवाला की हत्या, फिर करणी सेना के मुखिया की हत्या और अब बाबा सिद्दीकी जैसे राजनेता की हत्या से यह साफ हो गया है कि अपराधी बेलगाम हो गए हैं और कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची।

पप्पू यादव ने अपने ट्वीट में कड़े शब्दों का इस्तेमाल कर कहा कि यह देश है या हिजड़ों की फौज, जहां एक अपराधी जेल में बैठकर लोगों की हत्या करवा रहा है और पूरा सिस्टम मूकदर्शक बना हुआ है। उनके इस बयान ने विवाद को और बढ़ा दिया है और सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं।

बाबा सिद्दीकी बिहार के रहने वाले थे और मुंबई में उन्होंने अपनी राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी। एनसीपी के वरिष्ठ नेता के रूप में वे मुंबई की राजनीति में काफी प्रभावशाली माने जाते थे। उनकी हत्या के बाद महाराष्ट्र और बिहार में हलचल तेज हो गई है और दोनों राज्यों में अपराधियों के बढ़ते मनोबल पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पप्पू यादव ने स्पष्ट किया कि अगर उन्हें कानून की अनुमति मिले, तो वह लॉरेंस बिश्नोई जैसे अपराधियों के पूरे नेटवर्क को समाप्त कर सकते हैं। उन्होंने सरकार और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि देश में अपराधियों को खुली छूट मिल गई है, जिसका परिणाम है कि बड़े राजनेताओं और कलाकारों की हत्या हो रही है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी बोले–

मैदान में पता चलेगी पहलवानी

इमामगंज सीट पर दावा

पटना

बिहार में जन सुराज नई राजनीतिक दल के रूप में सामने आया है। राजनैतिक दल बनने के बाद प्रशांत किशोर ने बिहार में होने वाले विधानसभा उपचुनाव में प्रत्याशी उतारने की घोषणा के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं की प्रतिक्रिया भी सामने आने लगे हैं। इसी क्रम में प्रशांत किशोर द्वारा इमामगंज और बेलागंज विधानसभा के उपचुनाव में प्रत्याशी उतारे जाने के सवाल पर केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि हर कोई प्रत्याशी देता है। चुनाव के दौरान कई निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनावी मैदान में आते हैं। जब अखाड़ा में पहल-वान लड़ता है, तभी पता चलता है। कौन पहलवान कैसा है? जनता के बीच जाने से कौन रोक सकता है।

मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि बिहार में जिस-जिस सीट पर

विधानसभा उपचुनाव होने वाला है। उस सभी दल अपनी ताकत लगाएंगे।

हमारे समझ से इमामगंज विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में हम पार्टी के प्रत्याशी की जीत होगी। वहीं बेलागंज विधानसभा सीट पर इस बार उलट-पुलट होने जा रहा है। बेलागंज विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में राजद से यह सीट छिना जाएगा। वहां से इस बार एनडीए प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है।

वहीं केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह द्वारा हिंदू स्वाभिमान यात्रा के सवाल पर उन्होंने कहा कि आज सभी लोग अपने स्तर से यात्रा निकाल रहे हैं। अगर हिन्दू स्वाभिमान यात्रा निकाल रहे है तो क्या दोष है। इस देश में सभी को फ्रीडम है, अपना यात्रा निकालने के लिए। कोई अधिकार यात्रा, कोई स्वाभिमान यात्रा तो कोई हिन्दू बचाव यात्रा निकालते हैं। जनतंत्र में सभी को अपना अधिकार है। अगर गिरिराज सिंह यात्रा निकाल रहे तो क्या गलत कर रहे हैं। वह अपने आप में ठीक काम कर रहे हैं।

तीन दोस्तों को अनियंत्रित बाइक ने रौंदा, एक की मौत, दो की हालत गंभीर

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया में अनियंत्रित बाइक सवार ने मेला देख घर लौट रहे तीन दोस्तों को रौंद दिया। इस हादसे में घायल हुए एक युवक की इलाज के लिए पटना ले जाने के दौरान मोतिहारी के पास मौत हो गई। जबकि दो किशोरों की हालत गंभीर बनी हुई है। यह घटना जिले के मझौलिया थानाक्षेत्र के अनवाहाँ मोड़ के पास की है। मृत युवक की पहचान खुटिया विशुनपुर निवासी शेख नसरुद्दीन के बेटे शेख साहिल (18) के रूप में की गई है। वहीं, घायलों की पहचान शेख मृत्युंजय के बेटे वोसीम (16) और मोहम्मद इजहार के बेटे शौकत (15) के रूप में की गई है।

इधर, घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस शव को पोस्टमार्टम

के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज मामले की छानबीन में जुट गई। दोनों घायल किशोर का इलाज जीएमसीएच के सर्जिकल वार्ड में चल रहा है।

मृतक के पिता शेख नसरुद्दीन ने बताया कि उनका बेटा शेख साहिल अपने गांव के दोस्त वोसीम और शौकत के साथ दशहरे का मेला देखने रविवार की रात पारस पकड़ी गया हुआ था। देर रात घर लौटने के दौरान तेज रफ्तार अनियंत्रित बाइक सवार ने उन्हें टक्कर मार दी, जिसमें तीनों दोस्त गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इलाज के लिए परिजन उन्हें आनन-फानन में जीएमसीएच बेतिया ले गए। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने शेख साहिल की स्थिति गंभीर देखते हुए पटना रेफर कर दिया। वहीं, परिजन इलाज के लिए पटना ले जा रहे थे तब तक रास्ते में मोतिहारी के पास युवक की मौत हो गई। उसके बाद से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इधर, थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार मिश्रा ने बताया कि उन्होंने बताया कि पुलिस घटनास्थल से बाइक को जब्त कर थाने लाई है। मामले में मृतक के परिजनों के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

मोतिहारी में दो बीपीएम का शिक्षकों से रिश्वत लेने का मामला

एक की सेवा समाप्त, दूसरे पर बैठी जांच

मोतिहारी (एजेंसियां)।

मोतिहारी में शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। हाल ही में मोतिहारी जिले के ढाका प्रखंड शिक्षा कार्यालय से एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां दो ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर रिश्वत लेते हुए कैमरे में कैद हो गए। रिश्वतखोरी का यह वीडियो वायरल होने के बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। यह घटना विभाग की लंबे समय से चल रही अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की एक और कड़ी है।

जानकारी के मुताबिक, वायरल वीडियो में ढाका प्रखंड के इझच् सुमित कुमार को एक शिक्षक से रिश्वत लेते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। सुमित कुमार के

साथ ही उनके सहयोगी इझच् मोहम्मद फरीद भी कार्यालय में मौजूद हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि सुमित कुमार रिश्वत लेते हुए कैमरे से बचने की पूरी कोशिश कर रहा है, लेकिन शिक्षकों की सतर्कता और उनकी योजना के कारण यह रिश्वतखोरी बेनकाब हो गई। आरोप है कि दोनों नियमित रूप से शिक्षकों पर रिश्वत देने का दबाव बनाते थे, जिससे तंग आकर शिक्षकों ने इस बार उन्हें बेनकाब करने की ठान ली।

इससे पहले भी ढाका प्रखंड के दर्जनों शिक्षकों ने दोनों इझच् के खिलाफ लिखित शिकायतें की थीं। शिक्षकों का आरोप था कि सुमित कुमार और मोहम्मद फरीद उनसे हर छोटे-बड़े काम के लिए रिश्वत मांगते थे। हालांकि, शिक्षा विभाग ने इन शिकायतों पर कोई कार्रवाई नहीं की थी, जिसके चलते इन दोनों पर अब तक कोई असर नहीं पड़ा था।

वीडियो के वायरल होने के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी संजीव कुमार ने सख्त कदम उठाते हुए इझच् सुमित कुमार की सेवाएं तुरंत समाप्त कर दी हैं। इसके साथ ही, दूसरे आरोपी इझच् मोहम्मद फरीद के खिलाफ जांच के लिए दो सदस्यीय जांच टीम का गठन किया गया है। इसके अलावा, ढाका प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है कि शिकायतें होने के बावजूद उन्होंने आरोपियों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं की।

संजीव कुमार की इस सख्त कार्रवाई से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। रिश्वतखोर कर्मियों के बीच भय का माहौल है और अब सभी को विभागीय कार्रवाई का डर सता रहा है। यह मामला शिक्षा विभाग के अंदर व्याप्त भ्रष्टाचार की ओर इशारा करता है और यह देखना बाकी है कि इस जांच के बाद और कितने खुलासे होंगे।

ढाका प्रखंड में जहां दो बीपीएम की नियुक्ति की गई है, वहीं पड़ोसी प्रखंड पताही में एक भी बीपीएम की पोस्टिंग नहीं की गई है। यह असमानता भी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाती है। अब सभी की निगाहें जिला शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट और आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

राजनीति में उतरने के सवाल पर बिहार के चर्चित आईपीएस ने लिखी मन की बात, प्रशांत किशोर की भी चर्चा

पटना (एजेंसियां)।

विकास वैभव ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कुछ दिन पूर्व दिल्ली में था। भ्रमण के क्रम में एक परिचित ने बड़े स्नेह से पूछा कि आप क्यों अपने अवकाश के दिन बिहार के लिए बर्बाद करते रहते हो और तीन वर्ष से अधिक से हर जिले में घूम रहे हो? यदि चुनाव लड़ना है तो केवल बेगूसराय और अपने क्षेत्रों में घूमते, पार्टियों के बड़े नेताओं के चक्कर लगाते, उनसे घनिष्ठ संबंध बनाते, सफलता तुरंत मिल जाती, भला बिहार को प्रेरित करने में क्यों उर्जा लगाना? आपका उद्देश्य क्या है? बताइए, भला क्या परिवर्तन हुआ है। लेट्स इंस्पायर बिहार के तीन वर्ष बीतने पर भी? विकास वैभव ने कहा कि बात यहीं नहीं रूकी! उन्होंने राय भी दी कि आप जान लीजिए कि बिहार में कोई परिवर्तन नहीं होने वाला।

सीनियर आईपीएस अधिकारी विकास वैभव ने कहा कि बिहार जातिवाद की भयानक समस्या से ग्रसित है। वहां लोग आपके नीयत को नहीं, केवल आपकी जाति को ही देखेंगे और तदनुसार आपको भी समझेंगे। यदि आपको यह समझ नहीं आता तो उनसे सीखिए जो आपके बाद बिहार बदलने के लिए एक और अभियान शुरू किए थे परंतु तुरंत ही बिहार की जमीनी सच्चाई समझ गए और उन्होंने राजनीति का मार्ग चुना और अब जाति-संप्रदाय के नाम पर ही बिहार को बांटकर टिकट देने से लेकर पार्टी के पदों तक को भरने की बात करते हैं । यह तो वो भी जानते हैं कि ऐसा करने से बिहार नहीं बदलेगा, परंतु वह प्रैक्टिकल हो गए हैं! आप भी जान लीजिए कि राजनीति से ही परिवर्तन संभव है, आपकी यात्राओं और सोए हुए समाज को जगाने के प्रयासों से नहीं। आप भी प्रैक्टिकल बन जाइए, और सही दिशा में उर्जा लगाइए। मैं तो 30 वर्ष पहले ही बिहार छोड़ चुका हूं और जानता हूं कि वहां कुछ नहीं बदलेगा। मैं आपको राय इसीलिए दे रहा हूं चूंकि जब आपको इतना परिश्रम करते सोशल मीडिया पर देखता रहा हूं तो मुझे लगता है कि क्यों उर्जा को व्यर्थ कर रहे। आज जब मिले तो लगा कि आपको अपने मन की बात कह दूं, कृपया इसे अन्यथा मत लीजिएगा।

आईपीएस विकास वैभव ने कहा कि मैं उन्हें ध्यान से सुनता रहा और जब वह रूके तब मैंने कहा कि भाईसाहब, मैं अत्यंत आशावादी व्यक्ति हूं। मुझे परिणाम की चिंता नहीं है परंतु यह पूर्ण विश्वास है कि जिस मिशन में मैं लगा हूं, वह अवश्य सफल होगा। आप मेरे वर्तमान को तो देख पा रहे हैं परंतु यहां तक मैं कैसे पहुंचा हूं और आज ऐसा क्यों कर रहा हूं? यह आप नहीं समझ पा रहे हैं इसीलिए ऐसा प्रश्न कर रहे हैं। ऐसे प्रश्न करने भी चाहिए, चूंकि ऐसे प्रश्नों से ही तो समाधान का मार्ग निकलेगा । मैंने अनेक असंभव परिवर्तनों को अपने संक्षिप्त जीवनकाल में ही साक्षात संभव होते हुए देखा है और मेरे प्रयासों के पीछे मेरे अडिग विश्वास के वही अनुभव आधार हैं। मैंने उन्हें बताया कि आज से 16 वर्ष पूर्व 2008 के अगस्त में मैं रो-हतास का एसपी बना था। उस समय रो-हतास उग्रवाद से ग्रसित था और प्रतिवर्ष हिंसा में अनेक पुलिसकर्मी शहीद हो रहे

थे। वर्ष 2002 में तत्कालीन डीएफओ और वर्ष 2006 में डीएसपी भी शहीद हुए थे। आमतौर पर पुलिस द्वारा उग्रवादियों की गिरफ्तारी तथा मुठभेड़ों की संख्या को ही सफलता का मानक माना जाता था।

विकास वैभव ने कहा कि तीन सितम्बर, 2008 को सोली में छह इंच की दूरी से मेरे बगल से भी सैंकड़ों गोलियाँ निकली थीं और उसके पश्चात भी अनेक मुठभेड़ हुए थे परंतु अपनी बृहत दृष्टि के कारण मैं यह समझ गया था कि हिंसा को प्रतिहिंसा से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। पहली नजदीकी मुठभेड़ के बाद ही मेरे सभी शुभचिंतकों ने मुझे सचेत करने का हरसंभव प्रयास किया था और कहा था कि मुझे अपने प्राणों की तथा परिवार की चिंता करनी चाहिए और उग्रवादियों से दूरी बनाकर रखना चाहिए। यदि मैडल जीतना उद्देश्य था तो अपराधियों के विरुद्ध ही सघन कार्यवाई करनी चाहिए चूंकि उसमें खतरा कम था और प्रसिद्धि भी व्याप्त थी । परंतु मैं तब भी प्रैक्टिकल नहीं था, मेरी बृहत दृष्टि तो यही कहती थी कि मैं तो निमित्त मात्र ही हूँ, बिहार में परिवर्तन हेतु योगदान समर्पित करने आया हूँ और इसीलिए मार्ग की चुनौतियों का पूर्ण बल एवं आशावादिता सहित सामना करना है। जर्मनी में मल्टीनेशनल कंपनी और भारत की बड़ी सोफ्टवेयर कंपनी के ऑफर त्यागकर जब भारतीय पुलिस सेवा में यो-गदान दे रहा था तब बिहार कैडर आवंटित हो चुका था और उसके बाद भारतीय विदेश सेवा के लिए भी चयनित हुआ था परंतु मन में यही संकल्प था कि बिहार के परिवर्तन तथा उज्ज्वलतम भविष्य निर्माण में मेरा योगदान होना चाहिए। अतः बगहा में असंभव माने जाने वाले परिवर्तन को संभव कर सका और जब रोहतास पहुंचा तब भी किसी चुनौती से नहीं डरा, समस्या के पूर्ण समाधान पर ही चिंतन करने लगा।

आईपीएस विकास वैभव ने कहा कि बिहार को बदलने के लिए हमें बिहार की उस मूल भावना को समझना होगा जिसके कारण हम नव सर्जन करने में सक्षम हो सके। बिहार ही वेदांत की धरती रही है जिसकी बृहत दृष्टि में हर व्यक्ति ही नहीं अपितु हर आत्मा में भी उसी परमतत्व के अंश को देखने की कल्पना थी और कोई भेदभाव नहीं था। जातियां प्राचीन बिहार में अवश्य रहीं परंतु व्यक्ति को व्यक्ति से तोड़ने वाला जातिवाद यदि हावी रहा होता तो मगध में सबसे निम्न वर्ग से आने वाले नंद वंश का कभी उदय नहीं होता और न आचार्य चाणक्य भी चंद्रगुप्त की क्षमता को आंक पाते। यह व्यक्ति के सम्मान तथा व्यक्ति को व्यक्ति से जोड़ने की हमारे पूर्वजों की क्षमता ही थी जिसके कारण बिना भेदभाव के चुने गए 7707 गणराजाओं के द्वारा वैशाली के संथागार में विश्व के प्रथम गणराज्य को स्थापित किया जा सका।

आईपीएस ने कहा कि यदि कालांतर में हमारा अपेक्षाकृत विकास नहीं हुआ तो इसका कारण कहीं न कहीं समय के साथ लघुवादों अथवा अतिवादों से ग्रसित होना ही रहा है। अभियान का उद्देश्य इतिहास के संदेश को बिहार के हर व्यक्ति तक पहुँचाना है ताकि हम अपनी उर्जा सही दिशा में लगाएं। जो सक्षम हैं उन्हें उनके सहयोग के लिए तत्पर होना होगा जिन्हें उसकी वास्तविक आवश्यकता है, तब ही तो समतामूलक समाज का निर्माण संभव हो सकेगा। अभियान के अंतर्गत संकल्पना यही है कि उद्यमिता की व्यापक क्रांति से ही हम मिलकर 2047 तक विकसित भारत में एक ऐसे विकसित बिहार का निर्माण कर सकते हैं, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य अथवा रोजगार के लिए किसी को अन्यत्र जाने की आवश्यकता नहीं हो, और इसके लिए आवश्यक होगा कि जाति-संप्रदाय, लिंगभेद, विचारधाराओं के मतभेद आदि से परे उठकर हम संगठित रूप में सकारात्मक योगदान करें। बिहार के बाहर निवास कर रहे मूल बिहारवासियों को भी अपने जिलों में उद्यमिता के विकास के लिए प्रकल्पों की स्थापना के साथ-साथ स्टार्ट-अपों की स्थापना हेतु प्रयासरत युवाओं को मार्गदर्शन के साथ आवश्यक हरसंभव सहयोग प्रदान करने हेतु मैं आह्वान करता रहा हूं। अभियान के अंतर्गत 2028 तक बिहार के हर जिले में कम से कम पांच ऐसे सफल स्टार्ट-अप्स की स्थापना का लक्ष्य है जिनमें कम से कम 100 व्यक्तियों को रोजगार मिलता हो । इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

जमुई के नागी डैम में उतराता मिला मां-बेटे का शव

ससुराल वालों पर दहेज हत्या का लगा आरोप

जमुई (एजेंसियां)।

जमुई के झाझा थानाक्षेत्र के नागी डैम में सोमवार को मां-बेटे का शव पानी में उतराता मिला, जिसे देखने के लिए स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। उसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा इसकी सूचना झाझा थाना पुलिस को दी गई। सूचना के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर पानी में उतराते दोनों शवों को बाहर निकाला। फिर कागजी कार्रवाई पूरी कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्प-ताल जमुई भेज दिया। मृतका की पहचान झाझा थानाक्षेत्र के कर्मा गांव निवासी पप्पू यादव की पत्नी रिंकू देवी (24) और बेटे प्रियांशु कुमार (3) के रूप में हुई है।

मृतका के पति पप्पू यादव ने बताया कि रविवार की दोपहर लगभग एक बजे से उसकी पत्नी और बच्चा लापता थे। उनकी काफी खोजबीन की गई, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। वहीं, मृतका के पिता सुरेश यादव ने बताया कि रुपये के लेनदेन को लेकर दामाद ने उसकी बेटी और नाती की हत्या कर शवों को डैम में फेंक दिया। मृतका के पिता ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी रिंकू देवी की शादी 10 साल पूर्व कर्मा गांव निवासी पप्पू यादव के साथ की थी। लेकिन शादी के कुछ ही महीनों के बाद से पति समेत ससुराल वालों द्वारा दो लाख रुपये नकदी, बाइक और बर्तन की मांग की जाने लगी। इसको लेकर बेटी से ससुराल वालों द्वारा अक्सर मारपीट और उसे प्रताड़ित किया जा रहा था।

उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व भी रिंकू देवी के साथ ससुराल वालों द्वारा बीड़ी बनाने के पैसे 22 सौ रुपये की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट की गई। उसके बाद रविवार की दोपहर लगभग एक बजे से बेटी रिंकू देवी और उसका बेटा प्रियांशु लापता थे। जब लापता होने की सूचना मिली तो उसके ससुराल पहुंचकर खोजबीन करने की बात कही। तब ससुराल वाले उन्हें खोजने को तैयार नहीं थे और न ही उनके लापता होने की सूचना पुलिस को दी गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com